राजस्थान पत्रिका

य एषु सुप्तेषु जागर्ति

वर्ष : 19 | अंक : 346 | पृष्ठ 12 | ₹5.00

patrika.com /rajasthanpatrika

/rpbreakingnews /rajasthan_patrika

दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, गुजरात, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

नई दिल्ली, बुधवार, 10 जुलाई, 2024 | आषाढ़ शुक्ल पक्ष चतुर्थी, संवत् 2081

विम्बलडन टेनिस

दर्शकों के व्यवहार से खफा हुए जोकोविच ने कहा, मैं इसे बर्दाश्त नहीं करूंगा

@स्पोर्ट्स &गेमिंग

बाइडन ने दी चुनौती, बाहर होने को कहने वाले कन्वेंशन में करें सामना

@इंडिया&वर्ल्ड

कल से प्रदेश में कहीं भारी तो कहीं मध्यम बारिश के आसार

@छत्तीसगढ़

मातृ देवो भव

गुलाब कोठारी

कलियुग के बाद प्रलय निश्चित है। विज्ञान भी उसी ओर खींच रहा है, इंसान भी उधर ही दौड़ रहा है। इसका एक ही मार्ग है, सत्व से तमस की ओर। शुद्धता-निर्मलता-मधुरता से द्वन्द्व-भौतिकता की ओर मुंह कर लेना। लाखों संत -विभिन्न समुदायों के- अभी चातुर्मास करेंगे। हर वर्ष भी करते रहे हैं। क्या किसी समाज में सत्व बढ़ा या तमस घटा? क्योंकि प्रयोगात्मक स्वरूप ठहर गया। अन्न के परिधान एवं नाम बदल गए। तब मन का निर्माण व्यक्ति को धरती-माता से कैसे जोड़ेगा! जो अन्न धरती पर पैदा होता है, उसमें जीवात्मा होता है। धरती से जुड़ाव बना रहता है। धरती मां के इस जुड़ाव को हमारी मां आगे बढ़ाती है-गहरा करती सम्बन्धों को। अन्न के मिठास में अपने वात्सल्य का मधुर रस घोलती है। हमारी आत्मा का पोषण करती है।

समय बदल रहा है। बाजार में अन्न बदल रहा है, वहीं घर में मां बदल रही है। बदलाव का उदाहरण एक समाचार है-'बच्चा टिफिन नहीं ले गया तो नो टेंशन, ऑनलाइन का विकल्प आ रहा पसन्द। अब लंच से पहले गरमा-गरम टिफिन पहुंच रहा स्कूल।' यह तो हुआ मां के बदलते स्वरूप का उदाहरण। अन्न के बदलाव का उदाहरण तो समाचार में ही दिया है। इसमें तीन प्रकार की डाइट लिखी है-हैल्दी-प्रोटीन-कीटो। तीनों में ही राजस्थान और कुछ सीमा तक भारत भी दिखाई नहीं देता। सारी शब्दावली ही विदेशी है। खाने वाले का मन देशी कैसे हो जाएगा! मैं तो सपना देख रहा हूं। एक कपड़े में एक रोटी-सूखा नमक, मिर्च-अमचूर-बूरा। पानी के छींटे और लगावण तैयार! फ्रूट, सलाद का नाम पुस्तकों में पढ़ते होंगे। आते तो नहीं थे। समय के साथ विकास का लाभ तो मिलना भी चाहिए।

मां कह रही है-'मेरे बच्चे सुबह जल्दी स्कूल जाते हैं। घर में काम बहुत होता है। वेण्डर से खाना-अच्छा मिल जाता है। ऑनलाइन फूड स्कूल तक पहुंचाना अच्छा विकल्प है।' मां-बच्चे के बीच का एक सूत्र टूटे तो कोई बात नहीं है। मेरी जिन्दगी की प्राथमिकता बच्चे से अधिक महत्वपूर्ण है। यह बात इसलिए भी कह रहा हूं कि पिछले ही दिनों के कुछ और समाचार मुझे ज्यादा भयावह लग रहे हैं। मां को भी तो लगने चाहिए। उसका अपना उत्तरदायित्व स्कूल और वेण्डर से तो बड़ा होना चाहिए। उसके सम्बन्ध में तो व्यापार नहीं है।

खाद्य पदार्थों में मिलावटखोरी का मुद्दा क्या जानलेवा नहीं हो सकता? बड़े स्कूल व्यापार करते हैं, तो टिफिन में भी कमीशन ढूंढते ही होंगे। कहीं न कहीं समझौता तो होता ही होगा। बाजार में घी-तेल के नकली होने के समाचार रोज छप रहे हैं। स्वयं कोर्ट ने कहा है कि-'स्वास्थ्य मंत्रालय के रिकार्ड के अनुसार 20 प्रतिशत खाद्य पदार्थ मिलावटी या असुरक्षित गुणवत्ता के हैं। खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के सर्वे के अनुसार 70 प्रतिशत दूध में पानी मिला होता है।

बच्चे भी सामग्री@पेज04

gulabkothari@epatrika.com

पुतिन को पढ़ाया शांति का पाठ : आतंकवाद व भारत-रूस संबंधों पर भी चर्चा

शांति का रास्ता युद्ध के मैदानों से नहीं, वार्ता से निकलेगा : मोदी

बच्चों की मौत होती है तो हृदय हो जाता है छलनी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

patrika.com

मॉस्को. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस दौरे के दूसरे दिन रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय शिखर वार्ता में एक बार फिर रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर शांति का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि युद्ध के मैदानों से शांति का रास्ता नहीं निकलता। बम, बंदूक और गोलियों के बीच शांति संभव नहीं है। हमें वार्ता के माध्यम से शांति के रास्ते अपनाने होंगे।

मोदी और पुतिन के बीच आतंकवाद, यूक्रेन युद्ध और भारत-रूस संबंधों को लेकर चर्चा हुई। मोदी ने रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर कहा कि युद्ध, संघर्ष और आतंकी हमले से मानवता में विश्वास करने वाला हर व्यक्ति पीड़ित होता है। जब मासूम बच्चों की मौत होती है तो हृदय छलनी हो जाता है। हमने हमेशा कहा है कि भावी पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य के लिए शांति सर्वाधिक आवश्यक है। मोदी ने पुतिन के साथ करीबी संबंधों का जिक्र करते हुए कहा कि रूस से करीब ढाई दशक से मेरा नाता जुड़ा है। हम पिछले 10 साल में 17 बार मिल चुके हैं। भारत और रूस के बीच 25 साल में 22 द्विपक्षीय बैठकें हुईं। शेष@पेज04

मोदी को मिला रूस का सर्वोच्च सम्मान

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रूस के सर्वोच्च सम्मान 'ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल' से सम्मानित किया। इस सम्मान की घोषणा 2019 में की गई थी।

सिर पर लाल टोपी रूसी...गाना पुराना पर सेंटीमेंट अब भी वही

मोदी ने मॉस्को में भारतीयों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे यहां घर-घर में गाया जाता है- सिर पर लाल टोपी रूसी, फिर भी दिल है हिंदुस्तानी। यह गाना भले पुराना हो गया हो, सेंटीमेंट अब भी वही हैं। भारत-रूस के रिश्तों को कई बार परखा और वे हर चुनौती पर खरे उतरे। रूस भारत के सुख-दुख का साथी है। मोदी ने कहा, मैं 140 करोड़ लोगों का प्यार और हिंदुस्तान की मिट्टी की महक लेकर आया हूं। भारत जल्द दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप सिस्टम बन गया है। मोदी ने कहा कि भारत और रूस गंगा-वोल्गा के जरिए रिश्तों को री-डिस्कवर कर रहे हैं।

कजान-येक्टेरिनबर्ग में कॉन्सुलेट खुलेंगे

मोदी ने कहा, भारत ने कजान और येक्टेरिनबर्ग में कॉन्सुलेट खोलने का निर्णय किया है। इससे लोगों का रूस आना-जाना और व्यापार आसान होगा। मोदी मॉस्को में ऑल रशियन एग्जीबिशन सेंटर पहुंचे। उन्होंने एटम पवेलियन का दौरा किया और परमाणु पनडुब्बी का मॉडल देखा।

विशेषज्ञ टिप्पणी

भारत-रूस के बीच चीन रणनीतिक चिंता

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रूस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित करना रूस के लिए भारत के महत्व को दर्शाता है। शिखर वार्ता में व्यापार, वाणिज्य, सुरक्षा, कृषि, प्रौद्योगिकी और नवाचार पर भी चर्चा हुई। इससे साफ है कि दोनों देशों के संबंध सिर्फ रक्षा मामलों से कहीं ज्यादा हर दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। रूस में भारतीय वाणिज्यिक दूतावास हों या फिर यूक्रेन में लड़ने के लिए भर्ती किए गए युवाओं को कार्यमुक्त करने का मुद्दा, पुतिन की सहमति से साफ है कि भारत और रूस के संबंध हमेशा की तरह शिखर पर बने हुए हैं। रूस से बढ़ता व्यापार घाटा भारत के लिए चिंता का सबब है और निश्चित ही दोनों नेताओं ने इसके समाधान पर चर्चा की होगी। इसके परिणाम पर आने वाले दिनों में नजर रहेगी।

मनिष दाभाड़े, एसोसिएट प्रोफेसर, जेएनयू, नई दिल्ली

रूसी रक्षा आयात पर भारत की निर्भरता अभी भी महत्वपूर्ण है क्योंकि रूस की रक्षा प्रौद्योगिकी भारत को बढ़त प्रदान करती है। दोनों देशों के पुराने मित्रतापूर्ण संबंधों के बीच नई परिस्थितियों में चीन एक महत्वपूर्ण विषय है। शेष@पेज04

आभासी सौंदर्य : मोरक्को की लेली चुनी गई पहली मिस एआइ वर्ल्ड

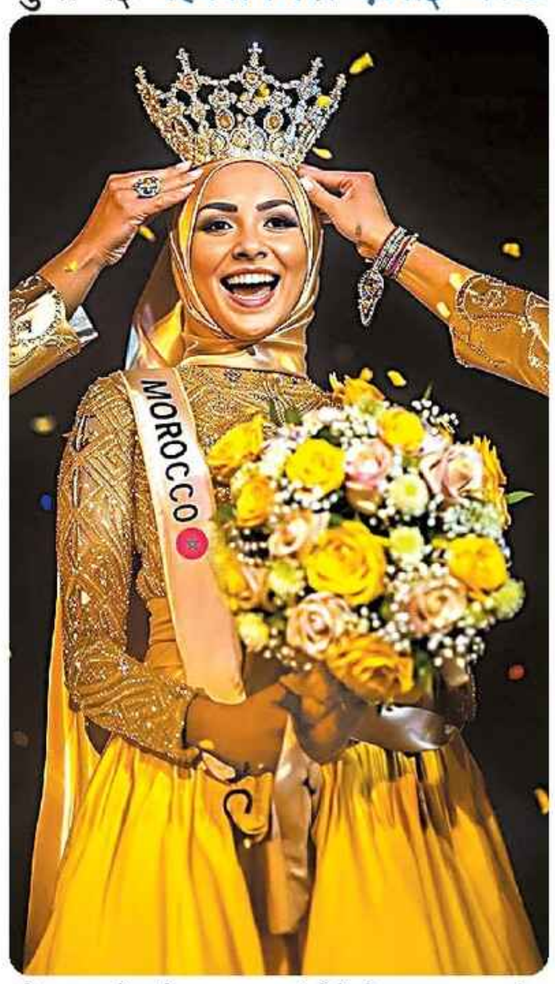

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

patrika.com

नई दिल्ली. मोरक्को की हिजाब पहनने वाली एआइ-जनित मॉडल केंजा लेली ने दुनिया की पहली मिस एआइ का खिताब जीत लिया है। फ्रांस की लालिना और पुर्तगाल की ओलिविया रनर-अप रहीं। लाइफस्टाइल इन्फ्लुएंसर केंजा ने 1,500 से ज्यादा कंप्यूटराइज्ड सुंदरियों को हराकर 20,000 डॉलर (करीब 16.70 लाख रुपए) का इनाम जीता। यह उसकी निर्माता मरियम बेस्सा को मिलेगा। वह फीनिक्स एआइ की सीईओ हैं। भारत से एआइ-जनित मॉडल जारा शातवारी प्रतियोगिता की शीर्ष 10 फाइनलिस्ट में रही। उसे एक मोबाइल विज्ञापन एजेंसी के सह-संस्थापक राहुल चौधरी ने बनाया।

न्यूज विंडो

■ हिट एंड रन मामले में मिहिर गिरफ्तार

मुंबई@ पत्रिका. वर्ली के हिट एंड रन मामले में आरोपी मिहिर शाह को घटना के 72 घंटे बाद मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया। हादसे के बाद वह फरार हो गया था। मिहिर की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने 14 टीमें लगा रखी थीं।

■ दलाई लामा को दी हाईकोर्ट ने राहत

नई दिल्ली@ पत्रिका. दिल्ली हाईकोर्ट ने सात साल के बच्चे के होठों को चूमने के मामले में तिब्बती धार्मिक गुरु दलाई लामा के खिलाफ पॉक्सो में कार्रवाई की मांग करने वाली याचिका को खारिज कर दिया।

झरोखा

रैकेट का पर्दाफाश : महिला डॉक्टर समेत 7 गिरफ्तार

बांग्लादेश में सौदा, भारत में होता था चोरी-छिपे किडनी ट्रांसप्लांट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

patrika.com

नई दिल्ली. पुलिस ने दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय किडनी रैकेट का पर्दाफाश करते हुए एक बड़े अस्पताल की महिला डॉक्टर समेत सात लोगों को गिरफ्तार किया है। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच के मुताबिक यह रैकेट 2019 से बांग्लादेश से राजस्थान तक चल रहा था। इसका मास्टरमाइंड एक बांग्लादेशी है। डोनर और रिसीवर भी बांग्लादेश से थे।

पुलिस के मुताबिक अवैध रूप से मानव किडनी का कारोबार बांग्लादेश से संचालित होता था। ऑपरेशन चोरी-छिपे भारत में किए जाते थे। रैकेट के बारे में राजस्थान पुलिस के खुलासे के बाद दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच जांच में जुटी थी। पुलिस को पता चला कि दिल्ली के एक बड़े अस्पताल की महिला डॉक्टर नोएडा के एक अस्पताल में 15 से 16 किडनी ट्रांसप्लांट कर चुकी हैं। बांग्लादेश में रैकेट के लोग डायलिसिस सेंटर जाकर पता लगाते थे कि किस मरीज को किडनी की जरूरत है और पैसे देने की कितनी क्षमता है। कोई मरीज 25 से 30 लाख रुपए देने को तैयार हो जाता तो एक भारतीय मेडिकल एजेंसी के जरिए उसे इलाज के लिए भारत भेज दिया जाता था। बाद में रैकेट के लोग किसी बांग्लादेशी को लालच देकर किडनी देने के लिए तैयार करते थे। उसे मरीज का रिश्तेदार बताकर भारत लाया जाता था। नकली दस्तावेज बनवाकर महिला डॉक्टर के जरिए उसकी किडनी निकलवा ली जाती थी।

नौकरी का झांसा देकर लाए गए कुछ डोनर्स

पुलिस के मुताबिक कुछ डोनर्स ने बताया कि उन्हें नौकरी का झांसा देकर बांग्लादेश से भारत लाया गया व उनकी किडनी निकाल ली गई। मामला सामने आने के बाद अस्पताल ने महिला डॉक्टर को सस्पेंड कर दिया है। अस्पताल ने एक बयान में बताया कि वह स्थायी डॉक्टर नहीं थी। उसे सेवा के बदले फीस के आधार पर रखा गया था। उसने किडनी ट्रांसप्लांट दूसरे अस्पताल में किए।

जम्मू-कश्मीर : सुरक्षा बलों ने आतंकियों को घेरा, देर रात तक मुठभेड़ जारी

डोडा में मुठभेड़, कठुआ के तलाश तेज

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

patrika.com

श्रीनगर. जम्मू कश्मीर के डोडा जिले के जंगलों में मंगलवार को सुरक्षा बल और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई। अधिकारियों ने बताया कि गादी भगवाह इलाके में आतंकियों के छुपे होने की सूचना के बाद सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान चलाया। इस बीच आतंकियों ने भी फायरिंग शुरू कर दी। देर रात तक मुठभेड़ जारी थी। इससे पहले कठुआ जिल में सेना के गश्ती दल पर घात लगाकर हमला करने वाले आतंकियों को पकड़ने के लिए मंगलवार को सेना ने कई इलाकों में तलाशी अभियान तेज कर दिया है।

खोजी श्वानों की मदद

अधिकारियों ने बताया कि हेलीकॉप्टर और यूएवी से कठुआ हमले के दोषियों की तलाश की जा रही है। इसमें खोजी श्वानों और 'मेटल डिटेक्टर' की मदद भी ली जा रही है।

मौसम का जादू : बूंदें गिरी तो बच्चों को सूझी मस्ती

देश के कई हिस्सों में जमकर बारिश हो रही है। नई दिल्ली में मंगलवार को हुई बारिश के बीच स्कूल के बच्चे खुद को मस्ती करने से नहीं रोक पाए। बारिश के भरे पानी के बीच दौड़ लगाकर घर जाते छात्र-छात्राएं।

तैयारी : 46 साल बाद तैयार होगा लेखा-जोखा

भगवान जगन्नाथ का रत्न भंडार 14 को खुलेगा, एसओपी जारी

देवेंद्र गोस्वामी

patrika.com

पुरी (ओडिशा). ओडिशा के पुरी स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार करीब 46 साल बाद 14 जुलाई को खोला जाएगा। हाईकोर्ट जज के नेतृत्व में बनी समिति ने मंदिर के खजाने को खोलने की प्रक्रिया तेज कर दी है। खजाने का लेखा-जोखा आखिरी बार 1978 में लिया गया था। इसके बाद रत्न भंडार का दरवाजा आखिरी बार 1985 में खुला था, इस वक्त सिर्फ मरम्मत का काम किया गया था। रत्न भंडार भगवान जगन्नाथ के स्थान की पीछे है। इस विशेष समिति को श्री मंदिर के आभूषणों और कीमती सामग्री की सूची तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

जस्टिस बिस्वानाथ रथ ने बताया कि इसके लिए मंगलवार को हुई बैठक में एसओपी तैयार कर ली गई है। इसे लेकर सरकार को प्रस्ताव भेज दिया गया है। उम्मीद है कि सरकार से अनुमति मिल जाएगी। उन्होंने कहा कि इस काम में पूरी गोपनीयता बरती जाएगी। इस दौरान दर्शन और अनुष्ठान जारी रहेंगे। बस भगवान के दर्शन दूर से हो सकते हैं। उधर मंदिर समिति को भी इसकी सूचना दे दी गई है। मंदिर समिति की बैठक बुधवार को होगी।

भंडार में 1500 साल पुराने आभूषण

रत्न भंडार की चाबी किसके पास है? इसका अभी तक पता नहीं चल पाया है। जस्टिस रथ ने बताया कि 14 को चाबी आए या न आए, दरवाजा हर हाल में खोला जाएगा। चाबी नहीं मिली ताला तोड़ने पर उसी समय निर्णय लिया जाएगा। भंडार में 1500 साल पुराने आभूषण मौजूद हैं। ऐसे में आभूषणों की गणना के लिए विशेषज्ञ रखे जाएंगे। गौरतलब है कि प्रशासन का कहना कि भंडार की चाबी खो गई है।

ट्रेंडिंग न्यूज

कर्नाटक

विराट कोहली के पब पर एफआइआर

बेंगलूरु@ पत्रिका. पुलिस ने बेंगलूरु में क्रिकेटर विराट कोहली के पब के खिलाफ एफआइआर दर्ज की है। देर रात तक क्लब खुला रखने पर यह कार्रवाई की गई। पुलिस को पब में तेज संगीत की शिकायत भी मिली थी। कोहली के पब दिल्ली, मुंबई, पुणे व कोलकाता में भी हैं।

नियुक्ति

गौतम गंभीर होंगे टीम इंडिया के नए हेड कोच

मुंबई@ पत्रिका. पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर को टीम इंडिया का नए हेड कोच नियुक्त किया गया है। बीसीसीआइ ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद राहुल द्रविड़ का कार्यकाल समाप्त हो गया। गंभीर 2027 तक इस पद पर रहेंगे। विस्तृत@स्पोर्ट्स&गेमिंग

आबकारी घोटाला

केजरीवाल की पेशी के लिए वारंट जारी

नई दिल्ली@पत्रिका. राउज एवेन्यू कोर्ट ने आबकारी घोटाले में सीएम अरविंद केजरीवाल व आप के खिलाफ ईडी की पूरक चार्जशीट पर संज्ञान लेते हुए 12 जुलाई को केजरीवाल की पेशी के लिए वारंट जारी किया। केजरीवाल की याचिकाओं पर हाईकोर्ट में 17 जुलाई को सुनवाई होनी है।

उभरती खेल संस्कृति | **2025 तक 253 अरब रुपए का हो सकता है गेमिंग उद्योग**

भारत में 44.2 करोड़ ऑनलाइन गेमर्स, चीन के बाद सर्वाधिक

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

patrika.com

नई दिल्ली. भारत में गेमिंग उद्योग तेजी से फल-फूल रहा है। देश में 2023 में ऑनलाइन गेमर्स की संख्या 44.2 करोड़ तक पहुंच गई, जो चीन के बाद सबसे ज्यादा है। थॉर्नटन भारत और ई-गेमिंग फैडरेशन की रिपोर्ट के मुताबिक 2025 तक इस उद्योग की ग्रोथ 20% की बढ़ोतरी के साथ 253 अरब रुपए तक पहुंच सकती है। ऑनलाइन गेमिंग पर 28% जीएसटी के बावजूद निवेशकों और गेमर्स का जोश बरकरार है।

रिपोर्ट के मुताबिक 2022 में ऑनलाइन गेमर्स की संख्या 42.1 करोड़ थी। इसमें 2021 के मुकाबले 8% की बढ़ोतरी हुई थी। ऑनलाइन गेमर्स में बढ़ोतरी गेमिंग बाजार के विस्तार को दर्शाती है। एक सर्वेक्षण में पता चला कि 67% भारतीय गेमर्स पर्सनल कंप्यूटर को स्मार्टफोन के मुकाबले बेहतर गेमिंग अनुभव प्रदान करने वाला मानते हैं। गेमर्स ज्यादा तल्लीनता का अनुभव चाहते हैं। वे यथार्थवादी ग्राफिक्स और बेहतर प्रदर्शन की मांग करते हैं, वहीं डेवलपर्स व हार्डवेयर निर्माता नवाचार करते हैं।

67% की नजर में स्मार्टफोन के मुकाबले *पर्सनल कंप्यूटर बेहतर*

सामाजिक गतिविधि के तौर पर विकसित

गेमिंग उद्योग के विशेषज्ञों का कहना है कि भारत में ऑनलाइन गेमिंग सामाजिक गतिविधि के तौर पर विकसित हो गई है। मल्टीप्लेयर व प्रतिस्पर्धी गेमप्ले लोकप्रिय हो रहे हैं। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स की बढ़ती लोकप्रियता ने स्थिर और तेज इंटरनेट कनेक्शन की जरूरतें बढ़ा दी हैं। गेमर्स अपने अनुभवों को वैश्विक यूजर्स के साथ साझा करना चाहते हैं। वे अब वाई-फाई नेटवर्क पर खेलते हैं।

हर दूसरा इंटरनेट यूजर गेमर

टियर-2 व टियर-3 शहरों में ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी, सस्ते डेटा और किफायती स्मार्टफोन भारत में गेमिंग संस्कृति के विस्तार के प्रमुख कारक हैं। लॉकडाउन के दौरान जैसे-जैसे लोग वर्चुअल मनोरंजन की ओर मुड़े, ऑनलाइन गेम तेजी से उभरे। आज भारत में 300 से ज्यादा गेमिंग प्लेटफार्म हैं और हर दूसरा इंटरनेट यूजर गेमर है।

नया परिवहन : कई परीक्षण के बाद इलेक्ट्रिक हेलिकॉप्टर को मिला सर्टिफिकेट

पेरिस ओलंपिक में उड़ान भरेंगी टू-सीटर टैक्सी, सीन नदी पर लैंडिंग पैड को प्रशासन की मंजूरी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

patrika.com

पेरिस. पेरिस ओलंपिक में टू-सीटर फ्लाइंग टैक्सी की सेवाओं के लिए सीन नदी पर लैंडिंग पैड को प्रशासन की मंजूरी मिल गई है। यह टैक्सी इलेक्ट्रिक हेलिकॉप्टर है, जिसमें कई रोटर लगे हैं। एयर ट्रैफिक के बीच इसकी उड़ान क्षमता का परीक्षण किया जा चुका है।

जर्मन कंपनी वोलोकॉप्टर यह टैक्सी सेवा शुरू करेगी, जिसका नाम वोलोसिटी रखा गया है। शेष@पेज04

रोमांचक होगी यात्रा

पेरिस में अर्बन मोबिलिटी सुविधाओं की प्रेसिडेंट वैलेरी पेक्रीज ने बताया कि हमने प्रोजेक्ट को वित्तीय सपोर्ट दिया है। हम चाहते हैं कि शहर में वर्टिकल टेकऑफ करने वाली उड़ान सेवा शुरू हो। यह कम ऊंचाई पर उड़ने वाला परिवहन सिस्टम है। इसमें यात्रा रोमांचक होगी।

उड़ाना ज्यादा आसान

वोलोसिटी के पायलट पॉल स्टोन का कहना कि यह टैक्सी डिजिटल फ्लाई-बाय वायर सिस्टम पर काम करती है। इसे हेलिकॉप्टर के मुकाबले आसानी से उड़ाया जा सकता है। हेलिकॉप्टर में सिर के ऊपर बटन दबाने होते हैं, सामने कीबोर्ड्स पर नजर रखनी होती है। वोलोसिटी में यह आसानी से हो जाता है।

8 राज्य, 38 संस्करण | अजमेर • अलवर • अहमदाबाद • इंदौर • उज्जैन • उदयपुर • कोटा • कोलकाता • खंडवा • ग्वालियर • चेन्नई • छिंदवाड़ा • जगदलपुर • जबलपुर • जयपुर • जोधपुर • झुंझुनूं • दिल्ली • नागौर • नर्मदापुरम • पाली • बाड़मेर • बांसवाड़ा • बिलासपुर • बीकानेर • बेंगलूरु • भरतपुर • भिलाई • भीलवाड़ा • भोपाल • रतलाम • रायपुर • सतना • सागर • सीकर • सूरत • शहडोल • श्रीगंगानगर

शहीदों की चिताओं पर ...

नई दिल्ली. देहरादून के जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर जम्मू कश्मीर के कठुआ में कर्तव्य पालन के दौरान शहीद हुए उत्तराखण्ड के पांच वीर सपूतों के पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। राष्ट्र रक्षा करते हुए वीरगति को प्राप्त अमर शहीदों को सभी देशवासी सदैव स्मृतियों में जीवंत रखेंगे। सैन्यभूमि उत्तराखण्ड के गौरव का सभी प्रदेशवासियों को गर्व है।

लोकसभा अध्यक्ष का इंदौर में नागरिक अभिनंदन

'भारत करेगा जलवायु संबंधी वैश्विक समस्या का समाधान'

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में रोपा पौधा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर/नई दिल्ली. लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि जलवायु परिवर्तन की समस्या के निवारण में भारत दुनिया का नेतृत्व कर रहा है। इस वैश्विक समस्या का हल जल्द ही भारत कर सकेगा। बिरला मंगलवार को इंदौर आए। प्रधानमंत्री के आव्हान पर चलाए जा रहे 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में उन्होंने एयरपोर्ट स्थित बीएसएफ फॉरेस्ट कैम्पस में बरगद का पौधा लगाया। बाद में बिरला ने महापौर व पार्षदों को सदन की गरिमा बनाए रखने की सीख दी। शाम को शहरवासियों ने बिरला का नागरिक अभिनंदन किया।

बिरला ने कहा कि पौधरोपण ग्लोबल वार्मिंग, वनों की कटाई और पर्यावरण को होने वाले नुकसान को रोकने का सबसे प्रभावी उपाय है। इससे हमें जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि इंदौर में लगने वाले 51 लाख पौधे पूरे देश के लिए मिसाल हैं और यह जन आंदोलन बन रहा है। इस मौके पर पूर्व सांसद सुमित्रा महाजन, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, महापौर पुष्यमित्र भार्गव मौजूद थे।

जलवायु संरक्षण के क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द मोदी की पहल की सराहना करते हुए बिरला ने कहा कि उनके विजन और प्रयासों से लोग एक बेहतर दुनिया और सतत विकास के लक्ष्य की तरफ बढ़ रहे हैं। मोदी ने लोगों को आजीविका के मूल्यों का ज्ञान भी दिया है। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान जलवायु संरक्षण की दिशा में भारत के प्रयासों में उल्लेखनीय कदम होगा।

इंदौर से मिली प्रेरणा

बिरला ने कहा कि इंदौर स्वच्छता की राजधानी है। अब महापौर पुष्यमित्र भार्गव के नेतृत्व में ग्रीन सिटी होगी। उन्होंने कहा कि वे इंदौर से प्रेरणा लेकर जा रहे हैं कि स्वच्छता व ग्रीन सिटी के लिए कैसा काम किया जाता है? नगर निगम के सभागार में सदन की बात कार्यक्रम में बिरला ने इंदौर की स्वच्छता की तारीफ करते हुए पर्यावरण के लिए इंदौर को मार्गदर्शक की भूमिका में बताया। बिरला ने सदन को चलाने की सीख दी।

इंदौर में मंगलवार को एक कार्यक्रम में पौधरोपण करते लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला।

बीजेपी ने हरियाणा में मोहन लाल को सौंपी कमान

पत्रिका ब्यूरो@ नई दिल्ली. बीजेपी ने विधानसभा चुनाव से ठीक पहले हरियाणा में नए प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति की हैं। राई से विधायक और ब्राह्मण चेहरे मोहन लाल बडौली पर पार्टी ने दांव खेला हैं।

हालिया लोकसभा चुनाव में सोनीपत से 21,816 हजार वोटों से मोहनलाल चुनाव हार गए थे। हारने पर पार्टी के कुछ नेताओं पर भीतरघात के आरोप भी लगाए थे। 1989 से संघ कार्यकर्ता रहे, फिर बीजेपी में आए। मोहनलाल ने 2019 में पहली बार राई सीट पर बीजेपी का खाता खोला था।

केंद्र हितधारकों से बातचीत कर हलफनामा दे: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली@पत्रिका. सुप्रीम कोर्ट ने भ्रामक विज्ञापन रोकने के लिए विज्ञापन एजेंसियों की ओर स्वघोषणा (सेल्फ डिक्लेरेशन) संबंधी दिशा-निर्देश के बारे में मंगलवार को कहा कि उसका उद्देश्य किसी को परेशान करना नहीं है। कोर्ट ने इस संबंध में स्पष्टता की जरूरत बताते हुए केंद्र सरकार को निर्देश दिए कि वे संबंधित स्टेक होल्डर्स के साथ मंथन जारी रखे और अपने सुझावों के साथ हलफनामा दाखिल करे। जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने इस निर्देश के साथ इंडियन न्यूजपेपर सोसाइटी और अन्य संगठनों की ओर से दायर कई अंतरिम आवेदनों पर नोटिस जारी किए। जस्टिस कोहली ने कहा कि हमारा उद्देश्य किसी पर बोझ डालना नहीं है।

राजस्थान: दिख सकता है प्रदेश का 2047 का विजन

घोषणाओं का पिटारा या विकास का रोडमैप

सरकार का पहला पूर्ण बजट आज

दिया कुमारी सुबह 11 बजे पेश करेंगी बजट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर/नई दिल्ली. राजस्थान की भजनलाल सरकार का पहला पूर्ण बजट बुधवार को विधानसभा में पेश होगा। इसमें सरकार के विजन 2047 की झलक दिखेगी। विधानसभा में जनता से किए वादों को लेकर बजट में कुछ घोषणाएं जा सकती हैं। बजट से हर वर्ग के लोगों को काफी उम्मीद हैं। इसमें चिकित्सा, शिक्षा, रोजगार, ऊर्जा और इन्फ्रास्ट्रक्चर को लेकर घोषणाएं होंगी। बजट को मंगलवार को उप मुख्यमंत्री (वित्त) दिया कुमारी ने वित्त विभाग के अधिकारियों के साथ अंतिम रूप दिया। जिसके बाद बजट टीम के साथ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात की। दिया कुमारी प्रातः 11 बजे राज्य का वर्ष 2024-25 का परिवर्तित बजट विधानसभा में पेश करेंगी।

बजट में 5 साल के रोडमैप के साथ ही विकसित राजस्थान-2047 का विजन भी दिख सकता है, जिसके बारे में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बजट पूर्व संवाद के दौरान संकेत दिए थे। बजट को लेकर राज्य सरकार को 1 लाख 65 हजार से अधिक लोगों के सुझाव भी मिले, जिनमें भर्ती, रोजगार और कर्मचारियों से संबंधित मामलों को लेकर काफी अधिक सुझाव थे।

विभागों में बजट से उम्मीदें...

जयपुर. बजट को अंतिम रूप देने के बाद मंगलवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात करतीं उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी तथा वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अखिल अरोरा व अन्य अधिकारी।

शहरी विकास...

- प्रशासन शहरों के संग अभियान को नए रूप में शुरू करना
- चालीस शहरों के साथ सेटेलाइट टाउंस का डवलपमेंट
- सॉलिड वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट, बेहतर कनेक्टिवटी पर काम
- जयपुर में ट्रैफिक सुधार के लिए एलिवेटेड रोड और अंडरपास
- प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सस्ते मकान
- जयपुर समेत कई शहरों के लिए मास्टर ड्रेनेज व सीवरेज प्लान
- शहरों में नगर वन विकसित करना
- कुछ शहरों में स्पोर्ट्स स्टेडियम का निर्माण
- आवासीय भूखंडों की योजनाएं भी की जाएं सृजित
- नई सड़कों की घोषणा

शिक्षा क्षेत्र

- शिक्षक तबादला नीति
- कॉलेजों में न्यू एजुकेशन पॉलिसी
- राज्य वित्त पोषित यूनिवर्सिटी को लेकर एक्ट लागू करना
- भर्तियों के लिए टाइम-लाइन जारी करना
- नई भर्तियों की घोषणा करना
- स्कूलों-कॉलेजों में स्किल कोर्स बढ़ाना।

कृषि क्षेत्र

- फूड प्रोसेसिंग यूनिट को लेकर बढ़ाई जा सकती है सब्सिडी
- सिंचाई परियोजना को मिल सकता है बढ़ावा
- बीज किट वितरण में इजाफा
- किसानों को मिलने वाले ब्याज मुक्त ऋण के बजट में बढ़ोतरी
- जमीन नीलाम होने के मामले में किसानों को मिल सकती है राहत

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य

- मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य बीमा योजना की खामियों को दूर कर इसे बेहतर बनाया जाना, निजी अस्पतालों में पैकेज बढ़ाना
- आरजीएचएस योजना में सरकारी कर्मचारियों और पेंशनर्स को सभी दवाओं की उपलब्धता
- ठप पड़ी जनता क्लीनिक योजना को नए सिरे से आगे बढ़ाना
- मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए घोषणा
- डॉक्टर, नर्सेज, तकनीशियन व अन्य चिकित्सा संवर्ग की नई भर्तियों की घोषणा

पानी

- विस्तारित जयपुर शहर में बीसलपुर का पानी पहुंचाना
- झोटवाड़ा, प्रताप नगर की जनसंख्या को देखते हुए नए सब डिवीजन बनाना

ऊर्जा क्षेत्र

- बिजली तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए दस हजार करोड़ से इन्फ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंट
- नए ग्रिड सब स्टेशन व अधिशासी कार्यालय खोलना
- फ्री व सब्सिडी बिजली को पीएम सूर्यघर योजना से जोड़ना

यह भी रेकॉर्ड...

20 साल बाद सीएम नहीं करेंगे बजट पेश

- 20 साल बाद वित्त मंत्री के रूप में मुख्यमंत्री बजट पेश नहीं करेंगे। 2004 से 2023 तक वित्त विभाग मुख्यमंत्री के पास रहा था।
- 33 साल बाद केन्द्र के बजट से पहले आएगा राजस्थान का बजट, इससे पहले 1991 में हुआ था ऐसा। केन्द्र ने पास कर रखा है 31 अगस्त तक का लेखानुदान, जबकि राजस्थान सरकार ने 31 जुलाई तक का ही ले रखा है लेखानुदान।

सबकी खुशहाली, सबकी मुस्कान...

इन पर फोकस

बजट में हर वर्ग की खुशहाली को लेकर फोकस करना बताया जा रहा है। इसमें युवाओं को रोजगार, जल उपलब्धता, ऊर्जा क्षेत्र में प्रदेश को आत्मनिर्भरता बनाने, 10 हजार करोड़ रुपए के निवेश से 2950 मेगावाट के 4 सोलर पावर प्रोजेक्ट को मंजूरी, चिकित्सा क्षेत्र में सभी को इलाज सुलभ कराना, आवास निर्माण, ग्रामीण महिलाओं को लखपति बनाने को लेकर कई घोषणाएं वित्त मंत्री कर सकती हैं।

इस टीम ने तैयार किया बजट: अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोरा, वित्त (बजट) सचिव देबाशीष पृष्टी, वित्त (राजस्व) सचिव कृष्णा कान्त पाठक, वित्त (व्यय) सचिव नरेश कुमार ठकराल एवं निदेशक (बजट) बृजेश शर्मा।

बैरवा ने शाह से मुलाकात कर सियासी हालात पर की चर्चा

वैष्णव, मेघवाल से भी मुलाकात

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. राजस्थान के उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने मंगलवार को केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर प्रदेश के सियासी हालात पर चर्चा की। बैरवा ने इसके अलावा केन्द्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव से भेंट की। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री के साथ राजस्थान से जुड़े हुए विभिन्न विकास कार्यों सहित जनकल्याणकारी विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। इसी तरह बैरवा ने केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल से भी मुलाकात की।

दौरा : दोनों देशों के बीच 100 अरब के व्यापार का लक्ष्य

रंग लाई मोदी-पुतिन की दोस्ती, 2030 तक के लिए बनाई 9 सूत्रीय योजना

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मॉस्को. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच शिखर वार्ता के दौरान दोनों की मित्रता एक अलग ही अंदाज में नजर आई। दोनों ने नेताओं ने 2030 तक के लिए 9 सूत्रीय योजना का खाका तैयार किया। इस दौरान आतंकवाद से लेकर रूस-यूक्रेन युद्ध समेत कई मुद्दों पर चर्चा हुई। इस दौरान द्विपक्षीय व्यापार लक्ष्य निर्धारित करना और रूस के नेतृत्व वाले आर्थिक समूह के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते पर बातचीत को आगे बढ़ाना प्रमुख रहा। भारत के कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा परियोजना इकाइयों पर सहयोग जारी रखने पर भी सहमति बनी। भारत के विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने कहा कि दोनों नेताओं की चर्चा में मुख्य जोर आर्थिक मुद्दों पर था।

इन पर बनी बात

- 2030 तक 100 अरब का नया व्यापार लक्ष्य रखा।
- परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा परियोजना इकाइयों तीन से छह पर सहयोग जारी रखने पर चर्चा हुई।
- कनेक्टिविटी कॉरिडोर पर सहमति। इस संबंध में दोनों नेताओं ने नए प्रस्तावित पूर्वी गलियारे के बारे में बात की, जिसे चेन्नई-व्लादिवोस्तोक पूर्वी गलियारा कहा जाता है।
- रूस से भारत को उर्वरक आपूर्ति।
- भारत-यूरेशियन आर्थिक संघ व्यापार और सामान समझौते पर आगे बढ़ने सहमति।
- मानवीय सहयोग का विकास, शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, संस्कृति, पर्यटन, खेल, स्वास्थ्य देखभाल और अन्य क्षेत्रों में बातचीत का लगातार विस्तार।
- राष्ट्रीय मुद्राओं का उपयोग करके द्विपक्षीय निपटान प्रणाली का विकास, परमाणु ऊर्जा, तेल शोधन और पेट्रोकेमिकल और विस्तारित रूपों सहित प्रमुख ऊर्जा क्षेत्रों में सहयोग का विकास।
- पारस्परिक और अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा की सुविधा, यानी वैश्विक ऊर्जा संक्रमण की संभावनाओं को ध्यान में रखना।

9. दवाओं और उन्नत चिकित्सा उपकरणों के विकास और आपूर्ति में व्यवस्थित सहयोग को बढ़ावा देना। रूस में भारतीय चिकित्सा संस्थानों की शाखाएं खोलने और योग्य चिकित्सा कर्मियों की भर्ती करने की संभावना का अध्ययन करना तथा चिकित्सा और जैविक सुरक्षा के क्षेत्र में समन्वय को मजबूत करना।

वर्ल्ड कप का जिक्र

मोदी ने भारतीयों को संबोधित करते हुए टी-20 क्रिकेट वर्ल्ड कप में भारत की जीत का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह अपने आप में जीत की यात्रा का प्रतीक है। यह जीत दर्शाती है कि आज का युवा और युवा भारत आखिरी बॉल, आखिरी पल तक हार नहीं मानता।

लौटेंगे रूसी सेना में भर्ती हुए भारतीय

मोदी ने पुतिन के समक्ष रूसी सेना में जबरन भर्ती किए भारतीयों का मुद्दा भी उठाया। पुतिन ने आश्वासन दिया कि वह सभी भारतीयों को कार्यमुक्त करेंगे। एक अनुमान के मुताबिक करीब 40 भारतीय रूसी सेना में तैनात हैं। पिछले महीने इनमें से दो लोगों की मौत हो गई थी।

मोदी ने गले लगाया तो पुतिन ने की तारीफ

मोदी ने अपने चिरपरिचित अंदाज में पुतिन को गले लगाया और गर्मजोशी से हाथ मिलाया। बातचीत के दौरान पुतिन ने मोदी की जमकर तारीफ की और कहा कि आपने पूरा जीवन देश की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। आप भारत के लिए बहुत बेहतर कर रहे हैं। पुतिन ने मोदी को तीसरे कार्यकाल के लिए बधाई दी और कहा कि आपको मॉस्को में देखकर बेहद खुश हूं।

प्रधानमंत्री यह भी बोले...

- भारत पिछले 40-50 साल से आतंकवाद का सामना कर रहा है। **इसलिए मॉस्को में हुए आतंकी हमले का दर्द समझ सकता हूं।** मैं हर तरह के आतंकवाद की कड़ी निंदा करता हूं।
- कोरोना काल में जब दुनिया खाद्य-ईंधन-उर्वरक के संकट से जूझ रही थी, **भारत-रूस मित्रता और सहयोग के कारण भारत के किसानों को उर्वरक संकट का सामना नहीं** करना पड़ा।
- शांति की बहाली में **भारत हरसंभव सहयोग को तैयार है। भारत शांति के पक्ष में है।** पुतिन की बातें सुनकर मन में आशा पैदा हुई है।

प्रदेश महामंत्री बनाकर बीजेपी को किया मजबूत

पार्टी संगठन की रणनीति में माहिर हैं विष्णु मित्तल

पत्रिका ब्यूरो@ नई दिल्ली. दिल्ली भाजपा के नए महामंत्री विष्णु मित्तल संगठन के कुशल रणनीतिकार माने जाते हैं। मित्तल को संगठन में मिला प्रमोशन पार्टी की भावी रणनीति का संकेत माना जा रहा है। दरअसल बीजेपी को वैश्य समुदाय में एक ऐसा चेहरा चाहिए था जो भविष्य की रणनीति के लिहाज़ से फिट बैठता हो। मित्तल युवा हैं और उनकी पूरी दिल्ली में पकड़ है। वे दो बार कोषाध्यक्ष रहे। वीरेंद्र सचदेवा की टीम में उन्हें उपाध्यक्ष बनाया गया था। पद उनका कोई भी रहा हो काम उन्हें हमेशा बड़ा मिला। पार्टी ने कई अहम ज़िम्मेदारियों में उन्हें लगाया जिसे वे पर्दे के पीछे से अंजाम देते रहे। उपाध्यक्ष रहते हुए उनका नाम लोकसभा चुनाव की उम्मीदवारी के लिए तेज़ी से सामने आया था, लेकिन आख़िरी वक्त में वे दौड़ से बाहर हो गए। पार्टी ने उन्हें उत्तर पूर्वी दिल्ली में मनोज तिवारी की सीट पर इंचार्ज बनाया। यहां भी मित्तल ने अपना सांगठनिक कौशल दिखाया। इसके पहले वे राजस्थान चुनाव के दौरान उदयपुर में रणनीतिक कौशल दिखा चुके थे। पार्टी सूत्रों ने कहा कि आनंद विहार की झुग्गी में स्वच्छता का उनका अभियान काफ़ी चर्चा में रहा। उन्होंने दिल्ली की कई अन्य झुग्गियों में भी काम किया । निःशुल्क भोजन के उनके प्रकल्प आओ साथ चलें संगठन के बैनर तले कई अस्पतालों में चलते हैं।

मिलनसार और मृदुभाषी विष्णु मित्तल को मिली नई ज़िम्मेदारी उनके लिए बड़ा इम्तहान होगा ।

बहन की जमानत को शीर्ष कोर्ट जाएंगे राव

नई दिल्ली@ पत्रिका. बीआरएस नेता केटी रामा राव ने मंगलवार को कहा कि दिल्ली आबकारी नीति मामले में उनकी बहन के. कविता की जमानत याचिका दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा खारिज किए जाने के बाद वे सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे। कविता ने सोमवार को दिल्ली की एक अदालत में कथित आबकारी घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में 'डिफॉल्ट' जमानत की मांग की थी।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद जफर इस्लाम ने जारी किया वक्तव्य

मोदी सरकार के प्रयासों से देश में हर वित्त वर्ष में बढ़ रहा है रोजगार

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. मोदी सरकार के कार्यकाल के दौरान रोज़गार मामले में भारत दुनिया में सबसे शानदार प्रदर्शन करने वाले देशों में अग्रणी रहा हैं। जहां दुनिया भर के तमाम देश अर्थव्यवस्था और रोजगार के संकट से जूझ रहेहैं, वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने अर्थव्यवस्था और रोज़गार के क्षेत्र में शानदार प्रदर्शन किया हैं । प्रधानमंत्री मोदी के सफल और कुशल नेतृत्व की वजह से संभव हो पाया हैं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद जफर इस्लाम ने वक्तव्य जारी कर बताया कि कांग्रेस समेत विपक्ष रोज़गार को लेकर निरंतर सवाल उठाते रहे हैं और कांग्रेस नेता राहुल गांधी लगातार झूठ फैला रहे हैं, जबकि हक़ीक़त क्या है यह सभी को मालूम है।

6 फीसदी रही वृद्धि दर

आरबीआई रिपोर्ट के मुताबिक भारत में पिछले वित्त वर्ष में रोजगार वृद्धि दर 6 प्रतिशत रही हैं। इस कारण एक साल में 46.7 मिलियन नौकरियां बढ़ी हैं। पिछले वित्त वर्ष के दौरान भारत में 46.7 मिलियन लोगों को नौकरियां मिली हैं। यह आंकड़ा निजी सर्वेक्षणों में प्रस्तुत की गई संख्या से कहीं ज्यादा है, जिनमें उच्च बेरोजगारी दर की बात कही गई थी। रोजगार मामले में आरबीआई की इस रिपोर्ट में कुछ संस्थाओं की फर्जी और भ्रामक रिपोर्ट को बेनकाब कर दिया है।

आरबीआई रिपोर्ट के अनुसार, उद्योग स्तर की उत्पादकता और रोजगार को मापने पर पता चलता है कि 2023-24 में रोजगार वृद्धि दर 6 प्रतिशत से अधिक रही, जो कि 2022-23 से अधिक है । केंद्र सरकार के लगातार प्रयास की वजह से ये संभव हुआ है । आरबीआई रिपोर्टके अनुसार,2023-24 में भारत का कुल रोजगार 643.3 मिलियन था।पिछले कुछ सालों में ये लगातार बढ़ रहा है। मोदी सरकार ने देश में रोज़गार और स्वरोज़गार दोनों को बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किया है, जिसका सुखद परिणाम सामने आया। खास बात यह है कि 1981-82 के बाद रोज़गार के क्षेत्र में सबसे अधिक बढ़ोतरी 2023-24 में दर्ज की गई है।

तिरुवनंतपुरम में राज्य भाजपा की विस्तारित कार्यकारिणी बैठक

केरल में विपरीत परिस्थितियों में भी कार्य कर रहे हैं कार्यकर्ता: नड्डा

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा लोकसभा चुनाव के बाद राज्य के अपने पहले दौरे पर आज केरल पहुंचे। उन्होंने तिरुवनंतपुरम में राज्य भाजपा की विस्तारित कार्यकारिणी बैठक और अन्य प्रमुख बैठकों में भाग लिया। उन्होंने कहा कि भाजपा कहती है कि कश्मीर और कन्याकुमारी, अपना देश अपनी माटी, मगर कांग्रेस सत्ता में आने के लिए अपने झंडे को नीचे कर दिया और देश को टुकड़ों में बांटने वालों का झंडा उठा लिया।कांग्रेस के लोग बड़ी जीत की खुशियां मना रहे हैं, लेकिन कांग्रेस 2014, 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों में अपने सांसदों के आंकड़े को जोड़ ले, तब भी 2024 में उससे अधिक सीटें भारतीय जनता पार्टी ने अकेले जीती हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस परजीवी पार्टी बन चुकी है, जिसे 13 राज्यों में एक भी सीट नहीं मिली।गुजरात, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की 64 सीटों में से कांग्रेस को महज 2 सीटें ही प्राप्त हुई हैं।

केरल में भाजपा कार्यकर्ता विपरीत परिस्थितियों में भी समर्पण के साथ कार्य कर रहे हैं,। इसका नतीजा है कि आजादी के बाद पहली बार लोकसभा चुनाव में केरल से भी कमल खिला है। हाल के लोकसभा चुनावों में भाजपा ने न केवल केरल में अपनी सीटों का खाता खोला, बल्कि अपने वोट शेयर में भी उल्लेखनीय वृद्धि की।

भाजपा ने अभिनेता-राजनेता सुरेश गोपी के साथ त्रिशूर लोकसभा सीट 72,000 से अधिक वोटों से जीतकर एक मील का पत्थर हासिल किया। यह जीत केरल में पार्टी की पहली लोकसभा सीट जीत का प्रतीक है।

आगामी स्थानीय निकाय चुनावों और विधानसभा चुनावों को देखते हुए नड्डा की यात्रा को संगठनात्मक दृष्टिकोण से अत्यधिक महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान केरल भाजपा प्रदेशाध्यक्ष केसुरेन्द्रन, केंद्रीय मंत्री जॉर्जकुरियन, पूर्व केंद्रीय मंत्री वीमुरलीधरन, राष्ट्रीय मंत्री अब्दुल्लाह कुट्टी व अनिलएंटनी, वरिष्ठ नेता ओ राजगोपालव कुंभनम राजशेखरन सहित प्रदेश भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पोलमपोल भायो

डबल इन्जण सरकार सूँ, रहे चोगणी आस।
मिलज्या सबने बजट में, लाडू जसी मिठास!!

अनदेखी : कक्षा छह की पुस्तक 'हमारा राजस्थान' में पाठ्यक्रम नहीं हुआ संशोधित, सरकारी स्कूलों का सामान्य ज्ञान गड़बड़ाया

सरकारी स्कूलों के विद्यार्थी अब भी प्रदेश में सात संभाग और 33 जिले ही पढ़ेंगे

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

डूंगरपुर. पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने प्रदेश के जिलों की संख्या बढ़ाने के साथ ही संभागों की संख्या में भी बढ़ोतरी की थी। इसके बावजूद मौजूदा शैक्षणिक सत्र में अध्ययनरत प्रदेश के लाखों विद्यार्थी अब भी प्रदेश में 7 संभाग और 33 जिलों का ही अध्ययन करेंगे।

राजस्थान पाठ्य पुस्तक मंडल की ओर से प्रदेश के राजकीय विद्यालयों में हाल ही पुस्तकें वितरित की गईं। निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों में सिलेबस अपडेट नहीं हुआ हैं। ऐसे में सत्र पर्यन्त विद्यार्थी पुराने सेटअप के अनुसार ही पढ़ाई करेंगे।

जानेंगे शिक्षा का अधिकार अधिनियम

प्रदेश के बच्चे चुनावी ज्ञान सहित कई विषयों के बारे में पढ़ेंगे। पाठ्यक्रम में ईवीएम, वीवीपेड के साथ मतदान प्रक्रिया के साथ शिक्षा का अधिकार अधिनियम, चाइल्ड हेल्पलाइन, संपर्क पोर्टल व साइबर क्राइम सहित कई विषयों के बारे में बच्चों को जानकारी दी जाएगी।

अब 10 संभाग और 50 जिले

अब 10 और जिलों की संख्या 50 हो चुकी है। गत साल के बजट सत्र में तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने तीन नए संभागों व 17 नए जिलों की घोषणा की थी। इनमें सीकर, बांसवाड़ा व पाली को नए संभाग बनाया। वहीं, अनूपगढ़, बालोतरा, ब्यावर-डीग, डीडवाना-कुचामन, दूदू, गंगापुरसिटी, जयपुर ग्रामीण, जोधपुर ग्रामीण, केकड़ी, कोटपूतली बहरोड़, खैरथल-विजारा, नीमकाथाना, फलोदी, सलूम्बर, सांचौर व शाहपुरा को शामिल किया गया था।

शिक्षक और विद्यार्थियों में असमंजस

राजस्थान पाठ्य पुस्तक मंडल द्वारा प्रकाशित करवाई गई कक्षा छह की पुस्तक 'हमारा राजस्थान' में संशोधन नहीं होने से शिक्षकों व विद्यार्थियों में असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है। विद्यार्थी इस साल भी प्रदेश में 33 जिले और सात संभाग ही पढ़ेंगे। राजस्थान एक परिचय नाम के पहले अध्याय में ही राजस्थान के पुराने नक्शे के साथ संभागों व जिलों की पुरानी संख्या व नाम ही प्रकाशित हैं। ऐसे में शिक्षकों में भी इस बात को लेकर गफलत पैदा हो गई है कि उन्हें बच्चों को राजस्थान का वर्तमान स्वरूप पढ़ाना है या पुराना।

पाठ्य पुस्तक मंडल सरकार की ओर से दी गई सीडी के आधार पर पुस्तकें मुद्रण करवा कर पुस्तकों का वितरण करवाता है। संशोधन का निर्णय सरकार स्तर का है। यह हमारे क्षेत्राधिकार में नहीं है।

मूलचंद, सचिव, राज्य पाठ्य-पुस्तक मंडल, जयपुर

मंडल नई संशोधित पुस्तक छपवा कर दे

राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के प्रदेश उपाध्यक्ष ऋषिन चौबीसा, प्रवक्ता राजेन्द्रसिंह चौहान एवं जिलाध्यक्ष बलवंत बामणिया ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने नए संभाग एवं जिलों का गठन किया था, लेकिन आचार संहिता के चलते शिक्षा विभाग में धरातल पर लागू नहीं किया। मौजूदा प्रदेश सरकार ने कमेटी गठन कर जिलों के पुनर्गठन का कार्य करने की बात की है। शिक्षकों को अब यह समझ नहीं आ रहा है कि बच्चों को राजस्थान का नया नक्शा पढ़ाना है या प्रदेश का पुराना स्वरूप ही बताना है। ऐसे में शिक्षकों को विभाग से निर्देशों की दरकार है। साथ ही मंडल को नई संशोधित पुस्तक मुद्रण करवा कर देनी चाहिए।

ट्रेंडिंग वीडियो

1. अब आतंकियों का होगा पूरा सफाया

2. मॉस्को में स्पीच देते हुए मोदी गाने लगे गाना

youtube.com/@RajasthanPatrikaTV

राज्य के वायरल वीडियो, शॉर्ट्स क्यूआर कोड स्कैन कर देखें।

न्यूज शॉर्ट्स

फॉर्म में ऑनलाइन संशोधन सुविधा 18 तक

अजमेर @ पत्रिका. आरपीएससी ने सहायक सांख्यिकी अधिकारी (कृषि विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2024 के फॉर्म अभ्यर्थी 18 जुलाई तक आवश्यक संशोधन कर सकेंगे। सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि सहायक सांख्यिकी अधिकारी (कृषि विभाग) परीक्षा 25 नवम्बर को होगी। अभ्यर्थियों को नाम, पिता का नाम, फोटो, जन्म तिथि, जेंडर के अतिरिक्त अन्य प्रविष्टियों में संशोधन का अवसर दिया है। यह अभ्यर्थियों के लिए सुविधा मात्र है।

5वीं व 8वीं पूरक परीक्षा के लिए आवेदन 12 तक

बीकानेर @ पत्रिका. पांचवीं और आठवीं की पूरक परीक्षा के लिए आवेदन लेने की प्रक्रिया मंगलवार को शुरू कर दी गई। स्कूल स्तर पर वार्षिक परीक्षा 2024 में पांचवीं-आठवीं बोर्ड में पूरक घोषित विद्यार्थियों से परीक्षा आवेदन 12 जुलाई तक जमा कराने के निर्देश जारी किए गए हैं। इसके बाद स्कूल स्तर पर सभी आवेदनों की जांच कर सीबीईओ कार्यालय में 15 जुलाई तक जमा कराने होंगे। 16 जुलाई तक यह आवेदन डाइट कार्यालय पहुंचेंगे।

जिला जज संवर्ग के 95 पदों पर होगी सीधी भर्ती

जोधपुर @ पत्रिका. राजस्थान हाईकोर्ट प्रशासन ने जिला जज संवर्ग-2024 की सीधी भर्ती के लिए प्रतियोगी परीक्षा की अधिसूचना जारी कर पात्र अधिवक्ताओं से ऑनलाइन आवेदन मांगे हैं। बैकलॉग रिक्तियों को शामिल कर यह भर्ती 95 पदों पर होगी। परीक्षा के लिए राजस्थान न्यायिक सेवा नियम-2010 के तहत पात्र अधिवक्ता ही ऑनलाइन आवेदन दे सकेंगे। विस्तृत अधिसूचना वेबसाइट पर अपलोड की है। ऑनलाइन आवेदन की सुविधा शुरू हो गई है, जो 9 अगस्त शाम 5 बजे तक प्रभावी रहेगी।

प्राइमरी कक्षाओं के बच्चों को स्थानीय बोलियों के जरिए शिक्षा से जोड़ने की कवायद

'कम्पूटर रो आयो जमाणो, पेण हलारवा भूलग्या, मोबाइल में नंबर राख्या...'

24 जिलों में भाषायी सर्वेक्षण पूरा, नौ जिलों की बोलियों पर शब्द सारणी बनाई

पायलट प्रोजेक्ट के रूप में सिरोही और डूंगरपुर का कंटेंट तैयार किया

पत्रिका विजय शर्मा
patrika.com

जयपुर. स्कूलों में प्राथमिक कक्षाओं के बच्चों को स्थानीय बोलियों में कविताएं, मुहावरे और चुटकुले सिखाए जांएगे। नई शिक्षा नीति के तहत राजस्थान में इस बदलाव की तैयारियां जोरों से चल रही हैं। राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद की ओर से हाल ही 24 जिलों में सर्वेक्षण का काम पूरा कर लिया गया है। 9 जिलों में इन स्थानीय बोलियों के आधार पर शब्द सारणी तैयार कर शिक्षकों को भिजवाई गई है। वहीं, दो जिले सिरोही और डूंगरपुर में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में पढ़ाई के लिए कंटेंट तैयार किया गया है। इसमें स्थानीय भाषाओं में 'कम्पूटर रो आयो जमाणो, पेण हलारवा भूलग्या, मोबाइल में नंबर राख्या,' जैसी कविताएं, कहानियां, मुहावरे और चुटकुले तैयार किए हैं। ब्लॉक स्तर पर अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। इन अधिकारियों की ओर से शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। स्थानीय बोलियों के आधार पर बच्चों को शिक्षा से जोड़ने की कवायद करने वाले देशभर में छत्तीसगढ़ और राजस्थान के दो राज्य अग्रणी हैं।

इन जिलों में बोलियों का किया सर्वेक्षण

अजमेर: मारवाड़ी, हिंदी
अलवर: मेवाती, अहीरवाटी
बाड़मेर: मारवाड़ी, राजस्थानी
बारां: हाड़ौती, सहरिया
भरतपुर: बृजभाषा, हिंदी
भीलवाड़ा: मेवाड़ी, हिंदी
बीकानेर: मारवाड़ी, हिंदी
बूंदी: हाड़ौती, अन्य
चूरू: मारवाड़ी, शेखावटी
धौलपुर: हिंदी, बृजभाषा
दौसा: ढूंढाड़ी, अन्य
हनुमानगढ़: बागड़ी, पंजाबी
जैसलमेर: मारवाड़ी, राजस्थान
जालोर: जालोरी मारवाड़ी, सांचोरी मारवाड़ी
झालावाड़: मालवी, हाड़ौती
झुंझुनूं: शेखावटी, हिंदी
जोधपुर: मारवाड़ी, राजस्थानी
करौली: हिंदी, खड़ी बोली
कोटा: हाड़ौती, अन्य
नागौर: मारवाड़ी, हिंदी
सवाईमाधोपुर: हिंदी, ढूंढाड़ी
श्रीगंगानगर: बागड़ी राजस्थानी, पंजाबी
सीकर: शेखावटी, हिंदी
टोंक : ढूंढाड़ी, हिंदी

इन 4 भाषायी समूह के इतने लोग हैं राज्य में

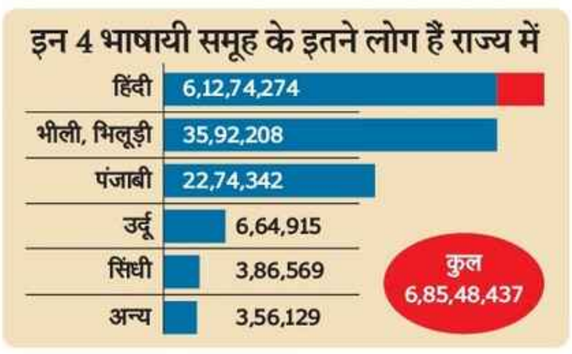

इसलिए जरूरी है

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद की निदेशक कविता पाठक के अनुसार बच्चा जब जन्म लेता हैं तो घर में स्थानीय भाषा बोलना सीखता है, लेकिन स्कूल जाता है तो सीधे किताबी भाषा पढ़ता है। ऐसे में भाषा बदलाव के कारण बच्चे को परेशानी होती है। शिक्षक और बच्चे की भाषा में तालमेल नहीं बैठ पाता। इसे ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति में कहा है कि बच्चे ने जो भाषा या बोली जन्म के बाद सीखी है उसी बोली या भाषा में उसे शिक्षा से जोड़ा जाए। इसे लेकर कार्य चल रहा है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत राजस्थान में स्थानीय भाषाओं में बच्चों को शिक्षा से जोड़ने का काम चल रहा है। हमने सर्वेक्षण का काम पूरा कर लिया है।

मदन दिलावर, शिक्षा मंत्री

इन भाषाओं में शब्दसारणी सूची तैयार

स्थानीय भाषा:	जिले
वागड़ी:	डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़
मालवी:	प्रतापगढ़
गरसिया:	सिरोही
मारवाड़ी:	सिरोही, पाली
गोड़वाड़ी:	सिरोही
ढूंढाड़ी:	जयपुर
मेवाड़ी:	उदयपुर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़

हिंदी में सबसे अधिक बोली जाने बोलियां

- राजस्थानी
- मेवाड़ी
- मारवाड़ी
- हाड़ौती
- ढूंढाड़ी
- बृजभाषा
- मालवी
- मेवाती
- सदन,सदरी
- सोंदवारी

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने जारी किए थे 17 गोल्स

सतत विकास में शेखावाटी के तीनों जिले टॉप पांच में

झुंझुनूं. ड्रोन से लिया गया एक पार्क का फोटो।

झुंझुनूं नम्बर एक, सीकर नम्बर तीन पर

राजेश शर्मा
patrika.com

झुंझुनूं. संयुक्त राष्ट्र महासभा की ओर से सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) के लिए दिए गए सत्रह गोल्स को पूरा करने की दिशा में शेखावाटी के तीनों जिले बेहतर कार्य कर रहे हैं। हाल ही में राजस्थान सरकार के सांख्यिकी निदेशालय की ओर से जारी की गई रैंकिंग में झुंझुनूं जिला पूरे राज्य में पहले स्थान पर आया है। इस सूची में नागौर दूसरे, सीकर तीसरे व चूरू पांचवें नम्बर पर है। जबकि जैसलमेर 33वें व जयपुर दसवें नम्बर पर है। सांख्यिकी विभाग की उप निदेशक पूनम कटेवा ने बताया कि जिला पूरे राज्य में नम्बर पर आया है, यह खुशी की बात है। सत्रह गोल्स का मुख्य मकसद वर्तमान पीढी की जरूरतों को पूरा करना तथा पर्यावरण सुरक्षा के साथ मानव विकास करना है।

जिला	रैंकिंग		
झुंझुनूं	01	बूंदी	17
नागौर	02	राजसमंद	18
सीकर	03	झालावाड़	19
भीलवाड़ा	04	अलवर	20
चूरू	05	बीकानेर	21
कोटा	06	टोंक	22
श्रीगंगानगर	07	सिरोही	23
हनुमानगढ़	08	धौलपुर	24
चित्तौड़गढ़	09	डूंगरपुर	25
जयपुर	10	करौली	26
अजमेर	11	भरतपुर	27
उदयपुर	12	प्रतापगढ़	28
पाली	13	बांसवाड़ा	29
जोधपुर	14	स.माधोपुर	30
जालोर	15	बाडमेर	31
दौसा	16	बारां	32
		जैसलमेर	33

ये हैं सत्रह गोल्स

- गरीबी समाप्त करना।
- कृषि का बढ़ावा व भुखमरी समाप्त करना।
- स्वस्थ जीवन सुनिश्चित करना।
- सभी के लिए गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा।
- महिला सशक्तिकरण।
- स्वच्छ जल प्रबंधन।
- किफायती व आधुनिक ऊर्जा उपलब्ध करवाना।
- आर्थिक विकास व रोजगार का प्रबंध।
- औद्योगिकरण को बढ़ावा।
- राष्ट्रों के बीच व उनके अंदर असमानता कम करना।
- शहरों में मानव बस्तियों को समावेशी बनाना।
- मांग व आपूर्ति का पैटर्न सही करना।
- जलवायु परिवर्तन व इसके प्रभाओं से निपटने के लिए कार्रवाई करना।
- सतत विकास के लिए संसाधनों का संरक्षण।
- वनों का सतत तरीके से प्रबंधन करना, मरूस्थल को रोकना।
- सभी को न्याय उपलब्ध करवाना।
- विकास के लिए वैश्विक भागीदारी का पुनरूद्धार करना।

सभी विभागों व जिले की जागरूकता जनता के प्रयासों यह संभव हुआ है। जिला शिक्षा में अग्रणी है, इसके लिए चलते जिला हर क्षेत्र में पहले पायदान पर रहता आया है। रोजगार में भी आगे है, पेयजल व मेडिकल के क्षेत्र में आगे हैं।

-रामरतन सौंकरिया, एडीएम झुंझुनूं

बड़ीखाटू थानाधिकारी निलंबित

अपहरणकर्ताओं की धमकियों से तंग आकर पिता-बेटी ने दी जान

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जायल (नागौर). क्षेत्र के एक गांव में अपहरणकर्ताओं की धमकियों से तंग आकर मंगलवार सुबह एक पिता और उसकी नाबालिग बेटी ने घर में आत्महत्या कर ली। इस मामले में परिजन ने बड़ीखाटू थानाधिकारी राधाकिशन मीणा सहित चुआ निवासी मोतीराम व मांगीलाल और 5-7 अन्य लोगों के खिलाफ आत्महत्या के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक नारायण टोगस ने थानाधिकारी मीणा को निलंबित कर दिया, वहीं मृतक के भतीजे की रिपोर्ट पर मोतीराम व मांगीलाल सहित अन्य के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया है।

14 जून को कराया था मामला दर्ज

एसपी ने बताया कि पिता ने 14 जून को बड़ीखाटू थाने में चुवा निवासी मोतीराम के खिलाफ उसकी बेटी का अपहरण कर ले जाने का मामला दर्ज करवाया था। मृतक के भतीजे ने मंगलवार को दी गई रिपोर्ट में आरोपियों पर नाबालिग के साथ बलात्कार करने का आरोप लगाया। साथ ही आरोपियों और थानाधिकारी पर चाचा को जान से मारने, झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकियां देने का आरोप लगाया।

खिलाड़ियों ने सीखी कुडो की तकनीक

बीकानेर. पीएसटी मार्शल आर्ट एकेडमी की ओर से रेलवे क्लब में ऑल इंडिया ट्रेनिंग सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार में खिलाड़ियों को कुडो के नए वर्जन और तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया। जापान से आए वर्ल्ड चैम्पियन तेरागुच्ची नोरोहिडे ने खिलाड़ियों को कुडो की तकनीकों की जानकारी दी।
फोटो : *नौशाद अली*

चितौसा गांव में पुलिस-प्रशासन की कार्रवाई

झुंझुनूं हिस्ट्रीशीटर की अवैध संपत्ति पर चला पीला पंजा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सिंघाना (झुंझुनूं). झुंझुनूं पुलिस ने मंगलवार को एक हिस्ट्रीशीटर की अवैध संपत्ति पर बुलडोजर चलाकर ध्वस्त किया। ऑपरेशन वज्र प्रहार के तहत पुलिस व प्रशासन ने सिंघाना थाने के गांव चित्तौसा में यह कार्रवाई की।

थानाधिकारी कैलाश चंद यादव ने बताया कि हार्डकोर अपराधी अभयसिंह उर्फ अभिया ने चित्तौसा गांव में बिशनपुरा रोड पर सरकारी जमीन पर कब्जा करके भवन बना रखा था। इसे लेकर प्रशासन ने कई बार नोटिस जारी गए, लेकिन अवैध निर्माण को नहीं हटाया गया। इस पर मंगलवार को पुलिस-प्रशासन की संयुक्त टीम ने चित्तौसा गांव पहुंच कर हिस्ट्रीशिटर के मकान पर जेसीबी चला कर उसे ध्वस्त कर दिया। मकान व जमीन की अनुमानित कीमत 70 लाख रुपए आंकी गई है।

25 मामले दर्ज हैं हिस्ट्रीशिटर के खिलाफ: अभयसिंह सिंघाना थाने का हिस्ट्रीशिटर है। उसके खिलाफ विभिन्न थानों में हत्या, हत्या का प्रयास, लूट, आर्म्स एक्ट, लूट व मारपीट सहित विभिन्न धाराओं में 25 मामले दर्ज हैं। आरोपी फिलहाल जमानत पर बाहर है।

तनावग्रस्त पुलिस | **कोरोना के बाद बढ़ी परेशानियों को लेकर पड़ी जरूरत, विशेषज्ञ स्क्रीनिंग से जानेंगे समस्या, करेंगे काउंसलिंग**

पंजाब, महाराष्ट्र की तरह राजस्थान पुलिस को मिलेगी मेंटल हेल्थ ट्रेनिंग

पत्रिका पंकज वैष्णव
patrika.com

उदयपुर. प्रदेश में पुलिसकर्मियों का मानसिक स्वास्थ्य सही रखने और उन्हें तनाव व अवसाद से बचाने के लिए विशेष कार्य योजना बनाई गई है। इसके तहत तनावग्रस्त पुलिसकर्मियों की पहचान, उच्चाधिकारियों की ओर से संपर्क और उनकी व्यक्तिगत समस्याओं के समाधान में मदद पर काम किया जाएगा। पुलिसकर्मियों के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर पूर्व में भी प्रयास किए गए, लेकिन अब प्रभावी रूप से काम शुरू होने जा रहा है। पोस्ट कोविड समस्याओं में मेंटल हेल्थ ट्रेनिंग की जरूरत महसूस की गई थी।

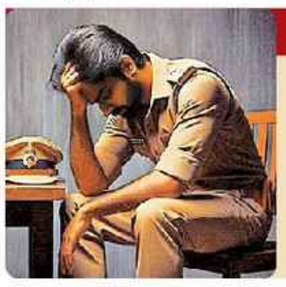

इसलिए पड़ रही जरूरत

1. पुलिसकर्मियों में आत्महत्या के मामले भी बढ़ रहे हैं।
2. आमजन से बुरा बर्ताव करने के मामले बढ़े हैं।
3. फील्ड में मारपीट के कई मामलों में छवि खराब हुई।
4. कोरोना के बाद मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ी है।
5. पुलिस की ड्यूटी का समय तय नहीं होना कारण है।
6. लम्बी ड्यूटी, परिवार से दूरी भी एक कारण होता है।
7. थानों में सिपाहियों को अवकाश कम मिलना भी वजह।

पुलिस महानिदेशक कार्यालय ने आदेश जारी कर प्रदेश के सभी पुलिसकर्मियों को मेंटल हेल्थ ट्रेनिंग देने के लिए कहा है। ट्रेनिंग प्रोग्राम के तहत पहले पुलिसकर्मियों का मेंटल हेल्थ स्कोर जांचा जाएगा। इसके बाद चिह्नित पुलिसकर्मियों की काउंसलिंग की जाएगी, ताकि उनके कार्य क्षेत्र की गुणवत्ता में वृद्धि हो सके। जयपुर में इसकी गतिविधियां शुरू हो गई है। पहले दौर में पुलिस प्रशिक्षण केंद्रों पर ट्रेनिंग होगी और इसके बाद बाकी प्रदेश में काम होगा। इस पूरे काम के लिए राजस्थान पुलिस ने एम पावर आदित्य बिरला ग्रुप को जिम्मेदारी दी है

पूर्व में भी हुई ऐसी गतिविधियां: जवानों में मानसिक तनाव के स्तर का पता लगाने के लिए जयपुर पुलिस ने एक एनआरआइ से मदद ली गई थी। ग्लोबल मेंटल हेल्थ असेसमेंट टूल से हुई जांच में जवानों से परिवार, जीवनशैली आदि सवाल पूछे गए।

चार साल पहले आवश्यकता हुई महसूस

पुलिसकर्मियों के मानसिक स्वास्थ्य को सही रखने के बारे में सुझाव के लिए पुलिस मुख्यालय की ओर से चार अधिकारियों की उपसमिति का गठन 2020 में किया गया था। उपसमिति ने तनाव के कारणों का विश्लेषण करते हुए उपाय सुझाए। सभी पुलिसकर्मियों तक उपाय पहुंचाए गए। उपसमिति ने माना है कि लगातार लम्बी ड्यूटी भी तनाव का एक कारण है, इसलिए पुलिसकर्मियों को आराम भी दिया जाना चाहिए।

पुलिस मुख्यालय ने जवानों के मेंटल हेल्थ को ध्यान में रखते हुए संस्था के साथ मार्च में करार किया था। इसे लेकर गतिविधियां शुरू हो रही है। कोरोना के बाद बढ़ी स्वास्थ्य समस्याएं और पुलिस की कार्यशैली को लेकर इस तरह की ट्रेनिंग की सख्त जरूरत है। हमारी टीम राजस्थान पुलिस को मानसिक स्वास्थ्य को प्रबल बनाने का काम करेगी।

सुनील त्रिवेदी, राज्य समन्वयक, एम पावर आदित्य बिरला ग्रुप

पेज एक से जारी

बच्चे भी सामग्री

दूध में डिटर्जेण्ट होने के प्रमाण भी सामने आए हैं।' राजस्थान हाईकोर्ट ने खाद्य पदार्थों में मिलावट के कारण कैंसर सहित कई जानलेवा बीमारियां होने पर चिन्ता जताई है। सरकारों को खाद्य सुरक्षा अधिनियम- 2006 को पुख्ता बनाने के निर्देश भी दिए हैं।

आपने यह भी समाचार पढ़ा होगा-'खाने में मिला रहे लेड-मर्करी, रसायनों से पका रहे फल-सब्जियां।' कोर्ट ने बताया है कि दालों-अनाज में मिट्टी-पत्थर-मार्बल चिप मिलाए जा रहे हैं। लेबल पर दी जा रही जानकारियां उपभोक्ता के लिए घातक सिद्ध हो सकती हैं। भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने पोषण सम्बन्धी जानकारियां देने के लिए डिब्बा बन्द खाद्य पदार्थों पर बड़े और मोटे अक्षरों में चीनी-नमक-सैचुरेटेड फैट की मात्रा लिखने के निर्देश जारी किए हैं। केमिकल प्रिजर्वेटर का प्रयोग अनिवार्य रूप से होता है। एक ओर सरकारें इतने ठोस कदम उठाने का प्रयास कर रही हैं, वहीं दूसरी ओर धनाढ्य माताएं अपने बच्चों को मिलावटखोरों और व्यापारियों के हवाले करके निश्चिंत होना चाह रही हैं। कितनी भोली हैं!

किसी भी मां के लिए संतान से मूल्यवान अन्य कुछ भी नहीं होता। संतान का शरीर भी मां का दिया होता है। उसमें खून भी मां का ही बहता है। सपने भी मां के ही बहते हैं। बीमार हो गया तो कष्ट भी मां को ही होता है। फिर ऐसा क्या बदला कि संतान का सुख खुद मां के लिए दो नंबर पर चला गया! वैण्डर के हवाले कर दिया! पूजा योग्य कर्म को अपनी सुविधा के लिए ठुकरा दिया!!

शिक्षा और भौतिकवाद ने मां को बदल दिया। आज दाम्पत्य भाव शरीर पर सीमित हो गया। संतान प्राप्ति कर्म से पूर्व दंपति ईश्वर से प्रार्थना नहीं करते-निर्मल आत्मा को परिवार में भेजने के लिए। विकसित कहे जाने वाले समाज की महिलाओं को तो डॉक्टर से पता चलता है कि संतान ने प्रवेश कर लिया है। हर महीने डॉक्टर ही मरीज को चैक करेगी कि सबकुछ 'नॉर्मल' है। मां-जीवात्मा के मध्य का संवाद-संगीत-वातावरण सब तो खो गया। कैसे मां-जीव का सम्बन्ध बनता? अभिमन्यु बनाने की कथा तो रुढ़ि बनकर सिमट गई। पूरे नौ माह का काल विटामिन्स और टॉनिक, फिजियोथैरेपी में सिमट गया। प्रसवकाल में भी यदि डॉक्टर सलाह दे दे तो ऑपरेशन हो जाता है। बच्चा तो पैदा हो गया, किन्तु स्त्री मां बनने की पीड़ा से वंचित रह गई। यह पीड़ा या मृत्यु द्वार की यात्रा जिस संतान के लिए होती है, वही सूत्र मां को मृत्युपर्यन्त संतान से बांधे रखता है। संतान में वह स्वयं को एकाकार पाती है। आधुनिक मां, समृद्धि के साथ ही संतान को छात्रावास में, दूर शिक्षण संस्थानों में भेजकर गौरवान्वित होती है।

पश्चिम में दाम्पत्य बन्धन नहीं है। संतान भी और पति भी बंधन नहीं है। सुख और सुविधा ही वहां का मूल मंत्र है। अब हमारा होता जा रहा है। देश ने 'मातृ देवो भव' की जो गूंज दी, मंद पड़ती जा रही है। बाजार का अन्न-बाजार का मन-बच्चे भी सामग्री।

सादड़ी के परशुराम बगेची झुपा स्कूल पर डेढ़ घंटे तालाबंदी

शिक्षकों की कमी से गुस्साए ग्रामीणों ने स्कूल पर जड़ा ताला

शिक्षक नियुक्ति की मांग को लेकर दिया धरना

7 दिन की दी चेतावनी, शिक्षक नियुक्ति नहीं तो तालाबंदी करेंगे

अधिकारी नहीं पहुंचे, शिक्षकों की समझाइश से शांत हुए ग्रामीण

सादड़ी . विद्यालय पर तालाबंदी कर धरना देकर बैठे ग्रामीण। पत्रिका

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पाली. सादड़ी के परशुराम महादेव बगेची रेबारियों की ढाणी झुंपा स्थित महात्मा गांधी अंग्रेजी स्कूल व राजकीय उच्च प्राथमिक स्कूल में शिक्षकों के रिक्त पद भरने की मांग पर आक्रोशित अभिभावक, ग्रामीणों ने सोमवार को करीब डेढ़ घण्टे स्कूल पर तालाबंदी की।

स्थायी शिक्षक तैनात करने की मांग को लेकर धरना देकर प्रदर्शन किया। अधिकारियों के नहीं पहुंचने की स्थिति में सरकार, शिक्षा विभाग अधिकारियों को 7 दिन में स्थायी शिक्षक नहीं लगने पर अनिश्चितकालीन तालाबंदी की चेतावनी दी है।

अधिकारी नहीं पहुंचते देख प्रतिनियुक्ती पर लगे शिक्षकों ने समझाइश कर ग्रामीणों को शांत किया। उपबस्ती बगेची झुंपा रेबारियों की ढाणी में पहले राजकीय उच्च प्राथमिक स्तर हिंदी माध्यम स्कूल संचालित हो रही थी। गतवर्ष चुनावी साल में इसे महात्मा गांधी अंग्रेजी स्कूल प्राथमिक स्कूल रूप में परिवर्तित किया। वर्तमान में यहां अंग्रेजी माध्यम की कक्षा1 से 6 तक कक्षाएं चल रही हैं। जहां हिंदी माध्यम में कक्षा 7 व 8 संचालित हो रही है। गत साल कुल 130 विद्यार्थी अध्ययनरत थे।

इस वर्ष स्थायी शिक्षक नहीं होने से 40 का नामांकन टूटा। वर्तमान में छात्र/छात्राओं की कुल सख्या 90 रह गई है। यहां वर्तमान में 1 स्थायी व 2 प्रतिनियुक्ती पर शिक्षक तैनात हैं। सोमवार सुबह 7.30 बजे अभिभावक व ग्रामीण पूर्व पालिकाध्यक्ष दिनेश मीणा, गजाराम जाट, राकेश मेवाड़ा, उमाराम राइका, फुआराम देवासी, शंकरलाल माली, बाबूदास, राणाराम सहित प्रबुद्धजनों महिलाओं की मौजूदगी में प्रवेश द्वार पर तालाबंदी कर दी।

स्कूल के बाहर अभिभावक व ग्रामीणों ने बच्चों व शिक्षकों को रोक दिया। करीब डेढ़ घण्टे तक धरना प्रदर्शन किया। उच्चाधिकारियों को फोन पर सूचना दी। कोई मौके पर नहीं पहुंचा। ड्यूटी पर तैनात शिक्षक अनिल यादव, रामप्रसाद, कुसुम गोस्वामी ने ग्रामीणों से समझाइश कर ताला खुलवाया। अभिभावकों ने बच्चों की पढ़ाई बाधित नहीं हो इसको देखते हुए डेढ़ घण्टे बाद प्रवेश द्वार पर लगाया ताला खोल सभी को अंदर जाने दिया। गेट लगाकर फिर धरने पर बैठ गए। अधिकारियों को फोन पर सूचना देकर आगामी 7 दिन में स्थायी शिक्षक नहीं लगने पर तालाबंदी की चेतावनी दी।

'सरकारी शक्तिमान' पर प्रतिक्रियाएं

गठजोड़ से बढ़ रहा भ्रष्टाचार, जांच एजेंसियों को ताकत दें

तमाम तरह के माफिया को बढ़ावा देने में राजनेताओं और अफसरों के गठजोड़ की तरफ इशारा करते पत्रिका समूह के प्रधान संपादक गुलाब कोठारी के अग्रलेख 'सरकारी शक्तिमान' की पाठकों ने सराहना की है। पाठकों का कहना है कि भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए बनी संवैधानिक संस्थाएं ही शक्तिहीन होती जा रही है। इसलिए सबसे पहले भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने वालों पर अंकुश लगाना होगा। **पाठकों की प्रतिक्रियाएं विस्तार से-**

अग्रलेख में सरकारी तंत्र की कार्यशैली का खुलासा किया गया है। अधिकारी से लेकर राजनेता सब कमाई में लगे हैं। जनता की सहूलियतों पर ध्यान नहीं। बजरी माफिया, अतिक्रमण माफिया, सब नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। लोकायुक्त के आदेश पर कार्रवाई नहीं होने से लगता है यह पद भी अब नाममात्र का रह गया है। लोकायुक्त को शक्तियां मिलनी चाहिए, जिससे गलत काम करने वालों पर अंकुश लगे। – **राकेश शर्मा,** झालानियों का रास्ता, जयपुर

सरकारी महकमे न्यायपालिका के आदेशों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। भले ही कोई भी विभाग हो। घोटालों से लेकर हर काम में रिश्वत मांगी जा रही है। आमजन को कई बार चक्कर काटने के बाद भी निराश होना पड़ रहा है, जबकि चहेतों के काम मिलीभगत से पलभर में हो रहे हैं। ऐसे में विभागों की कार्यशैली भी सवालों के घेरे में है।

राहुल जैन, टोंक रोड, जयपुर

सरकार लोकतंत्र का अंग कही जाती है। वह केवल सुनने और सुनाने तक सीमित रह गई है। लोकतंत्र में लोगों के अधिकारों का हनन हो रहा है, अव्यवस्थाओं की बरसात हो रही है, जिससे लोकतंत्र की शक्तियों की खुलेआम अवहेलना हो रही है। एक दौर रजवाड़ों का था और एक दौर आज लोकतंत्र का। रजवाड़े तो लोगों के लिए दरबार के द्वार खोले बैठे रहते थे। हर संभव मदद और सहायता करते थे, किंतु आज के लोकतंत्र में बैठे राजनेता केवल अवसर लगाए हुए बैठे रहते है। **-अभिषेक जैन बिट्टू,** संयुक्त अभिभावक संघ, जयपुर

लोकतंत्र का मौजूदा दौर ही ऐसा है कि गुलामी के समय को भी अच्छा कहा जाने लगा है। कारण साफ है। सरकारें किसी की भी हो। चुनाव पहले बड़े-बड़े वादे और बाद में टांय-टांय फिस्स होना आम बात है। दो नंबर की कमाई से नेता-अफसर फल-फूल रहे हैं। न्यायालय के निर्णय आते हैं, किंतु पालना पर किसी की नजर नहीं होती। अवमानना दायर होने पर ही सुनवाई की जाती है। होना यह चाहिए कि अपने निर्णय की पालना का संज्ञान न्यायपालिका स्वयं ले।

कुलदीप पारीक, नागौर

चिंता इसी बात की है कि सरकारों के नाक के नीचे अवैध निर्माण, ड्रग्स का कारोबार, बजरी माफिया की कारगुजारियां और हर विभाग में खुले आम भ्रष्टाचार होता है। बांट कर खाने की प्रवृत्ति ऐसी हो गई कि सत्ता में आने पर कोई भी किसी के खिलाफ कार्रवाई नहीं करता। सरकार से बाहर रहने पर भ्रष्टाचार के खिलाफ बोलते हैं और सरकार में आते ही खुद भ्रष्टाचार में लिप्त हो जाते हैं।

गोपाल अरोड़ा, जोधपुर

शहरी सरकार से लेकर अन्य महकमों की कार्यशैली की जांच हो। वर्तमान समय में ये चल रहा है कि कैसे लोगों को ठगा जाए, अपनी जेब भरी जाए। विकास के नाम पर घोटाला, व्यवस्थाओं के नाम पर घोटाला, सहायता के नाम पर घोटाला, सुविधाओं के नाम पर घोटाला कर लगातार न केवल देश को खोखला कर रहे हैं, बल्कि इंसानियत की भी लगातार हत्या कर रहे हैं। **-शिवाली शर्मा,** समाजसेवी

अवैध खनन आज लाइलाज बीमारी बन गया है। कोई भी सरकार हो खनन माफियाओं को रोकने में विफल ही साबित हुई है। इसके पीछे कारण चाहे जो भी हो पर सरकारें चाहें तो अवैध खनन को जड़ से समाप्त कर सकती है। इसे रोकना मुश्किल जरूर है, लेकिन असंभव नहीं है।

साजिद अली, इंदौर

अग्रलेख के जरिए राजनेताओं और अफसरों के गठजोड़ को उजागर किया गया है। लोकायुक्त जैसी संस्थाएं अधिकार विहीन हैं और इनकी जांच रिपोर्ट भी कहीं हवा हो जाती है। आए दिन भ्रष्टाचार के मामले सामने आते हैं, लेकिन सजा कितनों को मिली इसका खुलासा होता ही नहीं है।

महावीर जैन, सिरोही

अग्रलेख देश की न्याय और शासन व्यवस्था की निष्क्रियता पर सटीक टिप्पणी है। कैसे सरकारी संरक्षण में पैदा हुए शक्तिमानों के राज में माफिया अपने पांव पसार रहे हैं। समर्थ और शक्ति सम्पन्न लोग आए दिन नियमों और कानूनों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। उन्हें कोई रोकने-टोकने वाला नहीं, दंड देना बहुत दूर की बात है। ऐसा प्रतीत होता है कि देश की सरकारों ने अपने चहेतों को बचाने के लिए पुलिस विभाग के साथ मिलीभगत कर अपराधियों के प्रति कार्रवाई न करने का प्रण ले लिया है। नाम के लिए लोकायुक्त ,लोकपाल जैसे पदों को बनाया गया है, लेकिन शक्तिविहीन होने के कारण इस तरह की संस्थाएं भी खुल कर काम नहीं कर पा रही है। **डॉ. अजिता शर्मा,** उदयपुर

सरकारों के इशारों पर मनमाने काम करने वाले हर विभाग में मिल जाएंगे। गांव से लेकर मेट्रो सिटी तक इनका कब्जा है। इनकी मोटी चमड़ी वाले पशु से तुलना करना अतिश्योक्ति नहीं होगी। व्यवस्था कुछ ऐसी है कि आम आदमी को अपना जाति प्रमाण पत्र बनवाना हो तो उसे दर्जनों चक्कर लगाने को मजबूर होना पड़ता है। भ्रष्ट लोगों ने लोकतंत्र की व्यवस्था को हमेशा हाशिए पर रखा है। आम जनता को केवल आश्वासन ही मिलना है।

सीमा पचौरी, जबलपुर

सरकार ने लोकायुक्त और ईओडब्ल्यू को भ्रष्टाचार खत्म करने या पकड़ने का नहीं, बल्कि छोटे-छोटे अधिकारियों को फंसा कर बड़े अधिकारियों के साथ नेताओं तक को बचाने का साधन बना लिया है।करोड़ों के घोटाले में लिप्त कई बड़े अधिकारियों पर मुकदमा कायम कर कार्रवाई करने की इजाजत मांगने वाली फाइलें हर सरकार के कार्यकाल में धूल खाती रहती हैं।

प्रमोद नेमा, भोपाल

भ्रष्टाचार इतना हावी है, जिसमें सरकारी तंत्र पंगु बना बैठा है। अफसर भ्रष्टाचार को स्वीकार करते हैं, लेकिन कार्रवाई नहीं करते। खनिज संसाधनों का अवैध तरीके से जिस तरह अंधाधुंध दोहन किया जा रहा है, उसकी सच्चाई अग्रलेख में बयां की गई है। सरकारें आती और चली जाती हैं, पर माफिया राज कायम रहता है। लोकतंत्र में जनता की हालत ऐसी है कि वह सब देखती रहती है, पर कुछ नहीं कर सकती। **पवन बड़जात्या,** उपाध्यक्ष, छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कामर्स, रायपुर

अग्रलेख आईना दिखाने वाला है। सही है कि कोई भी सरकार आ जाए भ्रष्टाचार नहीं रुक सकता। भ्रष्टाचार के मामले में अधिकारी से लेकर जनप्रतिनिधि तक शामिल होते हैं। जांच भी होती है, जांच में दोषी भी पाए जाते हैं, लेकिन फिर फाइलें दब जाती हैं। कार्रवाई कभी नहीं होती। मरण आम जनता का होता है।

नवनीत सोनी, अधिवक्ता, बैतूल

नौकरशाही की मौजूदा व्यवस्था से आज हर कोई परेशान है। कई दिनों तक ऑफिसों के चक्कर लगाने के बाद भी लोगों के काम नहीं हो रहे हैं। भ्रष्टाचार चरम पर है। अवैध खनन की बात करें या फिर अवैध कटाई या फिर अवैध शराब बिक्री की हर जगह भ्रष्टाचार है। कार्रवाई के नाम पर दिखावा किया जा रहा है। जरूरत है जनता को यह बात समझने की।

डॉ. अमर सिंह, छिंदवाड़ा

आज का राशिफल बुधवार, 10 जुलाई 2024

राशि	अक्षर व फल
मेष	*चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ* कई दिनों से रुके कार्यों में गति आएगी। पारिवारिक विवादों के कारण चिंतित रहेंगे। अपने विचारों को शुद्ध करें।
वृषभ	*ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो* भाग्य के भरोसे न बैठे, कर्म करें। धर्मकर्म में आस्था बढ़ेगी। पारिवारिक वातावरण अनुकूल रहेगा।
मिथुन	*क, की, कु, घ, ड, छ, के, को, ह* आज का दिन आपके लिए शुभ है। पुराने मित्रों से भेंट होगी। सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा।
कर्क	*हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो* पुराने मामले सुलझ सकते हैं। परिवार में संपत्ति विवाद को लेकर विवाद संभव। आपके अपने धोखा दे सकते हैं।
सिंह	*मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे* अपने चंचल स्वभाव के कारण नुकसान संभव है। अपने से बड़ों की बातों को सुने उनके अनुभव लाभप्रद साबित होंगे।
कन्या	*टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो* मिश्रित फलदाई समय चल रहा है। किसी अनजान से संबंध स्थापित होंगे। नौकरी पेशा लोगों के लिए समय उपयुक्त है।
तुला	*रा,री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते* विशिष्ट लोगों से मुलाकात आत्मविश्वास में वृद्धि करेगा। न्याय विभाग से जुड़ें लोगों को असफलता मिलेगी।
वृश्चिक	*तो, ना, नी, नू, या, यी, यू* समय पर काम करें। आपकी मेहनत से व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। सश्रम किए कार्य सफल होंगे।
धनु	*ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे* आज आकस्मिक लाभ हो सकता है। परिश्रम से स्वयं के कार्यों में भी शुभ परिणाम मिलने की उम्मीद है।
मकर	*भो, जा, जी, जू, खा, खू, गा, गी* पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ने से व्यस्तता बढ़ेगी। संतान के व्यवहार से समाज में सम्मान बढ़ेगा। दिन अनुकूल है।
कुम्भ	*गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा* कार्य की सफलता से मनोबल मजबूत होगा। कार्य की अधिकता रहेगी। अजनबी व्यक्ति पर विश्वास न करें।
मीन	*दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, चि* कम बोले अच्छा बोले। सुख-समृद्धि बढ़ेगी। आर्थिक निवेश में सोच-समझकर निर्णय लेने पर लाभ होगा।

ज्यो. पं चंदन श्यामनारायण व्यास, पंचांगकर्ता, उज्जैन

ग्रह-नक्षत्र ज्योतिर्विद: पं. घनश्यामलाल स्वर्णकार

शुभ वि. सं:	2081	हिजरी सम्वत :	1446	ऋतु:	वर्षा
संवत्सर का नाम:	कालयुक्त	मु.मास:	मुहर्रम-03	मास:	आषाढ़
शाके सम्वत:	1946	अयन:	दक्षिणायण	पक्ष:	शुक्ल

आज का दिन

बुधवार, 10 जुलाई, 2024

सूर्योदयकालीन लग्न व ग्रह स्थिति

श्रेष्ठ चौघड़िया: आज सूर्योदय से प्रात:09-08 तक लाभ व अमृत, पूर्वाह्न 10-50 से दोपहर 12-32 तक शुभ तथा अपराह्न 03-56 से सूर्यास्त तक चर व लाभ के श्रेष्ठ चौघड़िए हैं, जो आवश्यक शुभकार्यारम्भ के लिए अत्युत्तम है। बुधवार को अभिजित नामक मुहूर्त शुभकार्यों में त्याज्य है।

शुभ तिथि: चतुर्थी रिक्ता संज्ञक तिथि प्रात: 07-52 तक, तदुपरान्त पंचमी तिथि प्रारम्भ हो जायेगी। चतुर्थी तिथि में साहस, शत्रुमर्दन, अग्नि-विषादिकअसद् कार्य सिद्ध होते हैं। शुभकार्य वर्जित हैं, पर पंचमी तिथि में सभी चंचल व स्थिर कार्य व विवाहादि मांगलिक कार्य शुभ होते हैं।

नक्षत्र: मघा "उग्र व अधोमुख" संज्ञक नक्षत्र पूर्वाह्न 10-15 तक, तदन्तर पूर्वाफाल्गुनी भी "उग्र व अधोमुख" संज्ञक नक्षत्र है। मघा नक्षत्र में पैतृक कार्य, वृक्ष-बीजादि रोपण, तालाब, कुआं आदि बनवाना व पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र में बन्धन, कठिन व क्रूर कार्यादि सिद्ध होते हैं। मघा में विवाहादि कार्य शुभ कहे हैं।

योग: व्यतिपात नामक अत्यन्त बाधाकारक योग अन्तरात 03-09 तक, तदन्तर वरियान नामक नैसर्गिक शुभ योग है। व्यतिपात योग में शुभ व मांगलिक कार्य वर्जित कहे गए हैं।

विशिष्ट योग: रवियोग नामक शक्तिशाली दोष समूह नाशक शुभ योग प्रात: 10-15 तक तथा कुमार योग नामक शुभ योग प्रात: 07-52 से पूर्वाह्न 10-15 तक है।

करण: भद्रा संज्ञक विष्टि नामकरण प्रात: 07-52 तक, तदुपरान्त बव-बालवादि करण क्रमश: हैं।

व्रतोत्सव: शुक्र का बाल्यत्व समाप्त रात्रि 09-05 के बाद, व्यतिपात पुण्यं तथा गण्डमूल प्रात: 10-15 तक।

चंद्रमा : चंद्रमा सिंह राशि में सम्पूर्ण दिवारात्रि।

शुभ मुहूर्त: उपर्युक्त शुभाशुभ समय, तिथि, वार, नक्षत्र व योगानुसार आज जनेऊ का अतिआवश्यकता में पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र में (व्यतिपात दोष) तथा विवाह का अतिआवश्यकता में मघा नक्षत्र में (व्यतिपात व शुक्र का बाल्यत्व दोष युक्त) मुहूर्त हैं।

दिशाशूल: बुधवार को उत्तर दिशा की यात्रा में दिशाशूल रहता है। चन्द्र स्थिति के अनुसार आज पूर्व दिशा की यात्रा लाभदायक व शुभप्रद हैं।

राहुकाल (मध्यममान से): दोपहर 12-00 बजे से दोपहर 1-30 बजे तक राहुकाल वेला में शुभकार्यारम्भ यथासम्भव वर्जित रखना हितकर है।

आज जन्म लेने वाले बच्चे- आज जन्म लेने वाले बच्चों के नाम (मे, मो, टा, टी) आदि अक्षरों पर रखे जा सकते हैं। इनकी जन्म राशि सिंह है। सिंह राशि के स्वामी सूर्य देव हैं। इनका जन्म रजतपाद से है। सामान्यत: ये जातक धनवान, माता-पिता की सेवा करने वाले, चतुर, व्यवहार-कुशल, योजनाकार, शत्रुजयी, विजयी, होशियार और सभी कार्यों में निपुण होते हैं। इनका भाग्योदय 25-26 वर्ष के बाद प्राय: होता है। सिंह राशि वाले जातकों का राज-समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक कार्यों में विशेष रुचि रहेगी।

भाजपा संगठन को सक्रिय बनाने की कवायद तेज

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जालोर. लोकसभा चुनाव के बाद अब केन्द्रीय नेतृत्व की नजर संगठन पर है। संगठन को चुस्त-दुरुस्त और सक्रिय बनाने की मंशा से 13 जुलाई को जयपुर में एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, इसमें मंडल स्तर से लेकर प्रदेश स्तर के नेता पार्टी की आगे की रणनीति पर मोहर लगाएंगे। इसमें प्रदेशभर से करीब 10 हजार पदाधिकारी शामिल होंगे। जालोर से 245 व पाली जिले से करीब 300 पार्टी नेताओं को आमंत्रित किया गया हैं। विधानसभा और लोकसभा चुनाव के बाद पार्टी की यह बड़ी बैठक हैं। इसमें भविष्य के रोडमैप पर मंथन होगा। प्रदेश में अगले महीनों में होने वाले विधानसभा उप चुनावों, करीब छह माह बादे होने वाले नगर पालिका और पंचायतराज चुनावों को लेकर भी पार्टी की रणनीति पर विचार किया जा सकता है।

कांग्रेस जिला संगठन सुस्त, पंचायतीराज संगठन का प्रशिक्षण माउंट आबू में

लोकसभा चुनाव के बाद जिलों में संगठनात्मक स्तर पर पूरी तरह से सुस्ती है। हालांकि, उप चुनाव को लेकर संबंधित क्षेत्रों में पार्टी की गतिविधियां शुरू हो गई है, लेकिन पाली समेत अन्य जिलों में अभी किसी तरह की गतिविधि नहीं रही। दूसरी तरफ, कांग्रेस के पंचायती राज संगठन का प्रशिक्षण शिविर 12 से 14 जुलाई तक माउंट आबू में आयोजित किया जा रहा है। इसमें प्रदेश के करीब 150 कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पार्टी की रीति-नीति से अवगत कराया जाएगा। इसमें पार्टी के कई बड़े नेता शामिल होंगे। कांग्रेस जिलाध्यक्ष अजीज दर्द का कहना है कि प्रभारी के निर्देश पर जल्द ही गतिविधियां शुरू करेंगे।

300 पदाधिकारी आमंत्रित, फेरबदल से पहले पुरानी टीम को मौका

पार्टी में प्रदेश स्तर से लेकर नीचे तक फेरबदल की भी तैयारियां हैं। कई जिलों में अध्यक्षों और अन्य पदाधिकारियों को बदलना भी हैं। इस बदलाव से पहले पुरानी टीम को बैठक में विचार विमर्श के लिए आमंत्रित किया गया है। इसमें सांसद, विधायक, प्रदेश प्रतिनिधि, जिलाध्यक्ष, जिला कार्यकारिणी, मंडल अध्यक्ष, मंडल महामंत्री, नगर पालिका अध्यक्ष और उपाध्यक्ष, प्रधान और उप प्रधान, जिला परिषद सदस्य, प्रकोष्ठों के जिला संयोजक, मोर्चों के अध्यक्ष और महामंत्री और विधानसभा संयोजक शामिल होंगे।

लूट प्रकरण के आरोपी की सिफारिश पर दो सिपाही सस्पेंड

बीकानेर@पत्रिका. ज्वैलर्स से लाखों रुपए के सोने-चांदी के जेवर की लूट के मामले में दो पुलिस सिपाहियों को सस्पेंड किया गया है। इस संबंध पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने आदेश जारी किए। पुलिस अधीक्षक गौतम ने बताया कि पिछले दिनों नयाशहर थाना इलाके में ज्वैलर्स के साथ हुई लूट के मामले में नयाशहर थाने के दो सिपाही अमित कुमार व महेश को सस्पेंड किया गया। उक्त सिपाहियों के खिलाफ शिकायत है कि दोनों ने लूट के मामले में पकड़े गए एक आरोपी की सिफारिश की थी। दोनों सिपाहियों का यह कृत्य क्षमा योग्य नहीं है। प्रकरण की जांच सीओ सिटी श्रवणदास संत को सौंपी गई है।

शराब की दुकान खुलते ही फिर धरने पर बैठी महिलाएं

जोधपुर@पत्रिका. सांगरिया बाईपास पर खुली शराब की दुकान के आगे महिलाएं सहित क्षेत्रवासी दो दिन से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। रविवार को प्रदर्शन के बाद दुकान बंद करनी पड़ गई लेकिन सोमवार को फिर से दुकान के शटर ऊपर कर दिए गए तो महिलाओं ने प्रदर्शन किया और दुकान के बाहर ही धरने पर बैठ गई। महिलाओं को कहना है कि यहां शराब की दुकान शुरू होने से असामाजिक तत्वों का जमावड़ा बढ जाएगा। क्षेत्र में बच्चों और महिलाओं की आवाजाही भी प्रभावित होगी। सांगरिया बाईपास पर खुली शराब की दुकान के आगे रविवार को प्रदर्शन किया गया था जिसमें कई महिलाएं शामिल हुई।

पेज 1 का शेष

शांति का...

यह हमारे संबंधों की गहराई दिखाता हैं। मोदी ने भारत-रूस संबंधों में मजबूती का श्रेय पुतिन को दिया। उन्होंने भविष्य में भी भारत-रूस संबंधों को मजबूत बनाए रखने की बात कही। पुतिन ने कहा, आप यूक्रेन संकट का हल निकालने की कोशिश कर रहे हैं, हम उसके लिए आभारी हैं। इससे पहले मोदी ने क्रेमलिन में द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान मारे गए रूसी सैनिकों के स्मारक स्थल 'अननोन सोल्जर' पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

वर्ल्ड कप का जिक्र: मोदी ने टी-20 क्रिकेट वर्ल्ड कप में भारत की जीत का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह अपने आप में जीत की यात्रा का प्रतीक है। यह जीत दर्शाती है कि आज का युवा और युवा भारत आखिरी बॉल, आखिरी पल तक हार नहीं मानता।

लौटेंगे रूसी सेना में भर्ती हुए भारतीय : मोदी ने पुतिन के समक्ष रूसी सेना में जबरन भर्ती किए भारतीयों का मुद्दा भी उठाया। पुतिन ने आश्वासन दिया कि वह सभी भारतीयों को कार्यमुक्त करेंगे। एक अनुमान के मुताबिक करीब 40 भारतीय रूसी सेना में तैनात हैं। पिछले महीने इनमें से दो लोगों की मौत हो गई थी।

मोदी ने गले लगाया तो पुतिने की तारीफ : मोदी ने अपने चिरपरिचित अंदाज में पुतिन को गले लगाया और गर्मजोशी से हाथ मिलाया। बातचीत के दौरान पुतिन ने मोदी की जमकर तारीफ की और कहा कि आपने पूरा जीवन देश की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। आप भारत के लिए बहुत बेहतर कर रहे हैं। पुतिन ने मोदी को तीसरे कार्यकाल के लिए बधाई दी और कहा कि आपको मॉस्को में देखकर बेहद खुश हूं।

इन पर बनी बात:

1. 2030 तक 100 अरब का नया व्यापार लक्ष्य रखा।
2. परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा परियोजना इकाइयों तीन से छह पर सहयोग जारी रखने पर चर्चा हुई।
3. कनेक्टिविटी कॉरिडोर पर सहमति। इस संबंध में दोनों नेताओं ने नए प्रस्तावित पूर्वी गलियारे के बारे में बात की, जिसे चेन्नई-व्लादिवोस्तोक पूर्वी गलियारा कहा जाता है।
4. रूस से भारत को उर्वरक आपूर्ति।
5. भारत-यूरेशियन आर्थिक संघ व्यापार और सामान समझौते पर आगे बढने सहमति।
6. मानवीय सहयोग का विकास, शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, संस्कृति, पर्यटन, खेल, स्वास्थ्य देखभाल और अन्य क्षेत्रों में बातचीत का लगातार विस्तार।
7. राष्ट्रीय मुद्राओं का उपयोग करके द्विपक्षीय निपटान प्रणाली का विकास, परमाणु ऊर्जा, तेल शोधन और पेट्रोकेमिकल और विस्तारित रूपों सहित प्रमुख ऊर्जा क्षेत्रों में सहयोग का विकास।
8. पारस्परिक और अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा की सुविधा, यानी वैश्विक ऊर्जा संर मण की संभावनाओं को ध्यान में रखना।
9. दवाओं और उन्नत चिकित्सा उपकरणों के विकास और आपूर्ति में व्यवस्थित सहयोग को बढ़ावा देना। रूस में भारतीय चिकित्सा संस्थानों की शाखाएं खोलने और योग्य चिकित्सा कर्मियों की भर्ती करने की संभावना का अध्ययन करना तथा चिकित्सा और जैविक सुरक्षा के क्षेत्र में समन्वय को मजबूत करना।

यह भी कहा...

भारत पिछले 40-50 साल से आतंकवाद का सामना कर रहा है। इसलिए मॉस्को में हुए आतंकी हमले का दर्द समझ सकता हूं। मैं हर तरह के आतंकवाद की कड़ी निंदा करता हूं। कोरोना काल में जब दुनिया खाद्य-ईंधन-उर्वरक के संकट से जूझ रही थी, भारत-रूस मित्रता और सहयोग के कारण भारत के किसानों को उर्वरक संकट का सामना नहीं करना पड़ा। शांति की बहाली में भारत हरसंभव सहयोग को तैयार है। भारत शांति के पक्ष में है। पुतिन की बातें सुनकर मन में आशा पैदा हुई है।

पेरिस ओलंपिक...

कंपनी के सीईओ डर्क होक के मुताबिक कई परीक्षण के बाद कमर्शियल उड़ान के लिए सर्टिफिकेट मिल गया है। इसकी शुरुआत पेरिस ओलंपिक के दौरान की जाएगी, ताकि हम दुनिया को बेहतर तकनीक और सुखद यात्रा का अनुभव करा सकें। वोलोसिटी पूरी तरह ऑटोमैटिक है। यह निश्चित जगह से उड़ान भरकर दूसरी निश्चित जगह लैंड करेगी। शुरुआती परीक्षण के दौरान इसमें सिर्फ एक व्यक्ति को बिठाकर उड़ाया गया था। बाद में दो सवारियों के साथ परीक्षण भी सफल रहा।

भारत-रूस के...

भारत के लिए लद्दाख में चीनी आक्रामकता और अमरीका व यूरोप के प्रतिबंधों के कारण रूस की चीन पर बढ़ती निर्भरता रणनीतिक चिंता का विषय है। भारत के साथ मजबूत सहयोगी की भूमिका रखते हुए संतुलन साधना रूस की बड़ी जिम्मेदारी है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने भले ही मोदी और पुतिन के गले मिलने पर अफसोस जताया हो लेकिन मोदी ने जिस प्रकार पुतिन से सीधे यूक्रेन में शांति की अपील की है और वहां बच्चों की मौत पर दुख जताया है, उससे दुनिया भर में भारतीय कूटनीति की सराहना ही होगी।

हाथरस कांड में बड़ा एक्शन : एसआइटी की रिपोर्ट सौंपने के बाद की गई कार्रवाई

एसडीएम, तहसीलदार समेत छह अफसर सस्पेंड

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

हाथरस. जिले में हुए भगदड़ हादसे के करीब 7 दिन बाद योगी सरकार ने पहला एक्शन लिया है।

सरकार ने एसडीएम, सीओ, इंस्पेक्टर समेत 6 अफसरों को सस्पेंड किया है। सरकार ने एसआइटी की रिपोर्ट के बाद यह कार्रवाई की है। आपको बता दें कि एसआइटी ने 8 जुलाई को सीएम योगी को हाथरस हादसे से जुड़ी 900 पेज की रिपोर्ट सौंपी थी।

जांच में 150 लोगों के बयान दर्ज

एसआइटी ने रिपोर्ट में कहा कि एसडीएम, सीओ, तहसीलदार, इंस्पेक्टर, चौकी इंचार्ज ने जिम्मेदारी में लापरवाही की है। एसडीएम ने बिना कार्यक्रम स्थल का मुआयना किए कार्यक्रम की अनुमति दी। सीनियर अफसरों को भी जानकारी नहीं दी। जांच के दौरान 150 अफसरों, कर्मचारी और पीड़ित परिवारों के बयान दर्ज किए।

योगी सरकार ने एसडीएम रविंद्र कुमार, सीओ आनंद कुमार के अलावा इंस्पेक्टर, तहसीलदार और चौकी इंचार्ज कचौरा और पारा को सस्पेंड किया है।

एसआईटी ने रिपोर्ट में लिखा कि ''हादसे में साजिश से इनकार नहीं किया जा सकता है। इसकी गहनता से जांच जरूरी है। हादसा आयोजकों की लापरवाही से हुआ। स्थानीय पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने आयोजन को गंभीरता से नहीं लिया।''

अमेठी में सड़क हादसे में पांच की मौत, 12 घायल: अमेठी. जिले के शुकुल क्षेत्र में मंगलवार को सड़क हादसे में पांच यात्रियों की मौत हो गई। इस दौरान 12 से अधिक घायल हो गए। पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर किलोमीटर संख्या 68.8 के पास मंगलवार सुबह लगभग तीन बजे हादसा उस समय हुआ, जब दिल्ली से सिवान की तरफ जा रही बस एक अज्ञात वाहन से पीछे से टकरा गई। बस का बायां हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। इस दौरान बस में बैठे पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 12 लोग घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को तत्काल इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया।

बहराइच में सहायक अध्यापक की हत्या: बहराइच. जिले के कैसरगंज क्षेत्र में एक सहायक अध्यापक की बीती रात्रि अज्ञात बदमाशों ने गला रेतकर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार सोमवार की रात क्षेत्र के ग्राम कोनारी निवासी सहायक अध्यापक श्याम सिंह (32) खाना खाकर बहराइच-लखनऊ मार्ग पर टहल रहे थे। इसी दौरान अज्ञात लोगों ने गला रेतकर उनकी हत्या कर दी। काफ़ी देर तक जब वे घर नहीं लौटे तो परिजन उन्हें तलाशने के लिए घर से निकले। इस बीच एक राहगीर ने दूध डेयरी के पास उनके पड़े होने की सूचना दी। परिजनों के पहुंचने से पहले सहायक अध्यापक की मौत हो चुकी थी।

जलस्तर खतरे के बिन्दु 92.730 सेमी. से मात्र 0.05 सेमी. नीचे

बस्ती में सरयू नदी उफान पर, बाढ़ का बढ़ रहा है खतरा

नदी का जलस्तर बढ़ने से तटबन्ध के किनारे खेतों में भरा पानी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बस्ती. जिले में मंगलवार को सरयू नदी का जलस्तर बढ़ने से बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। जलस्तर बढ़ने से तटबन्धों के किनारे खेतों में पानी भर गया है।

अधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि सरयू नदी का जलस्तर निरन्तर बढ़ रहा है। जलस्तर खतरे के बिन्दु 92.730 सेमी. से मात्र 0.05 सेमी. नीचे है। सरयू, शारदा और गिरिजा बैराज में लगातार पानी छोड़े जाने से जलस्तर में निरन्तर वृद्धि हो रही है। नदी का जलस्तर बढ़ने से तटबन्ध के किनारे खेतों में पानी भर गया है।

पानी भर जाने से सब्जियों के फसलों की भारी क्षति हुई है। बंजरिया, सूबी के निकट सरयू का जल पहुंच गया है। खलवा गांव में स्थिति संवेदनशील बनी हुई है। काशीपुर दुबौलिया तटबन्ध के किनारे बसे पेठियालस्करी, बानेपुर, सरवरपुर तथा काशीपुर के निकट करीब दो सौ मीटर की दूरी पर ही सरयू नदी बह रही है, अगर लगातार जलस्तर में वृद्धि हुई तो गांव में पानी घुस जाएगा। बानेपुर गांव के पास खेत की तरफ नदी दबाव बना रही है।

जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा बाढ़ से निपटने के लिए तैयारी पूरी कर ली गई है। तटबन्धों की निगरानी करने के लिए अधिकारी, कर्मचारी निरन्तर कैम्प कर रहे हैं।

सरयू नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। गांव में बाढ़ का पानी नहीं घुसने पाए, इसके लिए बाढ़ खण्ड द्वारा निरन्तर कार्य किया जा रहा है।

बाढ़ के पानी में डूबी दो किशोरियां, मृत्यु

श्रावस्ती @ पत्रिका. बहराइच जिले के भिनगा कोतवाली क्षेत्र में धान की रोपाई करने जा रही दो लड़कियों की मंगलवार को बाढ़ के पानी में डूबने से मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि कोतवाली भिनगा इलाके के सिहनिया गांव निवासी जैनब 16 पुत्री मोहर्रम अली और निबरी 14 खेत में मज़दूरी पर धान की रोपाई करने जा रही थीं। रास्ते में बाढ़ का पानी भरा था, जिसे पार करने के दौरान दोनों डूब गई और उनकी मौत हो गई। शवों को निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

रायबरेली पहुंचे राहुल, मां की राह पर चलकर निभाई पुरानी परंपरा

सांसद बनने के बाद पहली बार आए राहुल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रायबरेली. रायबरेली सांसद और लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी एक दिवसीय दौरे पर रायबरेली पहुंचे। राहुल ने सबसे पहले यहां हनुमान जी के दर्शन किए और बछरावां के चुरुवा हनुमान मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष और रायबरेली से सांसद रहीं सोनिया गांधी भी पूर्व में इस मंदिर में आती थीं।

पूजा-अर्चना के बाद राहुल गांधी भूए मऊ गेस्ट हाउस के लिए रवाना हो गए। कांग्रेस जिलाध्यक्ष पंकज तिवारी ने बताया कि गेस्ट हाउस पर राहुल गांधी पार्टी कार्यकर्ताओं, व्यापारियों, डॉक्टरों और वकीलों से संवाद करेंगे। इसके बाद राहुल गांधी ने शहीद अंशुमान सिंह की मां से भी मुलाकात की। पोस्टर में लिखा कि आपको अपना अमूल्य मत देने वाला रायबरेली का हिंदू मतदाता हिंसक है क्या?

आप हिंदू धर्म को मानते हो या नहीं ? रायबरेली का हिंदू मतदाता भविष्य में क्या गाली खाने के लिए वोट देगा?'' माना जा रहा है कि हिंदू हिंसक वाले बयान से नाराज लोगों की तरफ से यह पोस्टर लगाए गए हैं।

रायबरेली में लगे राहुल के पोस्टर

राहुल गांधी के दौरे से पहले रायबरेली में लगे पोस्टर चर्चा में आ गए हैं। रायबरेली में 'राहुल गांधी जवाब दो' के नाम से पोस्टर लगाए गए हैं। इस पोस्टर में उनके हिंदू हिंसक वाले बयान पर जवाब मांगा गया है। पोस्टर में राहुल गांधी से यह भी पूछा गया कि आप किस धर्म से हैं, स्पष्ट करो।

इलाहाबाद हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

पति-पत्नी का अलग रहना तलाक का एकमात्र आधार नहीं

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

प्रयागराज. इलाहाबाद हाई कोर्ट ने मंगलवार को एक बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा कि वैवाहिक जीवन में आने वाली परेशानियों के बाद भी पति-पत्नी के बीच संबंध बने रह सकते हैं। केवल पति और पत्नी के बीच अलगाव की अवधि को विवाह के पूरी तरह टूट जाने का आधार मानकर तलाक नहीं दिया जा सकता।

हाईकोर्ट ने कहा है कि पति-पत्नी का लंबे समय तक अलग-अलग रहना तलाक का एक मात्र आधार नहीं हो सकता है। कोर्ट ने कहा कि तलाक के लिए स्वैच्छिक परित्याग के साथ-साथ अन्य परिस्थितियों को भी देखा जाना चाहिए। वैवाहिक जीवन में आने वाली परेशानियों के बाद भी पति-पत्नी के बीच संबंध बने रह सकते हैं। न्यायाधीश सौमित्र दयाल सिंह और न्यायाधीश डी रमेश की पीठ ने महेंद्र कुमार सिंह की अपील खारिज करते हुए यह आदेश दिया।

यह है मामला

वाराणसी निवासी महेंद्र कुमार सिंह की शादी 1999 में हुई थी। विवाह से उनके दो बच्चे हुए। पति-पत्नी शुरू में पति के माता-पिता के साथ वाराणसी में रहते थे। इस दौरान याची के पिता की मृत्यु के बाद, उसे मिर्जापुर में अनुकंपा नियुक्ति मिल गई और वह वहां चला गया। वहीं, उसकी पत्नी याची की मां के साथ अंतिम समय तक रही। मां ने उसके पक्ष में वसीयत कर दी थी। इस दौरान याची ने अपनी पत्नी की ओर से उसके खिलाफ क्रूरता का आरोप लगाया और तलाक याचिका दायर की। जिसे प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय ने खारिज कर दिया था। इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी।

सपा के वरिष्ठ नेता आजम खान पर प्रशासन का ताबड़तोड़ एक्शन जारी

आजम के रिसॉर्ट पर चला बुलडोजर, खाद के गड्ढों पर कब्जे का आरोप

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रामपुर. समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता मोहम्मद आजम खां के हमसफर रिसॉर्ट पर एक बार फिर प्रशासन ने बुलडोजर चलाने की कार्रवाई शुरू की है। मंगलवार को जेसीबी लेकर पहुंची एसडीएम ने सरकारी जमीन पर बनी दीवार और भवन के ध्वस्तीकरण का काम शुरू कर दिया है।

प्रशासन की इस कार्रवाई से इलाके में खलबली मच गई है। शहर विधायक आकाश सक्सेना की शिकायत पर यह मामला तेजी से आगे बढ़ रहा है। कुछ दिन पहले आकाश सक्सेना ने कार्रवाई के लिए पत्र लिखकर रिमाइंडर भी भेजा था। इसके बाद प्रशासन ने कार्रवाई शुरू की है।

तीन दिन पहले प्रशासन अलर्ट

तीन दिन पहले जब शहर विधायक आकाश सक्सेना ने तहसील प्रशासन से नाराजगी जताते हुए रिमाइंडर भेजा तो प्रशासन अलर्ट हो गया। कोर्ट के आदेश के पालन में प्रशासन की टीम जेसीबी लेकर हमसफर रिसॉर्ट पहुंची और कब्जा मुक्त कराने की प्रक्रिया शुरू की। जेसीबी की मदद से अवैध निर्माणों और कब्जों को हटाया गया।

खाद के गड्ढों की जमीन पर बना है रिसॉर्ट

उधर, सपा के प्रदेश सचिव ओमेंद्र चौहान ने कार्रवाई पर नाराजगी व्यक्त की है। जिला प्रशासन ने तहसीलदार सदर की कोर्ट में वाद दायर किया था। इसमें कहा गया था कि रिसोर्ट में खाद के गड्ढों की 0.038 हेक्टेयर जमीन है, जिसकी गाटा संख्या 164 है। कोर्ट के आदेश पर पैमाइश कराई गई है। इसमें पुष्टि हुई कि यह जमीन खाद के गड्ढों की है। कोर्ट ने अवैध कब्जा हटाने और क्षतिपूर्ति वसूलने के आदेश दिए थे, लेकिन तब से यह कार्रवाई धीमी हो गई थी।

काशी विश्वनाथ मंदिर | प्रशासन-मंदिर प्रशासन मिलकर कर रहे सुरक्षा का खाका तैयार

रेड जोन बने बाबा के गर्भ गृह में मोबाइल लेकर पहुंचा सिपाही

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

वाराणसी. सुरक्षा के लिहाज से काशी विश्वनाथ मंदिर में बाबा का गर्भगृह रेड जोन बनाया गया है। यहां किसी भी प्रकार की कोई भी चीज ले जाने पर प्रतिबंध है। वहीं, आगामी समय में सावन माह भी आने वाला है। इसको लेकर प्रशासन और मंदिर प्रशासन मिलकर सुरक्षा का खाका तैयार कर रहे हैं, लेकिन इस पूरी व्यवस्था को धता बताते हुए एक सिपाही खुद मोबाइल लेकर बाबा के गर्भगृह में पहुंच गया।

रेड जोन माने जाने वाले बाबा के गर्भगृह में सिपाही के मोबाइल लेकर जाने पर हड़कंप मचा गया। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में दिखाई दे रहा है कि 'मंदिर प्रशासन के लाइव फुटेज में सुबह 9 बजकर 20 मिनट पर एक सिपाही कुछ श्रद्धालुओं के साथ मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश करता है और बाबा विश्वनाथ को जल चढाने वाली जलधारी को लांघकर अंदर पहुंचता है और बाबा को फूल-माला चढ़ाता है।

सिपाही उसके बाद दूसरी जलधारी भी लांघकर एक कोने में खड़ा हो जाता है और कुछ ही देर बाद जेब से मोबाइल निकलकर पहले फोटो और बाद में वीडियो बनाकर मोबाइल को अंदर रख लेता है। फिर श्रद्धालुओं के साथ बाहर चला जाता है।

सुरक्षा नियमों का उल्लंघन

मामले में मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्वभूषण मिश्रा ने बताया कि 'यह काशी विश्वनाथ मंदिर के सुरक्षा नियमों का उल्लंघन है। वीडियो सामने आने के बाद जांच कराई जा रही है। जो भी इस मामले में दोषी होगा, उसके खिलाफ कार्रवाई होगी।' बता दें कि मंदिर की सुरक्षा गाइडलाइन अनुसार विश्वनाथ मंदिर चेकिंग पॉइंट के बाहर ही मोबाइल जमा करा लिया जाता है। कोई भी मंदिर के गर्भगृह में मोबाइल, पेन या कंघी लेकर नहीं जा सकता है।

बिहार-झारखंड अपडेट
BIHAR-JHARKHAND UPDATE

जिम्मेदारी में जवानों ने निभाई भूमिका

रांची के हटिया रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को चुनाव ड्यूटी से लौटते केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवान।

बिहार : बाढ़ से बचाव और बाढ़ को नियंत्रित करने के लिए प्रयास

भारत-नेपाल सीमा पर हाई डैम का होगा निर्माण : डा.चौधरी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

समस्तीपुर. केन्द्रीय जल शक्ति मंत्रालय में राज्य मंत्री डा. राज भूषण चौधरी ने कहा कि बिहार समेत अन्य प्रदेशों में बाढ़ की समस्याओं को दूर करने के लिए एक विशेष कार्य योजना तैयार की जा रही है।

चौधरी ने मंगलवार को भाजपा द्वारा आयोजित एक अभिनंदन समारोह के अवसर पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि बिहार में बाढ़ से बचाव और बाढ़ को नियंत्रित करने के लिए भारत-नेपाल सीमा पर एक हाई डैम का निमार्ण कराया जाएगा। इसके लिए इंजीनियरों का एक दल तकनीकी रूप से अध्ययन कर है।

उन्होंने बताया कि जल शक्ति मंत्रालय द्वारा देश मे ग्राउंड वाटर को बढ़ाने, बाढ़ कन्ट्रोल, नदियों को जोड़ने और नमामि गंगे जैसे महत्वपूर्ण योजनाओं पर तेजी से कार्य किए जा रहे हैं।

जल विवाद को निपटाने के लिए भी मंत्रालय गंभीर

एक प्रश्न के उत्तर में चौधरी ने बताया कि राज्यों के बीच जल विवाद को निपटाने के लिए भी मंत्रालय गंभीर है। साथ ही नेपाल एवं चीन के साथ भी जल विवाद को दूर करने की दिशा में विभाग द्वारा काम किया जा रहा है। समारोह में भाजपा के विधान पार्षद तरूण कुमार, भाजपा जिलाध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा, रालोमो के अध्यक्ष विनोद चौधरी निषाद् एवं जदयू जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय सहित अन्य एनडीए नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा केन्द्रीय मंत्री श्री चौधरी को पाग व चादर देकर सम्मानित किया गया।

सारण में युवती ने की आत्महत्या

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

छपरा. सारण जिले के रिविलगंज थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक युवती ने आत्महत्या कर ली। पुलिस सूत्रों ने बताया कि अशोक राय की पुत्री पिंकी कुमारी (19) ने अपने घर में हुए विवाद के दौरान आत्महत्या कर ली।

घटना की जानकारी मिलने पर परिजन उसे सदर अस्पताल छपरा लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पिंकी के परिजन पोस्टमॉर्टम कराए बिना ही शव को लेकर फरार हो गए। मामले की छानबीन की जा रही है।

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री डॉ. रमेश शरण का निधन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रांची. झारखंड के प्रसिद्ध अर्थशास्त्री डॉ. रमेश शरण का निधन हो गया। लंग्स इंफेक्शन के चलते वे सात-आठ दिन से बीमार थे।

डॉ. शरण को रांची के मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया गया और तबीयत में सुधार नहीं होने पर एयर एंबुलेंस से कोलकाता ले जाया गया। जहां सोमवार देर रात उनका निधन हो गया। डॉ. शरण 69 वर्ष के थे। उनके परिवार में उनकी पत्नी और दो बेटियां हैं। रांची के प्रसिद्ध डॉक्टर अंकित श्रीवास्तव उनके दामाद हैं।

मुख्यमंत्री ने निधन पर जताया दुख

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने उनके निधन पर दुख व्यक्त किया और इसे झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति बताया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट लिखा कि मैं डॉ. रमेश शरण के निधन से व्यक्तिगत रूप से मर्माहत हूं। यह झारखंड के लिए बड़ी क्षति है। उन्होंने लिखा है कि मैं मरांग बुरु से उनकी आत्मा की शांति एवं परिजनों को दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना करता हूं।

सारण : कार से भारी मात्रा में शराब जब्त

छपरा @ पत्रिका. बिहार के सारण जिले में उत्पाद विभाग की टीम ने मुफस्सिल थाना क्षेत्र में एक कार से भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद किया है।

उत्पाद विभाग के सूत्रों के अनुसार, गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि मुफस्सिल थाना क्षेत्र से होकर एक कार से भारी मात्रा में विदेशी शराब की खेप जाने वाली है। उत्पाद विभाग की टीम ने मुफस्सिल थाना क्षेत्र में वाहन जांच शुरू की। इस दौरान वहां से गुजर रहे एक लक्जरी कार की तलाशी में 25 कार्टन विदेशी शराब को बरामद किया गया। बरामद शराब की अनुमानित कीमत लगभग 1.75 लाख रुपए से ज्यादा की बतायी जा रही है। टीम ने कार चालक गड़खा थाना क्षेत्र के महमदा गांव निवासी रामायण महतो के पुत्र रंजीत महतो को गिरफ्तार कर उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जेल भेज दिया है।

औरंगाबाद में पांच आईईडी बम बरामद, किए निष्क्रिय

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

औरंगाबाद. नक्सल प्रभावित जिले में नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस ने पांच शक्तिशाली आईईडी बम बरामद किए हैं।

मदनपुर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अमित कुमार ने मंगलवार को बताया कि 48 घंटों से मदनपुर के जंगलों और पहाड़ों पर जिला पुलिस तथा कोबरा के 205 बटालियन द्वारा सर्च अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की मंशा से प्लांट कर रखे गए पांच शक्तिशाली आईईडी बम को बरामद किया गया, जिसे टीम में शामिल बम निरोधक दस्ते ने निष्क्रिय कर दिया है।

जारी रहेगा विशेष अभियान

कुमार ने बताया कि आईईडी बम काफी विध्वंसक थे और नक्सलियों द्वारा इन्हें पुलिस और सुरक्षा बलों को तबाह किए जाने की मंशा के तहत प्लान्ट किया गया था, जिसे समय रहते विनष्ट कर दिया गया। उन्होंने बताया कि विशेष अभियान जारी रहेगा।

सड़क हादसा

कार और ऑटो रिक्शा की टक्कर, पांच लोगों की मौत, तीन घायल

बेगूसराय @ पत्रिका. जिले के एफसीआई थाना क्षेत्र में मंगलवार की सुबह कार और ऑटो रिक्शा के बीच हुई टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई तथा तीन अन्य घायल हो गए। ऑटो रिक्शा पर सवार लोग हाथीदह से जीरोमाइल की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रतन चौक पर तेज रफ्तार कार ने ऑटो रिक्शा में टक्कर मार दी।

योजनाएं जनता तक आसानी से पहुंचें

रांची. झारखंड के नए कृषि एवं पशुपालन मंत्री दीपिका पांडे सिंह का झारखंड प्रदेश कांग्रेस के कार्यालय में अभिनंदन किया गया। नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने गुलदस्ता देकर श्रीमती सिंह का स्वागत किया। नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उम्मीद जताई कि कांग्रेस नेतृत्व जिस भरोसे पर युवा नेतृत्व को झारखंड में मौका दिया है उस पर सरकार के चंद दिनों के कार्यकाल में खरा उतरेंगी।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, रिसाली

क्र./ भ.अ.वि./2024/91 — रिसाली, दिनांक 05/07/2024

// आम सूचना //

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम, रिसाली क्षेत्रान्तर्गत अवैध कॉलोनियों का नगर पालिक निगम (कॉलोनाईजर का रजिस्ट्रीकरण निर्बधन तथा शर्त) नियम 2013 के नियम 15 (क) अंतर्गत 31 जुलाई 2019 तक अस्तित्व में आयी अनाधिकृत कॉलोनियों का नियमितीकरण किये जाने हेतु अभिन्यास तैयार किया गया है, जिस हेतु संबंधित क्षेत्र के भूस्वामी / निवासियों से उक्त स्थल के तैयार अभिन्यास में आपत्ति/सुझाव दिनांक 23/07/2024. तक आमंत्रित किया जाना है। उक्त प्रस्तावित कोलोनियों का विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	स्थल / कॉलोनी का नाम	खसरा क्र.	रकबा
01	सरस्वती कुंज पूर्व रिसाली	645/01 (P)	0.52 हेक्टेयर
02	सरस्वती कुंज पूर्व रिसाली	684, 685	3.11 हेक्टेयर

उक्त निर्धारित अवधि के भीतर अपनी आपत्ति / सुझाव लिखित रूप से कार्यालय, नगर पालिक निगम रिसाली के कक्ष क्र. 09 भवन अनुज्ञा शाखा में भवन निर्माण अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। उक्त निर्धारित अवधि के उपरान्त प्राप्त होने वाले आपत्ति / सुझाव पर विचार नहीं किया जावेगा।

भवन निर्माण अधिकारी
नगर पालिक निगम रिसाली

मेडिकल कॉलेज खोलने में चिंताजनक लापरवाही

इस साल की मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट' के विवाद के बीच मेडिकल शिक्षा व्यवस्था मजबूत करने के सरकारी प्रयासों की पोल खोलने वाली खबर आई है। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने देश भर में नए खुलने वाले 113 मेडिकल कॉलेजों के आवेदन इस आधार पर खारिज कर दिए हैं कि इनमें निर्धारित मापदण्ड पूरे नहीं हुए हैं। खारिज किए गए आवेदन पत्रों में से पांच राजस्थान के मेडिकल कॉलेजों से संबंधित हैं। दूसरी ओर, 140 करोड़ की आबादी वाले देश में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाओं के लिए और अधिक मेडिकल कॉलेजों और चिकित्सकों की जरूरत निरंतर महसूस की जाती है।

नए मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए बुनियादी ढांचे के अतिरिक्त अन्य सुविधाओं के मापदंड भी निर्धारित हैं। सरकारी स्तर पर मेडिकल कॉलेज खोलने की घोषणाएं तो हो जाती हैं पर इन मापदंडों की अनदेखी आम बात है। ऐसा भी देखने में आता है कि निरीक्षण टोली को दिखाने के लिए कुछ समय के लिए दूसरे मेडिकल कॉलेजों से शिक्षकों को प्रतिनियुक्त कर दिया जाता है। जिन कॉलेजों के आवेदन खारिज हुए वहां आयोग की टीम को किसी कॉलेज में फैकल्टी अधूरी मिली तो किसी में संसाधनों की कमी दिखाई दी। वैसे भी कई बार मेडिकल कॉलेज की मान्यता के लिए समय पर मानक पूरा नहीं कर पाना सरकारी तंत्र और संबंधित कॉलेज प्रशासन के ढीले रवैये को दर्शाता है। यह ढीला रवैया भ्रष्टाचार की ओर भी इशारा करता है वरना कोई वजह नहीं कि सरकार इनकी नाक में नकेल न डाल सके। अब ये मेडिकल कॉलेज खुल पाएंगे या नहीं, इस पर भी सवालिया निशान लग गया है। एनएमसी के मुताबिक, देश में करीब 13.08 लाख चिकित्सक हैं।

सरकारी व निजी क्षेत्र के मेडिकल कॉलेज और यूनिवर्सिटी की गुणवत्ता को केंद्रीय नियामक प्राधिकरण और एनएमसी नियंत्रित करते हैं। सरकारी मेडिकल सीटों की संख्या सीमित रहती है तो निजी कॉलेजों को मनमानी फीस वसूलने का मौका भी मिल जाता है। नए मेडिकल कॉलेज की मान्यता के लिए बिना तय शर्तों को पूरा किए ही आवेदन करना तो और भी गंभीर विषय है। इस घालमेल के लिए जिम्मेदारों का पता लगाया जाना चाहिए। आयोग को इस लापरवाही के लिए जिम्मेदारों को चेतावनी देते हुए मापदंड पूरे करने का एक अवसर और देना चाहिए। ऐसा इसलिए कि मेडिकल कॉलेज खोलने में साल भर की देरी देश में बेहतर चिकित्सा सेवाओं के अभाव की समस्या को और बढ़ाने वाली ही होगी।

सामयिक: भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए एक महत्त्वाकांक्षी परियोजना का प्रस्ताव है 'मिग-47'

'मेक इंडिया ग्रेट-47' से बढ़ेगा देश का गौरव

अजीत रानाडे
लेखक वरिष्ठ अर्थशास्त्री हैं
(द बिलियन प्रेस)
@patrika.com

भारत में पग-पग पर विविधता दिखाई देती है और विविधता में एकता ही हमारी विशेषता है। भारत का विश्व को स्पष्ट संदेश है–'समन्वय', यानी सहिष्णुता नहीं बल्कि स्वीकार्यता, सिर्फ सह-अस्तित्व नहीं, फलना-फूलना भी।

मिग विमानों का अधिग्रहण और उनका संचालन भारत-रूस संबंधों के बहुत से आधारों में से एक महत्त्वपूर्ण आधार हैं। मिग-21 विमान 1960 के प्रारंभिक वर्षों से ही भारतीय वायु सेना का मेरूदंड बन चुका है और यह सोवियत संघ द्वारा भेजा जाने वाला सबसे महत्त्वपूर्ण विमान था। 1971 के भारत-पाक युद्ध में मिग-21, तो 1999 के करगिल युद्ध में मिग-27 की भूमिका काफी महत्त्वपूर्ण रही। मिग विमानों के संचालन और रखरखाव का अनुभव भारत के स्वदेशी विमान कार्यक्रम में काम आया। हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) का तेजस इसी विकास का परिणाम है। अब मिग-29 पर काम चल रहा है जो उत्कृष्ट वैमानिकी, राडार और हथियार प्रणाली से लैस है। हालांकि मिग-47 को लेकर कोई योजना नहीं है और कुछ लोग सुखोई-47 को मिग-47 समझ बैठते हैं। इसके अलावा भारत तेजस और रफाल विमान पर फोकस कर रहा है।

हम यहां बात करेंगे महत्त्वाकांक्षी प्रोजेक्ट 'मिग-47' (मेक इंडिया ग्रेट बाइ 2047) के प्रस्ताव की, जो 2047 तक भारत को महान शक्ति संपन्न राष्ट्र बना सकता है। यह पीएम नरेंद्र मोदी की विकसित भारत 2047 की संकल्पना से मेल खाता है। मिग-47 हमारे देश का गौरव बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ने के बारे में है। इससे पहले एक मूलभूत प्रश्न – क्या राष्ट्रवाद का चलन खत्म हो रहा है या फिर इसका पुनरुत्थान हो रहा है? भौगोलिक स्थितियों से जुड़े राष्ट्रों की अवधारणा संभवतः तीन शताब्दियों पुरानी है, इसलिए राष्ट्र राज्य अपेक्षाकृत नई अवधारणा है। राष्ट्रवाद का प्रभाव कम होने के कई कारक हो सकते हैं, जैसे वैश्वीकरण, प्रौद्योगिकी व बहुराष्ट्रीय संघों का अस्तित्व जैसे यूरोपीय संघ, सीमा शुल्क संघ, सैन्य गठबंधन, व्यापार ब्लॉक आदि। राष्ट्रवादी भावनाएं अंतरराष्ट्रीय व बहु-सांस्कृतिक प्रभावों के बीच कम प्रभावी हो सकती हैं। यूके में हाल ही आए चुनाव परिणाम हो सकता है ब्रेग्जिट को पुनः निष्प्रभावी करने के लिए पड़े वोट का नतीजा हों। शरणार्थियों की आवाजाही व बड़ी संख्या में प्रवासियों की मौजूदगी भी राष्ट्रवाद को प्रभावित करती हैं, तो कुछ जगह शरणार्थी व आव्रजक विरोधी रवैया अपना कर भी राष्ट्रवाद का प्रदर्शन किया जाता है।

बेरोजगारी भी चिंता का विषय है, जिसकी वजह बाहरी लोगों को माना जाता है (जैसे भारत में बांग्लादेशी घुसपैठिए)। याद कीजिए अमरीकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने एक अभियान चलाया था कि कैसे बर्फीलो से बेंगलूरु तक नौकरियां चुराई जा रही हैं? या चीन द्वारा चुराई जा रही हैं? इसके अलावा भू-राजनीति, सीमा पर संघर्ष, राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा व युद्ध भड़काने जैसी बयानबाजी भी राष्ट्रवादी भावनाओं को आहत करती हैं। सोशल मीडिया इसमें अतिरिक्त भूमिका निभाता है। कुल मिलाकर अभी यह स्पष्ट नहीं है कि राष्ट्रवाद का चलन खत्म हो जाएगा या यह और भी अधिक मजबूत हो जाएगा। इसलिए पुनः 'मिग-47' पर लौटते हैं। इसके कुछ आर्थिक आयाम भी हैं। इनमें से एक है भारत की प्रति व्यक्ति आय को 20,000 डॉलर प्रति व्यक्ति तक पहुंचाना। इसके लिए अगले 25 वर्षों में राष्ट्रीय आय दस गुना हो जानी चाहिए। यानी प्रति वर्ष 9.6 प्रतिशत की वृद्धि दर (डॉलर में)। चूंकि रुपया एक मुद्रा के नाते स्थायी रह सकता है और मुद्रास्फीति के नियंत्रण में रहते मजबूत भी हो सकता है, यह वृद्धि दर असंभव नहीं है।

'मिग-47' का एक आयाम है 'ईज ऑफ लिविंग' यानी 'सुगम जीवन'। इसका संबंध सुरक्षित व पर्याप्त मात्रा में पेयजल उपलब्धता, पर्यावरण अनुकूल संसाधनों से मकान निर्माण, शहरों में सार्वजनिक परिवहन की उपलब्धता और गुणवत्तापूर्ण वायु से है। चूंकि आय वृद्धि ऊर्जा से प्रेरित होगी, इसलिए यह अनिवार्य हो जाता है कि नवीकरण ऊर्जा विकास दो गुनी या तीन गुनी तेजी से हो। भारत सौर सहयोग का वैश्विक नेतृत्वकर्ता देश है। हमें लाखों छोटी ऑटोमोटिव रिचार्जेबल बैटरियों का उपयोग कर सौर ऊर्जा के रात्रि में संग्रहण की योजना बनानी चाहिए। इस तरह हम कार और स्कूटर बैटरियों की भूमिका को उलट सकते हैं। रात में उनसे घर की ऊर्जा जरूरतें पूरी हों और दिन में उन्हें सौर ऊर्जा से रिचार्ज किया जाए। हवा की गुणवत्ता मोटर व भवन निर्माण क्षेत्र में स्थायी रणनीति अपना कर सुधारी जा सकती है। भवन निर्माण क्षेत्र में सीमेंट का उपयोग होता है, जो कैल्शियम कार्बनेट से बनती है। यह कार्बन डाइ ऑक्साइड का बड़ा स्रोत है। इसलिए भवन निर्माण क्षेत्र को कार्बन फुटप्रिंट कम करने की दिशा में काम करना होगा।

'मिग-47' का तीसरा आयाम है–शिक्षा, कौशल व प्रशिक्षण से मानव पूंजी का निर्माण तथा उत्पादकता एवं नवाचार क्षमताएं बढ़ाना। शिक्षा एवं कृषि क्षेत्र सुधारों से अछूते हैं। हालांकि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 इस दिशा में उठाया गया उचित कदम है। यहां एक प्रयोग किया जा सकता है। कैसा रहे, यदि वरिष्ठ प्रशासनिक कर्मियों के लिए अपने बच्चों को पांचवीं कक्षा तक की शिक्षा पंचायत या नगरपालिका के स्कूलों में दिलवाना अनिवार्य कर दिया जाए, क्यों न हर सरकारी स्कूल में शिक्षक-अभिभावक संघ सालाना शिक्षकों की कार्यकुशलता का जायजा ले। चौथा आयाम है–सत्ता का अनवरत विकेंद्रीकरण, सरकार के तीसरे टियर तक। यही वह स्तर है जो लोगों के सबसे नजदीक है। पर निर्णय लेने की स्वायत्तता, फंडिंग व कार्यान्वयन मामले में इसके पास सबसे कम शक्ति होती है। सत्ता जितनी केन्द्रीकृत होती है, उतने ही हम राजनीति में उलझने लगते हैं। इसलिए प्रशासन व सत्ता का विकेंद्रीकरण ही एकमात्र दीर्घगामी मार्ग है। पांचवां आयाम सांस्कृतिक, सामाजिक, धार्मिक और आध्यात्मिक है। हमारे देश को हर दृष्टि से अकल्पनीय विविधता का वरदान मिला है, और फिर भी हम दुनिया में सद्भाव और विविधता में एकता के प्रतीक हैं। यही 'समन्वय' भारत का दुनिया को सबसे महत्त्वपूर्ण संदेश है।

फैक्ट फ्रंट

येल्तसिन ने राष्ट्रपति पद की ली थी शपथ

रूसी राजनीतिज्ञ बोरिस येल्तसिन ने देश के प्रथम निर्वाचित राष्ट्रपति के रूप में 10 जुलाई 1991 को शपथ ली थी। सोवियत संघ के राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचेव ने 25 दिसंबर 1991 को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इसके साथ ही उन्होंने राष्ट्रपति पद की शक्तियां रूस के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति बोरिस येल्तसिन को सौंप दी। उस रात क्रेमलिन पर फहरा रहे सोवियत झंडे को उतार दिया गया और क्रेमलिन पर रूसी तिरंगा लहराने लगा। अगले दिन सुप्रीम सोवियत ने यूएसएसआर का औपचारिक रूप से विघटन कर दिया।

यूएस चुनाव: उम्मीदवार बदलने पर लाभ-हानि का आकलन जरूरी

यों ही कमला हैरिस को किनारे नहीं कर सकते डेमोक्रेट्स

जेनिफर रुबिन
'रीजिस्टेंस: हाउ वीमन सेव्ड डेमोक्रेसी फ्रॉम डॉनल्ड ट्रंप' की लेखिका
द वाशिंगटन पोस्ट से विशेष अनुबंध के तहत

राष्ट्रपति जो बाइडन की डिबेट को देखकर आमजन और मीडिया में एक धारणा स्पष्ट तौर पर बनती दिखाई दे रही है, यह कि 'उपराष्ट्रपति कमला हैरिस एकमात्र मुमकिन विकल्प हैं।' उपराष्ट्रपति की भूमिका भी यही है - उस वक्त आगे आना, जब अस्थायी या स्थायी तौर पर राष्ट्रपति को बदले जाने की जरूरत हो। एक पार्टी जो लंबे समय तक अश्वेत अमरीकियों, विशेष रूप से अश्वेत महिलाओं, के वोटों पर निर्भर रही, वह बिना किसी उग्र प्रतिक्रिया के और बड़े पैमाने पर दलबदल को बढ़ावा दिए उपराष्ट्रपति हैरिस को एक ऐसे श्वेत राजनेता के लिए किनारे नहीं कर सकती जो यादृच्छिक हो और जिसे भलीभांति जांचा-परखा भी न गया हो।

यह लेख लिखे जाने तक बाइडन ने सार्वजनिक तौर पर ऐसे कोई संकेत नहीं दिए कि वे रेस से बाहर हो रहे हैं। इसके विपरीत उन्होंने उम्र और स्वास्थ्य पर चिंताओं के बीच उन्हें फिर से चुनाव मैदान में उतरने से रोकने के आह्वान को खारिज कर दिया है, क्योंकि वाइट हाउस ने भी इस बात से इनकार किया है कि बाइडन का पार्किन्संस रोग के लिए इलाज किया जा रहा है। हालांकि, यदि बाइडन के इस रुख में बदलाव होता है, तो कई मीडियाकर्मियों, डेमोक्रेटिक पार्टी कार्यकर्ताओं और निर्वाचित डेमोक्रेट्स को मुंह की खानी पड़ सकती है। यदि हैरिस राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल होती हैं, तो अब तक उनकी विशेषज्ञता और उनके राजनीतिक कौशल को कमतर आंकने वाले आलोचक तुरंत उनकी तारीफों के पुल बांधने लग जाएंगे। यह मानते हुए कि चुनाव अनिवार्य रूप से बाइडन या हैरिस के बीच हैं, मतदाताओं, डेमोक्रेटिक अधिकारियों और प्रगतिशील समूहों को बदलाव की स्थिति में लाभ और हानि का आकलन करना ही चाहिए।

एक उम्मीदवार और उपराष्ट्रपति के तौर पर मैंने हैरिस का साक्षात्कार लिया है। जिस हैरिस को मैंने देखा है वह बिल्कुल भी उस छवि से मेल नहीं खाती जो उनके आलोचकों ने तैयार की है। हैरिस के सकारात्मक गुणों को तीन वर्गों में रखा जा सकता है।

पहला, यदि बाइडन युवा मतदाताओं को उत्साहित नहीं कर पाते और गैर-श्वेत मतदाताओं के रुख में बदलाव का जोखिम उठाते हैं, तो हैरिस मतदाताओं के इस आधार को उत्साहित करने के लिए जरूरी प्रेरणा साबित हो सकती हैं। हाल ही में सीएनएन-एसएसआरएस के एक सर्वेक्षण में पाया गया कि हैरिस महिला मतदाताओं के बीच बाइडन को हुए तीन पॉइंट के घाटे को सात पॉइंट की लीड में बदलने की क्षमता रखती हैं। कमला बहुत अच्छी वक्ता हैं, जो महिला समर्थकों, अश्वेत छात्रों और हिस्पैनिक श्रोताओं में जोश भर देती हैं। पहली महिला अश्वेत राष्ट्रपति की संभावना भी जरूरी ऊर्जा का संचार कर सकती है। दूसरा, डेमोक्रेट्स के प्रचार अभियान में जो विषय केंद्र में होने चाहिए, वे हैं–गर्भपात, सुप्रीम कोर्ट का मनमानीपूर्ण रवैया और आरोपों का सामना कर रहे पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप का इस पद के लिए फिट न होना। ये भी हैरिस के पक्ष में जाता है। वे विरोधियों पर हमलावर होने में मुखर हैं। हैरिस, ट्रंप की नस्लीय टिप्पणियों का जवाब देने के लिए डेमोक्रेट्स का नेतृत्व कर सकती हैं।

तीसरा, हैरिस ही हैं जो रिपब्लिकन्स से उनके पसंदीदा मुद्दे 'आयु' को हाईजैक कर सकती हैं। ग्रांड ओल्ड पार्टी डिबेट्स में बाइडन की आयु को ही प्रमुख मुद्दा बनाए हुए है। अगर हैरिस उम्मीदवार होंगी तो रिपब्लिकन्स के पास आयु को लेकर कोई मुद्दा शेष नहीं रहेगा। साथ ही मीडिया भी ट्रंप की खामियों को उजागर करने पर फोकस करेगी।

फ्रांस: कैंटिलीवर बालकनी जैसे पेड़ की पत्तियां

फ्रांस के शहर मोंटपेलियर में मिश्रित उपयोग वाली वास्तुकला की इस अनुपम कृति का नाम है एल'अर्बर ब्लैंक टॉवर। इसकी बालकनियां पत्तियों की तरह फैली हुई हैं। इसे सू फुजिमोतो ने निकोलस लैसने, दिमित्री रूसेल और ओएक्सओ आर्किटेक्ट्स के साथ मिलकर 2019 में पूरा किया था। एक पेड़ के आकार में बनी, इस घुमावदार 17-मंजिला इमारत में 113 अपार्टमेंट हैं, जिनमें कैंटिलीवरिंग बालकनियां हैं, साथ ही भूतल और छत पर सार्वजनिक सुविधाएं सुलभ हैं।

प्रसंगवश

हरियाली बढ़ाने में सामाजिक संकल्प की भागीदारी जरूरी

वन नीति को कागजों से बाहर लाकर और धरातल पर लागू करने से ही हम धरा को हरा-भरा कर पाएंगे

मानसून की सक्रियता के साथ ही प्रदेश भर में हरियाली बढ़ाने के प्रयासों को गति देने का वक्त आ गया है। यह इसलिए भी जरूरी हो गया है क्योंकि राज्य के 10 प्रतिशत भू-भाग पर भी वन नहीं हैं, जबकि आदर्श रूप में 33 फीसदी भूमि वन आच्छादित होने चाहिए। एक तथ्य यह भी है कि प्रदेश में वन क्षेत्र तो पिछले तीन साल में 19 वर्ग किलोमीटर तक बढ़ा है, लेकिन शहरों में हरियाली घट गई है। शहरों में घनी हरियाली का प्रतिशत 15 से घटकर 8 प्रतिशत रह गया है। इससे करीब 2 करोड़ आबादी प्रभावित हो रही है। एक समस्या यह भी है कि विकास की आड़ में हरियाली लगातार चौपट होती जा रही है। कहीं सड़कें बनाने तो कहीं उद्योग-धंधे लगाने के नाम पर हर साल हजारों पेड़ों को काटा जा रहा है। सड़क निर्माण में तो काटे गए पेड़ों की क्षतिपूर्ति के लिए पौधरोपण का प्रावधान होता भी है लेकिन इस दिशा में ज्यादा काम हो नहीं पाता। जामनगर-अमृतसर भारतमाला परियोजना के ग्रीन कॉरिडोर से जरूर सीख ली जा सकती है। इस पूरे प्रोजेक्ट में ड्रिप इरिगेशन से भी कम पानी में मरु प्रदेश को हरा-भरा बनाने की योजना है। परियोजना के तहत प्रदेश में 4 लाख 63 हजार 336 पौधे लगेंगे।

पिछले साल 5 जून को राजस्थान वन नीति 2023 जारी की गई थी। इसमें आगामी बीस वर्षों में वनस्पति आवरण को राज्य के भौगोलिक क्षेत्र के 20 प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। वन नीति कई बार जारी हो गई, लेकिन इसे कागजों से बाहर धरातल पर लाकर लागू करने से ही धरा को हरा-भरा कर पाएंगे। इस बीच लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कोटा में प्रधानमंत्री के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की शुरुआत करते हुए अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र को देश का सबसे हरा-भरा संसदीय क्षेत्र बनाने के संकल्प की पहल की है। देश में हरियाली बढ़ाने के लिए पौधरोपण अभियान को जनआंदोलन बनाना होगा। इसके लिए जनप्रतिनिधियों की भूमिका काफी अहम है। सांसद से लेकर पंच-सरपंच तक संकल्पित होकर अपने क्षेत्र में हरियाली बढ़ाने के काम में आगे आएं तो गांव-शहर हरियाली से आच्छादित नजर आएंगे। इस लिहाज से पत्रिका का 'हरयाळो राजस्थान' अभियान भी ऐसे ही प्रयासों को आगे बढ़ाने वाला है। सरकारी स्तर पर हरियाली बढ़ाने के लिए हो रहे प्रयास भी तब ही परवान चढ़ सकेंगे जब उसमें सामाजिक संकल्प की भागीदारी नजर आएगी।

- आशीष जोशी
ashish.joshi@epatrika.com

ये भी जानें सीमा-पार डिजिटल ट्रांजेक्शन को तेज करने के लिए देशों के बीच अंतरराष्ट्रीय सहयोग और ज्यादा बढ़ेगा

क्या है प्रोजेक्ट नेक्सस, जिसमें रिजर्व बैंक भी हुआ शामिल

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, क्रॉस बॉर्डर रिटेल पेमेंट को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक बहुपक्षीय पहल प्रोजेक्ट नेक्सस में शामिल हुआ है। यह प्रोजेक्ट भारत के यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआइ) और अन्य देशों के डोमेस्टिक फास्ट पेमेंट सिस्टम (एफपीएस) के माध्यम से तत्काल सीमा पार खुदरा भुगतान को सक्षम बनाएगा। जब यह प्लेटफॉर्म लाइव हो जाएगा तो यह भारतीयों द्वारा किए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय लेनदेन का चेहरा बदल सकता है। प्रोजेक्ट के तहत फिलहाल यूपीआइ और मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर और थाईलैंड के एफपीएस को नेक्सस के जरिए आपस में जोड़ा जाएगा। इन देशों के नागरिक यूपीआइ से पैसों का डिजिटल ट्रांजेक्शन करने में सक्षम होंगे। भविष्य में इस प्लेटफॉर्म को दूसरे कई देशों तक बढ़ाया जा सकता है।

2026 *तक इस प्लेटफॉर्म के लाइव होने की उम्मीद है आरबीआई को। तेज गति से भुगतान होने के कारण सीमा पार लेनदेन में लगे व्यवसाय लाभान्वित होंगे जिससे उनका नकदी प्रवाह और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी।*

30 *जून 2024 को बीआइएस और केंद्रीय बैंकों– रिजर्व बैंक (भारत), बैंक नेगारा मलेशिया, बैंक ऑफ थाइलैंड, बंगको सेंट्रल नग फलीपींस (फिलीपींस का केंद्रीय बैंक) और सिंगापुर के मौद्रिक प्राधिकरण ने हस्ताक्षर किए।*

क्या है प्रोजेक्ट नेक्सस

प्रोजेक्ट नेक्सस की संकल्पना बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स (बीआइएस) के इनोवेशन हब द्वारा की गई है। इसका प्रमुख उद्देश्य वैश्विक स्तर पर भाग लेने वाले देशों के घरेलू इंस्टेंट पेमेंट्स सिस्टम्स (आइपीएस) को आपस में जोड़कर सीमा पार से भुगतान को सक्षम बनाना और बढ़ावा देना है। यह भुगतान क्षेत्र में लाइव कार्यान्वयन की ओर बढ़ने वाला पहला बीआइएस इनोवेशन हब प्रोजेक्ट है। प्रोजेक्ट नेक्सस का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि इस कारण सीमा-पार भुगतान बहुत तेज तो होगा ही कम खर्चीला भी हो जाएगा। सीमा-पार डिजिटल ट्रांजेक्शन को तेज करने के लिए विभिन्न देशों के बीच अंतरराष्ट्रीय सहयोग और ज्यादा बढ़ेगा। सीमा पार भुगतान के लिए द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए ऐसे प्रोजेक्ट की आवश्यकता महसूस की गई थी।

रिजर्व बैंक ने इसे कैसे गति दी

प्रोजेक्ट नेक्सस में शामिल होने के लिए रिजर्व बैंक ने 30 जून को स्विट्जरलैंड के बेसल में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। हस्ताक्षर करने के साथ ही इस पहल के संस्थापक सदस्यों के रूप में मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर और थाईलैंड में भारत भी शामिल हो गया। ऐसा करना इसलिए भी जरूरी समझा जा रहा था क्योंकि अन्य देशों के साथ सुचारू लेनदेन को सुरक्षित करने के लिए देशों के व्यक्तिगत प्रयासों पर निर्भर प्रणाली धीमी, महंगी और बोझिल बनी हुई है। कल्पना करें, अगर भारत पांच अन्य देशों के साथ क्रॉस-बॉर्डर डिजिटल पेमेंट्स से जुड़ना चाहता है तो उसे पांच अलग-अलग देशों से द्विपक्षीय बातचीत करनी होती। नेक्सस के बहुपक्षीय होने से ऐसी पाबंदियों से बचा जा सकता है।

प्रोजेक्ट में शामिल होने के लाभ

प्राथमिक लाभों में से एक लेनदेन के समय में कमी आना है। पारंपरिक बैंकिंग प्रणालियों में जहां पहले कई दिन या घंटे लगते थे, उसकी तुलना में एफपीएस के माध्यम से घरेलू भुगतान प्रक्रिया आमतौर पर कुछ ही सेकंड में पूरा हो जाती है। देशों के केंद्रीय बैंकों की भुगतान प्रणालियों के विपरीत, यह प्रणाली कम लागत के साथ चौबीसों घंटे और सात दिन काम करती है। इसके साथ ही बैंकों के लिए उन देशों में भी अपनी सेवाओं की पेशकश करना अधिक व्यावहारिक हो जाता है जहां उनकी भौतिक उपस्थिति या प्रत्यक्ष भागीदारी नहीं है।

विश्वसनीयता में वृद्धि

पारंपरिक बैंकिंग व्यवस्थाओं से सीमा पार भुगतान में विभिन्न स्तरों पर देरी और खतरे की आशंका बनी रहती है जिससे समस्या हल होने तक अक्सर प्रेषकों और प्राप्तकर्ताओं को अंधेरे में रहना पड़ता है। प्रोजेक्ट नेक्सस यह सुनिश्चित करके विश्वसनीयता को बढ़ाता है कि भुगतान या तो कुछ सेकंड के भीतर पूरा हो जाता है या विफल होने पर तत्काल प्रतिक्रिया प्रदान करता है। इससे लेनदेन में जोखिम कम हो जाता है। यह प्रोजेक्ट तत्काल भुगतान सेवाओं की पहुंच का विस्तार करता है।

आपकी बात

योग्य शिक्षकों की नियुक्ति हो

उच्च शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए योग्य शिक्षकों को नियुक्त किया जाए और शोध के नाम पर खानापूर्ति न की जाए।

-लता अग्रवाल, चित्तौड़गढ़

आज का सवाल

भारतीय छात्र मेडिकल की पढ़ाई के लिए विदेश क्यों जाते हैं?

ईमेल करें
edit@epatrika.com

patrika.com पर पढ़ें

पाठकों की प्रतिक्रियाएं

पत्रिकायन का सवाल था, 'उच्च शिक्षा की गुणवत्ता कैसे बढ़ाई जा सकती है? ' प्रतिक्रियाएं ऑनलाइन भी देखें।

इसे स्कैन करें

https://shorturl.at/xu6ed

अंबिकापुर

अंबिकापुर से रेणुकूट जा रही यात्री बस पलटी

पत्रिका ब्यूरो @ अंबिकापुर. फूलीडूमर घाट के पास मंगलवार की सुबह एक बस अनियंत्रित होकर खेत में पलट गई। इस घटना में आठ लोगों को चोट आई हैं। अंबिकापुर से मंगलवार की सुबह यात्रियों को लेकर बस रेणुकूट जा रही थी। बस में करीब 40-50 यात्री सवार थे। बस वाड्रफनगर से आगे फुलीडूमर घाट पार कर नीचे उतरी ही थी कि अचानक अनियंत्रित होकर खेत में पलट गई। इससे यात्रियों के बीच चीख-पुकार मच गई। बस की गति धीमी थी, इस वजह से ज्यादा नुकसान नहीं हुआ।सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अन्य पुलिसकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे और यात्रियों की मदद की। पुलिस ने बस की कांच तोड़कर उन्हें बाहर निकाला।

बैकुंठपुर

नशे में दूल्हा पहुंचा तो दुल्हन ने शादी से किया इंकार

बैकुंठपुर @ पत्रिका. आनी में सोमवार की रात शराब के नशे में धुत दूल्हा को देखकर दुल्हन जमकर भड़कीं और भरी मंडप में शादी से इंकार करने के बाद पूरी बारात को बैरंग लौटा दिया। दुल्हन के इस फैसले में परिजन और गांव वाले साथ खड़े रहे। वहीं दुल्हन की समाज सहित हर कोई तारीफ कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर दूल्हा बारात लौटने के बाद अगले दिन मंगलवार को वधु पक्ष के घर पहुंचा और कन्या सहित परिजनों को मनाने की कोशिश में जुटे रहे। जानकारी के अनुसार बैकुंठपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत आनी में वधु लवंती कुमारी की शादी ग्राम बरदिया पटना के रमेश कुमार के साथ तय हुई थी। सोमवार 8 जुलाई की रात को शुभ विवाह होने वाला था। जिससे सेहरा बांधे दूल्हा रमेश कुमार ढोल बाजा के साथ बारात लेकर लड़की के घर आनी पहुंचा। इस दौरान लड़की पक्ष के लोगों ने बारात का आतिशबाजी के साथ धूमधाम से स्वागत किया। कई रस्म पूरी कर दुल्हे की आरती उतारी गई। उसी समय पता चला कि दुल्हा शराब के नशे धुत है और उटपटांग हरकत करने लगा। इससे लड़की ने शादी से इंकार कर दिया।

निजी मेडिकल कॉलेज

एनआरआई कोटे की सीटें दिल्ली से की जाएगी आवंटित

रायपुर @ पत्रिका. छत्तीसगढ़ समेत देशभर के निजी मेडिकल कॉलेजों में एनआरआई कोटे की सीटें दिल्ली से आवंटित करने की तैयारी है। हाल ही में विभिन्न राज्यों के डीएमई के साथ हुई बैठक में नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) के अधिकारियों ने ये जानकारी दी है। अधिकारियों के अनुसार एनआरआई कोटे की सीटों पर कॉलेजों की मनमानी का आरोप है। ऐसे में इनकी सीटें प्रदेश से नहीं, बल्कि एनएमसी खुद आवंटित करेगी। यही नियम मैनेजमेंट कोटे की सीटों पर भी लागू होगा। एनआरआई व मैनेजमेंट कोटे की सीटों पर आरक्षण रोस्टर लागू नहीं होता।

डोंगरगढ़ में श्रीयंत्र बिल्डिंग का कार्य तेजी से जारी है।

दावा : दो माह में तैयार हो जाएगी श्रीयंत्र बिल्डिंग

माता का 'प्रसाद'

अंडर ग्राउंड होगा ऑडिटोरियम, फर्स्ट फ्लोर पर सत्संग हॉल

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

राजनांदगांव. डोंगरगढ़ में मां बम्लेश्वरी पहाड़ी के समीप श्रीयंत्र बिल्डिंग का निर्माण 90 फीसदी पूरा हो गया है। फिनिशिंग का काम अंतिम चरण में है, जिसके बाद इसे पर्यटन बोर्ड को हैंडओवर कर दिया जाएगा। जल्द ही दर्शनार्थियों को इसकी सुविधा मिलेगी। श्रीयंत्र बिल्डिंग निर्माण की पहली ड्रोन तस्वीर पत्रिका दिखा रहा है। केन्द्र सरकार के महत्वकांक्षी प्रोजेक्ट में शामिल प्रसाद योजना के तहत पहले फेज में 43.33 करोड़ रुपए विभिन्न विकास कार्यों के लिए खर्च किए गए हैं। इनमें श्रीयंत्र बिल्डिंग, बम्लेश्वरी मंदिर व प्रज्ञागिरी में किए गए काम शामिल हैं। करीब 10 एकड़ एरिया में बिल्डिंग का निर्माण हुआ है। जहां अंडर ग्राउंड ऑडिटोरियम है। प्रथम तल पर भोजनालय, एडमिन ब्लॉक, किचन, सेकेंड फ्लोर में सत्संग हॉल, क्लॉक रूम, मेडिटेशन हॉल, रेस्टिंग हॉल, टॉयलेट हैं।

यह भी जानिए, कहां क्या हुआ निर्माण

मां बम्लेश्वरी मंदिर

सीढ़ियों का जीर्णोद्धार, सीढ़ियों में रेलिंग, शेड, वॉटर कूलर, मेडिकल रूम, शॉप, बायो टॉयलेट, सीसीटीवी कैमरे, तालाब सौंदर्यीकरण, सोलर लाइट, पार्किंग व ड्राइवर वेटिंग रूम, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट साइनेजेस का निर्माण हुआ है।

प्रज्ञागिरी पर्वत

मेडिटेशन सेंटर, कैफेटेरिया, पार्किंग व गार्ड रूम, वॉटर कूलर, वॉटर टैंक, सीढ़ियों का जीर्णोद्धार व रेलिंग, स्टोन साइनेजेस, सेनिटेशन फिटिंग, सोलर लाइट, एसी, सीसीटीवी, फायर फाइटिंग, अलार्म व ट्रांसफार्मर लगाया जाएगा।

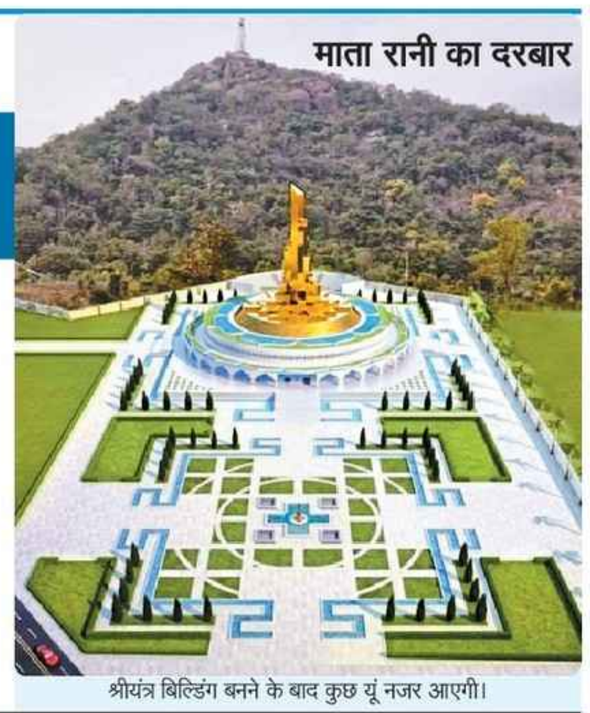

श्रीयंत्र बिल्डिंग बनने के बाद कुछ यूं नजर आएगी।

कंटेंट : मोहन कुलदीप, ड्रोन फोटो : नागेश वर्मा

साय कैबिनेट : प्लाटून कमांडर भर्ती में स्थानीय को आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट

स्कूलों में लागू होगी नई शिक्षा नीति, गरीब परिवारों को आवास

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

रायपुर. मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में मंगलवार कैबिनेट की मैराथन बैठक हुई। इसमें स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को छत्तीसगढ़ में पूर्ण रूप से लागू करने का अहम फैसला हुआ। इसके साथ ही 47090 आवासहीन परिवारों को मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत आवास स्वीकृत करने का निर्णय लिया गया। इसके अतिरिक्त सरकारी नौकरी में अधिकतम आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट देने का फैसला भी लिया गया।

स्कूलों में अब 10+ 2 के स्थान पर 5+ 3+ 3+4 होगा लागू

नई शिक्षा नीति के तहत कक्षा 5वीं तक बच्चों को स्थानीय भाषा-बोली में शिक्षा दिए जाने का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही प्री-प्राइमरी से 12 वीं तक सबको शिक्षा उपलब्ध कराने की अनुशंसा की गई है। इस नवीन शिक्षा नीति के तहत समतामूलक और समावेशी शिक्षा प्रदान करने के साथ ही प्रचलित शैक्षणिक संरचना 10+2 के स्थान पर 5+3+3+4 लागू किया गया है।

सीएसआईडीसी के सारे रेट कॉन्ट्रेक्ट होंगे निरस्त : कैबिनेट में शासकीय समानों की खरीदी गड़बड़ी व भ्रष्टाचार की रोकथाम के मद्देनजर बड़ा फैसला लिया है।

स्टेट कैपिटल रीजन के लिए सरकार ने की पहल

कैबिनेट की बैठक में एनसीआर की तर्ज पर स्टेट कैपिटल रीजन के लिए बड़ी पहल की गई। इसके निर्माण के लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार करने की प्रक्रिया के लिए नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण को अधिकृत किया गया है। इसके साथ ही आवास एवं पर्यावरण विभाग को प्रशासकीय विभाग बनाया गया है। बता दें कि पत्रिका ने सरकार की 100 दिन की कार्ययोजना में इस मुद्दे को

सरकार के सामने प्रमुखता से रखा था। इसके अलावा केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू और सांसदों ने भी इस दिशा में पहल करने की बात कहीं थीं।

नवा रायपुर में मिलेगा गरीबों को आवास

नवा रायपुर में आवासहीन, आर्थिक रूप से कमजोर और निम्न वर्ग के परिवारों को आवास मुहैया के लिए पंजीयन की तिथि में तीन वर्ष की वृद्धि कर दी गई है। बता दें कि मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत नवा रायपुर में आवासों का निर्माण किया जा रहा है। इस निर्णय से अभी तक रिक्त मकानों के पंजीयन की संभावनाओं में वृद्धि होगी।

कैबिनेट ने सीएसआईडीसी के माध्यम से खरीदी में भ्रष्टाचार की शिकायतों को देखते हुए इसके सभी रेट कॉन्ट्रेक्ट को जुलाई के अंत तक निरस्त करने का निर्णय लिया है। बता दें कि पूर्ववर्ती सरकार ने जेम पोर्टल से खरीदी पर रोक लगा दी थी। शासकीय सामग्री की खरीदी में दिक्कत, गुणवत्ता का अभाव एवं भ्रष्टाचार की शिकायतें काफी बढ़ गई थी।

यह है अन्य अहम फैसले : वन अधिकार पत्रधारकों की मृत्यु होने पर वारिसानों के नाम पर काबिज वन भूमि का हस्तांतरण राजस्व या वन अभिलेखों में दर्ज करने संबंधित कार्रवाई के लिए प्रक्रिया प्रारूप का अनुमोदन किया गया।

सुशासन एवं अभिसरण विभाग में ई-समीक्षा, ई-लोकसेवा गारंटी एवं डिजिटल सेक्रेटरियेट को शामिल करने के लिए छत्तीसगढ़ शासन कार्य (आवंटन) नियम में संशोधन होगा।

उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन के प्रस्ताव पर कैबिनेट ने छत्तीसगढ़ शासन भण्डार क्रय नियम 2002 में संशोधन को मंजूरी दे दी है। इसके अब राज्य शासन के समस्त विभाग जेम वेबसाइट से ही खरीदी करनी होगी। अतिरिक्त आवश्यकता होने पर सामग्री, वस्तु एवं सेवाओं के क्रय के लिए वित्त विभाग की सहमति आवश्यक होगी। छत्तीसगढ़ शासन में लगभग 114 आवश्यक सामग्रियों की आरसी जारी होती थी, जिसमें 1687 वेंडर्स का आरसी निरस्त होगी।

ऐसे मिलेगी आयु सीमा में छूट

मंत्रिपरिषद की बैठक में आयु सीमा में छूट देने का भी फैसला हुआ है। इसके तहत छत्तीसगढ़ सशस्त्र सहायक प्लाटून कमाण्डर (नर्सिंग), प्रधान आरक्षक (नर्सिंग), मेल नर्स, फिमेल नर्स, लैब टेक्निशियन, फार्मासिस्ट, नर्सिंग असिस्टेंट, कम्पाउण्डर, ड्रेसर, आरक्षक (बैण्ड), आरक्षक (श्वान दल) भर्ती प्रक्रिया वर्ष-2023 के तहत छत्तीसगढ़ राज्य के स्थानीय निवासियों को निर्धारित अधिकतम आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट प्रदान की जाएगी। यह छूट अनारक्षित वर्ग को निर्धारित अधिकतम आयु सीमा के अतिरिक्त एक बार के लिए 5 वर्ष की छूट एवं आरक्षित वर्ग को पहले से 5 वर्ष की आयु शिथिलीकरण के अतिरिक्त, एक बार के लिए, निर्धारित आयु सीमा में 5 वर्ष की और छूट प्रदान की जाएगी।

सभी निकायों में 'शहर सरकार' बनाने भाजपा की बड़ी बैठक आज

छत्तीसगढ़ में ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने की तैयारी में भाजपा

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

रायपुर. भाजपा अब प्रदेश में ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने की कवायद में जुट गई है। ट्रिपल इंजन की सरकार यानि केंद्र और राज्य में भाजपा की सरकार है, अब प्रदेश के नगरीय निकायों में भी भाजपा की शहरी सरकार बनाना। यही कारण है कि प्रदेश भाजपा कार्यसमिति की बैठक में मंडल स्तर के पदाधिकारियों को भी आमंत्रित किया गया है। यह बैठक पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित की गई है। इसमें अपेक्षित श्रेणी के 1500 से ज्यादा पदाधिकारी व सदस्य बैठक में शामिल होंगे।

लोकसभा चुनाव के बाद हो रही पहली बैठक आगामी नगरीय निकाय चुनाव में भाजपा को हर निकाय में बढ़त के साथ भाजपा के हाथ में सत्ता हो इसकी रणनीति बनाई जाएगी। बैठक प्रदेश भाजपा कार्यालय में सुबह 10 बजे से शुरू होगी। बैठक केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर और प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन लेंगे। इसके अलावा बैठक में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सहित साय सरकार के सभी मंत्री-विधायक और कार्यसमिति के पदाधिकारी शामिल होंगे।

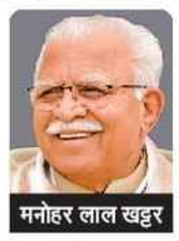

केंद्रीय मंत्री खट्टर, प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन लेंगे बैठक, साय कैबिनेट के मंत्री भी होंगे शामिल

राजनीतिक प्रस्ताव भी हो सकता है पारित

भाजपा सूत्रों के अनुसार प्रदेश भर के वोटरों को राजनीतिक संदेश के लिए कार्यसमिति की बैठक में राजनीतिक प्रस्ताव भी पारित किया जा सकता। बताया जाता है कि पिछले दिनों लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा हिंदुओं को लेकर दिए बयान का निंदा प्रस्ताव भी पारित किया जाएगा, ताकि कांग्रेस के खिलाफ प्रदेश में माहौल बन सकें और निकाय चुनाव में भाजपा के पार्षद ज्यादा से ज्यादा चुनकर आए।

सरकार के काम-काज को जनता तक पहुंचाने का मंत्र

बैठक में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं और काम-काज को जन-जन तक पहुंचाने के मंत्र दिए जाएंगे। साथ ही प्रदेश सरकार के छह माह के कार्यकाल को लेकर भी जनमानस तक पहुंचाने का काम दिया जाएगा। इसके अलावा योजनाओं के हितग्राहियों को लाभ दिलाने के लिए सतत रूप से काम करने की नसीहत दी जाएगी।

पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं में भरा जाएगा जोश

बैठक का मूल उद्देश्य नगरीय निकाय चुनाव के लिए प्रदेशभर के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को फिर से उत्साहवर्धन करना है। साथ ही पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को निकाय चुनाव के लिए अभी से रणनीति के तहत काम करने के निर्देश दिए जाएंगे। जिस तरह से विधानसभा और लोकसभा चुनाव में भाजपा को जीत दिलाई है, उसी तरह से एक बार से निकाय चुनाव में भाजपा की शहरी सरकार बनाने के लिए काम करने के लिए टिप्स दिए जाएंगे।

स्कूल जतन योजना में गड़बड़ी, अब होगी जांच

रायपुर@पत्रिका. राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के अंतर्गत वर्ष 2022-23 में मरम्मत योग्य शालाओं के जीर्णोद्धार एवं अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्यों की जांच शुरू कर दी गई हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव ने सभी कलेक्टरों को उक्त योजना के तहत स्वीकृत कार्यों के औचित्य, आवश्यकता, पूर्णता तथा निर्माणाधीन कार्यों की स्थिति की विशेषज्ञ समिति से जांच कराने के निर्देश दिए हैं। सभी कलेक्टरों को 15 दिन के अंदर इसकी रिपोर्ट भेजनी होगी। इस संबंध में कलेक्टरों को प्रेषित पत्र में इस बात का उल्लेख किया है कि योजना के तहत स्वीकृत कार्यों के लिए विभाग द्वारा पूर्व में राशि जारी की गई थी। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर शासन को शिकायतें मिली हैं।

अवसर : लंबे समय बाद निकली वैकेंसी

बीएसपी में 23 चिकित्सक समेत 45 पदों पर होगी भर्ती

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

भिलाई. भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) में लंबे समय बाद विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए वैकेंसी निकाली गई हैं। इसके पहले सेल स्तर पर विभिन्न पदों पर भर्ती की जाती रही हैं। भिलाई इस्पात संयंत्र में अलग-अलग 22 पदों के साथ ही संयंत्र के सेक्टर-9 चिकित्सालय में 23 चिकित्सकों की भर्ती की जाएगी। इसके लिए 3 अगस्त तक आवेदन मंगाए गए हैं।

संयंत्र के सेक्टर-9 चिकित्सालय में जनरल मेडिसिन 4 पद, रेडियो डायग्नोसिस 2 पद, रेस्प. मेडिसिन 2 पद, ओबीएण्डजी 2 पद, त्वचा विभाग 1 पद, हड्डी रोग 2 पद, ईएनटी 1 पद, एनेस्थीसिया 2 पद, नेत्र विज्ञान 1 पद, विकृत विज्ञान 1 पद और मनोचिकित्सक के 1 पद के लिए भर्ती निकाली गई हैं। इसके अलावा एक पद मेडिकल ऑफिसर के लिए भी आवेदन मंगाया गया हैं।

इसी तरह भिलाई स्टील प्लांट में सहायक प्रबंधक के 3 पद, माइंस फोरमेन 3 पद, इलेक्ट्रिकल सुपरवाइजर पद 14 पद और बॉयलर ऑपरेटर 5 रिक्त पदों के लिए आवेदन मंगाया गया हैं।

मौसम : बन रहा है नया सिस्टम, उमस भरी गर्मी से मिलेगी निजात

कल से प्रदेश में कहीं भारी तो कहीं मध्यम बारिश के आसार

पत्रिका ब्यूरो @ रायपुर. प्रदेश में 11 से 13 जुलाई तक व्यापक वर्षा होने की संभावना हैं। एक-दो स्थानों पर भारी बारिश हो सकती हैं। पिछले 24 घंटे में प्रदेश के कई स्थानों पर हल्की से तेज वर्षा हुई हैं। वहीं राजधानी में शाम को कुछ देर तक तेज बारिश हुई जिससे दिनभर की उमस से लोगों को कुछ देर के लिए राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटे में कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश हो सकती हैं। एक-दो स्थानों पर वज्रपात भी हो सकता हैं। मंगलवार को रायपुर का अधिकतम तापमान डेढ़ डिग्री बढ़ गया और 35.5 डिग्री रिकार्ड किया गया। यह सामान्य से 3.5 डिग्री ज्यादा हैं।

रायपुर में मंगलवार शाम को करीब एक घंटे तक झमाझम बारिश हुई, जिससे मौसम सुहाना हो गया। भारी रिश के बीच गुजरते लोग।

ओरछा में जमकर बरसे बादल : बस्तर के ओरछा में पिछले 24 घंटे में बादल जमकर बरसे। वहां 60 मिमी पानी गिरा। वहीं बास्तानार व गीदम में 50, नरहरपुर व नगरी में 40, गादीरास, अर्जुंदा, चारामा, बड़े बचेली, पखांजूर, छुईखदान, नारायणपुर, भानपुरी, बालोद में 30-30 मिमी बारिश हुई। मौसम विज्ञान केंद्र लालपुर के मौसम विज्ञानियों के अनुसार एक कतरनी क्षेत्र समुद्र तल से 3.1 व 7.6 किमी की ऊंचाई पर बना हुआ है। इसके असर से प्रदेश में कहीं-कहीं वर्षा हो रही हैं।

फ्लाइट के अनियमित परिचालन से यात्री हो रहे परेशान

रायपुर. स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट रायपुर में पिछले 20 दिनों से फ्लाइटों के विलंब से आने का सिलसिला चल रहा है। वहीं कई बार दिल्ली की फ्लाइट को कैंसिल करने से यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अधिकांश फ्लाइटे अपने निर्धारित समय से 20 मिनट से लेकर 2 घंटे तक विलंब से रायपुर पहुंच रही है। सबसे ज्यादा विलंब से पहुंचने वाली फ्लाइटों में दिल्ली, मुंबई, बेंगलूरु और हैदराबाद सहित अन्य फ्लाइटें शामिल है। अजय ट्रैवल्स के संचालक रमन जादवानी ने बताया कि बारिश के चलते फ्लाइटों की उड़ान पर असर पड़ा है।

आमचो बस्तर | **बस्तर दशहरा को ऐतिहासिक बनाने में जुटा प्रशासन**

देवी-देवताओं के ठहरने के लिए बस्तर में बनेगा हैरिटेज ग्राउंड

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

जगदलपुर. बस्तर के विश्व प्रसिद्ध दशहरा उत्सव की तैयारियां प्रशासन ने शुरू कर दी है। दशहरा में शामिल होने आने वाले 500 से अधिक देवी देवताओं और उनके सेवादारों के लिए बस्तर का पहला हेरिटेज ग्राउंड बनाया जा रहा है।

प्रशासन ने इसे अंतिम रूप दे दिया है। जो कि दशहरा पर्व तक तैयार हो जाएगा। इस प्रोजेक्ट के लिए तहसील कार्यालय को शिफ्ट किया जाएगा।

फैक्ट फाइल

लागत : 3 करोड़
एरिया : 20 हजार स्क्वायर फीट
कब तक होगा तैयार : दशहरे के पहले
खूबी : आदिवासियों की संस्कृति से हो सकेंगे रूबरू

हैरिटेज ग्राउंड में बन रही इमारत का प्रवेश द्वार बनने के बाद ऐसा नजर आएगा।

3 करोड़ की लागत, ऐतिहासिक चीजों से नहीं की जाएगी छेड़छाड़

बस्तर कलेक्टर विजय दयाराम के. ने बताया कि यहां की कई बिल्डिंग पहले से ही कई ऐतिहासिक चीजों को संजोए हैं। इसलिए ऐसी बिल्डिंग से छेड़छाड़ नहीं की जाएगी। बल्कि उसे संवारने के लिए विशेष प्लान बनाया गया है। काम को दशहरे के पहले पूरा करने की तैयारी चल रही है। इसी हफ्ते इसका टेंडर निकाल दिया जाएगा। इस पूरे प्रोजेक्ट में करीब 3 करोड़ रुपए का खर्च आएगा।

यह सेक्शन होंगे : कैफे, सीटिंग एरिया, ओपन एग्जिब्यूशन एरिया, बोर एरिया, एक्टिविटी ग्राउंड, प्रसाधन एरिया, एग्जिब्यूशन एरिया, स्टोर एरिया, एडमिन, डॉरमेटरी, गार्डन, कार पार्किंग, बाइक पार्किंग, गार्ड रूम

हर साल 500 से अधिक देवी देवता पहुंचते हैं बस्तर, अब यहीं रुकेंगे

मालूम हो कि बस्तर के ऐतिहासिक दशहरे में संभागभर से देवी-देवता पहुंचते हैं। ऐसे देवी देवताओं की संख्या 500 से भी अधिक होती है। लेकिन ठहरने की व्यवस्था ठीक नहीं होने की वजह से उन्हें परेशानी होती है। इस हेरिटेज ग्राउंड में उन्हें ठहराने के लिए विशेष व्यवस्था की जा रही है। गौरतलब है कि बस्तर दशहरा 75 दिनों तक मनाया जाता है इस दौरान विभिन्न रस्मों के लिए अलग अलग देवी देवता यहां पहुंचे हैं जो कि दशहरा की समाप्ति के बाद ही वापस लौटते हैं।

रतनपुर : गांवों में हाइटेंशन लाइन से खेतों में आ रहा करंट

हाईकोर्ट ने केंद्र से कहा- जवाबदारी से नहीं बच सकते

पत्रिका ब्यूरो @ बिलासपुर. रतनपुर क्षेत्र के गांवों के खेतों में करंट आने के मामले में मंगलवार को हाईकोर्ट ने केंद्र शासन से कहा कि किसी भी कंपनी को सिर्फ लाइसेंस देकर आप जवाबदारी से बच नहीं सकते। कोर्ट ने शासन को शपथपत्र में जवाब देने के निर्देश देते हुए बुधवार 10 जुलाई को अगली सुनवाई निर्धारित की है। हाइटेंशन बिजली तार के कारण कई गांवों में ग्रामीणों और मवेशियों की जान को खतरा है। भयभीत ग्रामीणों ने हजारों एकड़ में इसके चलते खेती बंद कर दी है। मीडिया रिपोर्ट पर स्वतः संज्ञान लेते हुए हाईकोर्ट ने जनहित याचिका के तौर पर इसकी सुनवाई शुरू की है। सुनवाई के बाद चीफ जस्टिस ने हाइटेंशन तार बिछाने वाली सरकारी कंपनी पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन, यहां इस काम को पूरा करने वाली जबलपुर ट्रांसपोर्टेशन कंपनी से इन जगहों पर इंजीनियरों भेजकर पूरी जांच कराने का निर्देश दिया था। इसकी रिपोर्ट व्यक्तिगत शपथपत्र पर कोर्ट में प्रस्तुत करने का भी आदेश कोर्ट ने दिया था।

यह है मामला

उल्लेखनीय है कि हाइटेंशन बिजली तार के चलते रतनपुर क्षेत्र के कछार, लोफंदी, भरारी, अमतरा, मोहतराई, लछनपुर, नवगंवा, मदनपुर गांवों के खेतों में बिजली के झटके महसूस किए जा रहे हैं। इससे बचने के लिए लोग रबड़ के बूट, जूते पहन रहे हैं। इसके बावजूद हर रोज ग्रामीणों को करंट का झटका लग रहा है।

एक हकीकत ऐसी भी : बेरोजगारों को बाहर जाने से नहीं रोक पा रही मनरेगा जैसी योजनाएं, स्थानीय कंपनियों में 70 फीसदी पद आरक्षित भी जा रहे लोग

ऊर्जाधानी सिंगरौली में नवरत्न कंपनियां, फिर भी काम की तलाश में पलायन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सिंगरौली. सूरत में हादसे की खबर मिलने के बाद कलेजा मुंह को आ गया। बेटा सुरक्षित है, ये खबर मिली तो जान में जान आई। दो घंटे तक पूरा परिवार सदमे में रहा। ये कहना है चितरंगी निवासी सुरेश बैगा का। सूरत में हादसे की खबर उन्हें पड़ोस के गांव के युवक से मिली थी।

गांव के कई लोग काम की तलाश में सूरत गए हैं। ये स्थिति चितरंगी सहित आस-पास के ज्यादातर गांवों की है। चितरंगी ही नहीं जिले के कई क्षेत्रों से काम की तलाश में अब भी पलायन जारी है। यह हाल तब है जबकि ऊर्जाधानी सिंगरौली में आधा दर्जन से अधिक राष्ट्रीय कंपनियां और 200 से अधिक छोटी-बड़ी सहयोगी कंपनियां संचालित हैं। कलेक्टर की ओर से स्थानीय कंपनियों में 70 फीसदी पदों को आरक्षित करने का निर्देश है। इसके अलावा मनरेगा के तहत शुरू कार्यों में भी रोजगार देने का प्रयास किया जा रहा है। इसके बावजूद काम की तलाश में दूसरे शहरों के लिए पलायन नहीं रुका है। एक अनुमान के मुताबिक वर्तमान में जिले से 60 हजार लोग दूसरे जिलों में कार्य कर रहे हैं।

पत्रिका हरित प्रदेश
पौधे लगाएं, पर्यावरण बचाएं

भुगतान में देरी भी वजह

- 872.69 लाख का भुगतान लंबित
- 61.12 लाख अनस्किल्ड श्रमिकों का
- 14.78 लाख स्किल्ड श्रमिकों का
- 791.19 लाख मैटेरियल का लंबित

ये प्रमुख कंपनियां हैं संचालित

- कोयला कंपनी एनसीएल
- विद्युत उत्पादक एनसीएल
- विद्युत उत्पादक सासन पॉवर
- एल्युमिनियम कंपनी हिंडालको
- कोयला खनन कंपनी अदाणी ग्रुप

कभी-कभी मिलता है काम

चितरंगी के राम सिंह बैगा बताते हैं, यहां काम मिलने की कोई गारंटी नहीं है। परिवार का पालन-पोषण करना है। इसलिए दोनों बेटों को सूरत जाना पड़ा है। वहां फैक्ट्री में काम करते हैं। उनका परिवार यहीं रहता है। तीन दिन पहले सूरत में हुई घटना की जानकारी मिली तो मन बेचैन हो उठा।

दो जून की रोटी भी नसीब नहीं होती

बोदाखूंटा के शिवराज सिंह गोंड, बताते हैं, एक बेटा है। उसी के दम पर परिवार चल रहा है। यहां रहते तो दो जून की रोटी भी नसीब नहीं होती है। पूणे में नौकरी कर रहा है। यहां मजदूरी करने के बाद भी पैसे के लिए इंतजार करना पड़ता है। क्षेत्र में ऐसा कोई गरीब परिवार नहीं, जिसके यहां लोग बाहर रोजगार के लिए न गए हो।

रोकने का प्रयास रहा असफल

कोविड के दौरान घर लौटे प्रवासी काम की तलाश अब बाहर नहीं जाएं। इस उम्मीद में जिला प्रशासन ने मनरेगा से काम देने, महिला समूहों को स्वरोजगार व स्थानीय कंपनियों में पद आरक्षित कराने के साथ कई प्रयास किए। बावजूद लेबर चौराहों पर भीड़ पहले सरीखे बरकरार है। बाहर काम करने वालों की संख्या भी कम नहीं हुई है। कोविड आपदा के दौरान 80 हजार प्रवासी जिले में लौटे थे।

स्वेच्छा से जा रहे

कंपनियों को निर्देश है कि 70 फीसदी से अधिक पदों पर स्थानीय को नियुक्ति मिले। कंपनियों की सहयोगी कंपनियों में नियुक्ति मिल भी रही है। इसके अलावा मनरेगा में भी रोजगार दिया जा रहा है। लोग स्वेच्छा दूसरे शहरों की ओर रूख कर रहे हैं।

चंद्रशेखर शुक्ल, कलेक्टर

न्यूज शॉर्ट्स

पुल से एक किमी दूर मिला एडीपीओ का शव

शिवपुरी. जिले के पिछोर स्थित नयागांव के पास बुधना नदी के रपटे पर कार में बहे एडीपीओ का शव मंगलवार सुबह रेस्क्यू टीम को पुल से एक किमी दूर नदी किनारे मिल गया है। पुलिस ने शव का पीएम कराकर परिजन के सुपुर्द कर दिया है। पिछोर कोर्ट में पदस्थ एडीपीओ राकेश रोशन (43) निवासी ग्वालियर शिवम गुप्ता (32) के साथ रविवार रात केदार सेन को छोड़ने सुजवाया गांव गए थे। लौटते समय रपटे पर कार में बह गई।

कार कंटेनर में घुसी, महिला की मौत

ग्वालियर. चार धाम यात्रा पर धार से निकले परिवार का घाटीगांव पर सड़क हादसा हो गया। इसमें तीन लोग जख्मी हुए और महिला की मौत हो गई। हादसे की वजह कंटेनर चालक का अचानक ब्रेक लगाना रहा है। पुलिस ने बताया, हादसा घाटीगांव क्रॉस करने के दौरान हुआ। कार संतोष डाबर चला रहा था। करन, मनोहर और महेंद्र समेत संगीता व उनके परिजन यात्रा पर निकले थे। हादसे में घायल संगीता ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

दस्तावेज नहीं होने पर कोर्ट ने युवती को घर भेजा

ग्वालियर. हाईकोर्ट की युगल पीठ ने यह कहते हुए युवती को पिता के साथ भेज दिया कि याचिकाकर्ता ने विवाह होने संबंधी कोई दस्तावेज नहीं दिया है। कोर्ट ने युवती के सामने दो विकल्प रखे, नारी निकेतन या फिर पिता के घर। कोर्ट नरेंद्र गुप्ता की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इसमें तर्क दिया गया था, मैंने मंदिर में विवाह किया था, मेरी पत्नी को उसके पिता और दादा ने बंधक बना लिया है।

पीएचई घोटाला: रिपोर्ट पहुंची पर पुलिस सुस्त

ग्वालियर. पीएचई खंड क्रमांक-1 में हुए घोटाले की जांच रिपोर्ट पुलिस के पास पांच दिन पहले पहुंच गई, लेकिन पुलिस मामले को लेकर अब तक हरकत में नहीं आई है। इस वजह से घोटाले का सच सामने नहीं आ पा रहा है। कोषालय की कमेटी की एक साल चली जांच ने आधा सच सामने ला दिया है, लेकिन रिकॉर्ड नहीं होने से काफी तथ्य छिपे रहे गए हैं। जांच दल को पीएचई ने रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं कराया था।

@10 जिले तापमान

कहां- कितना

ग्वालियर	36.6	सागर	34.6
भोपाल	34.3	सतना	37.4
शिवपुरी	30.2	जबलपुर	34.1
खजुराहो	36.8	नौगांव	37.0
दमोह	37.0	इंदौर	33.4

(आंकड़े डिग्री सेल्सियस में)

लिमिट बनी सजा : किसानों को प्रति क्विंटल 2000 रुपए का नुकसान

1 हेक्टेयर में 18 क्विंटल मूंग का उत्पादन पर 8 क्विंटल ही खरीदी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

1. प्रति क्विंटल 2 हजार का घाटा, बाजार में 8558 की तुलना में मिल रहे 6500 से 7000 रुपए
2. किसानों का नर्मदापुरम और हरदा में आंदोलन, दूसरे जिलों में खुले बाजार में मूंग बेच रहे

भोपाल. अच्छा काम करने पर प्रोत्साहन मिलता है, पर मप्र में मूंग की पैदावार में रेकॉर्ड बनाने वाले किसानों के साथ उल्टा हो रहा है। इन्हें प्रति क्विंटल 2000 रुपए के घाटे की सजा भुगतनी पड़ रही है। इस बात से नाराज किसानों ने प्रदेशभर में आंदोलन की चेतावनी दी है। जबलपुर, नर्मदापुरम और हरदा के किसानों ने इसकी शुरुआत भी कर दी। प्रदेश के नर्मदापुरम, नरसिंहपुर, जबलपुर, हरदा, बैतूल, छतरपुर समेत 32 जिलों में किसानों ने गर्मी की मूंग की फसल ली। इस बार प्रति हेक्टेयर 16 से 18 क्विंटल उत्पादन रहा है। 1 जुलाई से 8558 रुपए समर्थन मूल्य पर खरीदी की जा रही है। जिसमें प्रति हेक्टेयर 8 क्विंटल की खरीदी लिमिट तय कर दी है। इस कारण किसान एक हेक्टेयर में पैदा हुई बाकी की 8 से 10 क्विंटल मूंग समर्थन मूल्य पर नहीं बेच पा रहे हैं।

नर्मदापुरम जिले में खरीदी लिमिट 8 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तय करने से नाराज किसान भारतीय किसान संघ के नेतृत्व में विरोध करते हुए।

किसानों को इसलिए नुकसान

असल में जो मूंग सरकारी खरीदी केंद्रों पर 8558 रुपए में खरीदी जा रही है, खुले बाजार में उसके दाम 6500 से 7000 रुपए ही मिल रहे हैं। पैदा किया एक-एक दाना समर्थन मूल्य अर्थात सरकारी केंद्रों पर बेचना चाहते हैं, लेकिन खरीदी लिमिट प्रति हेक्टेयर 8 क्विंटल तय करने के कारण एक हेक्टेयर में पैदा हुई बाकी 8 से 10 क्विंटल मूंग खुले बाजार में 6500 से 7000 रुपए में बेचना पड़ रही है। इस पर 1500 से 2000 प्रति क्विंटल का नुकसान हो रहा है।

विस में गूंजी आवाज, नहीं निकला हल

किसानों का यह मुद्दा विधानसभा में भी गूंजा। कांग्रेस विधायक अभिजीत शाह ने किसानों की पीड़ा उठाई और सदन के सामने हकीकत रखी थी। तब भी सरकार ने कोई रास्ता नहीं निकाला।

केंद्रों की संख्या बढ़ाएं, पंजीयन पोर्टल सुधारें

खरीदी लिमिट को हटाकर केंद्रों की संख्या बढ़ाई जाए। पंजीयन पोर्टल पर भी सुधार करें। एक दिन में एक खातेदार किसान से 25 क्विंटल की खरीदी सीमा को भी हटाया जाए। भुगतान में तेजी लाई जाए।

परेशान हो रहे किसान

नर्मदापुरम जिले की सिवनी मालवा तहसील के चापड़ा ग्रहण निवासी किसान सूरजबली जाट ने 35 हेक्टेयर में मूंग की खेती कर 215 क्विंटल उत्पादन लिया। किसान का कहना है कि इसमें से आधी भी मूंग नहीं खरीदी जा रही है। इतनी मूंग को बारिश में नमी से बचाकर रखना मुश्किल हो गया है। बैराखेड़ी के किसान सुरेंद्र राजपूत का कहना है कि चाहे कितना भी उत्पादन हुआ हो लेकिन मूंग बेचने के लिए पंजीयन कराते समय तय लिमिट से अधिक का पंजीयन ही नहीं हो रहा है। बची मूंग औने-पौने दाम में बेचनी पड़ रही है। भारतीय किसान यूनियन के नेतृत्व में सबसे पहले आवेदन भी दिया था लेकिन कोई हल नहीं निकला।

पुलिस सुरक्षा लेने वाले शर्मा बंधु देंगे 2.88 करोड़ रुपए

ग्वालियर@पत्रिका. महलगांव निवासी दिलीप शर्मा व संजय शर्मा से 2 करोड़ 88 लाख रुपए की वसूली की जाएगी। दिलीप शर्मा से 1 करोड़ 43 लाख 78 हजार रुपए, जबकि संजय शर्मा से 1 करोड़ 45 लाख रुपए वसूल किए जाएंगे। दोनों से अलग-अलग वसूली का जवाब देने के लिए तहसीलदार अनिल राघव ने समय लिया हैं। 15 जुलाई को फिर सुनवाई होगी। दरअसल संजय शर्मा व दिलीप शर्मा ने अपनी सुरक्षा के लिए पुलिस जवान लिए थे। इन जवानों पर जो खर्च हुआ, उसका भुगतान दोनों ने नहीं किया। पुलिस ने खर्च मांगा तो दोनों ने हाईकोर्ट में याचिका लगा दी।

ट्रक पर फायरिंग कर रोका, 103 थैलों में भरा डोडा चूरा जब्त

नीमच@पत्रिका. डोडा चूरा की तस्करी कर रहे एक ट्रक पर केंद्रीय नार्कोटिक्स नीमच के दल ने गोलियां चलाई। इससे ट्रक के टायर फट गए और तस्कर पकड़ में आ गया। टीम ने ट्रक को कुचेरा बाईपास तेलीनाड़ा रोड तहसील मुंडवा जिला नागौर राजस्थान के पास रोका। तलाशी ली तो वाहन में से 2026.790 किग्रा वजन के 103 प्लास्टिक बैग डोडा चूरा जब्त किया गया। इसके पूर्व अधिकारियों ने ट्रक को कुचेरा बायपास पर भी रोका था, लेकिन चालक नहीं रुका। फिर टीम ने 2-3 किमी पीछा का उसे पकड़ा।

छतरपुर के पास भीषण हादसा

दो बाइकों में भिड़ंत के बाद पेट्रोल टैंक में ब्लास्ट, चार जिंदा जले, दो झुलसे

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

छतरपुर. दो बाइकों में आमने-सामने भिड़ंत से पेट्रोल टैंक में ब्लास्ट हो गया। जिससे 4 लोग जिंदा जल गए जबकि 2 लोग झुलस गए। दोनों बाइकों पर छह लोग सवार थे। घटना शहर से लगभग 24 किमी दूर उत्तरप्रदेश के महोबा जिले के श्रीनगर के समीप मंगलवार की दोपहर की है। हादसे में तीन युवकों सहित एक बच्चे की जान चली गई। टक्कर से दूर गिरे दो लोग घायल हैं, जिन्हें महोबा के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी मुताबिक जिले के लवकुशनगर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मुड़ारी और पीरा गांव के रहने वाले 22 वर्षीय ललितेश , राज अहिरवार (8), देवेन्द्र अहिरवार(7) और नेहा अहिरवार(24) एक ही बाइक पर ग्राम मुड़ारी से गढ़ीमलहरा की ओर शादी समारोह में जा रहे थे। ग्राम चितईयां के पास एक बाइक से उनकी भिड़ंत हो गई। दूसरी बाइक में चन्द्रभान पासी ग्राम बरा श्रीनगर और उनके मौसेरे भाई सुनील पासी ग्राम भंडरा थे। टक्कर से दोनों बाइक में आग लग गई, आग की लपटों के साथ जोरदार धमाका हुआ।

बाइक जलकर खाक

आग ने मौसेरे भाई चन्द्रभान और सुनील तो दूसरी बाइक पर बैठे ललितेश और राज को चपेट में ले लिया। चारों ने मौके पर दम तोड़ दिया, जबकि देवेन्द्र और नेहा घायल हो गए। आग पर काबू पाने के लिए फायर ब्रिगेड को बुलाया गया जबतक दोनों बाइक जलकर खाक हो चुकी थी। महोबा एसपी अपर्णा गुप्ता के मुताबिक हादसे की जांच की जा रही है।

दो चार पहिया आमने-सामने भिड़े, दो की मौत, पांच लोग घायल

बड़वानी@पत्रिका. जिला मुख्यालय से करीब 10-12 किमी दूर धार जिले के नर्मदा नगर क्षेत्र में मंगलवार सुबह 8 बजे जीप और वैन की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में वैन चालक सहित दो लोगों की मौत हो गई। वहीं पांच लोग घायल हो गए। घायलों को बड़वानी जिला अस्पताल में भर्ती किया गया हैं। जानकारी के अनुसार, वैन में सवार लोग बड़वानी के ग्राम खेड़ी से उज्जैन जा रहे थे। वहीं जीप में सवार लोग राणापुर से नासिक जा रहे थे।

युग पुरुष एक बार फिर विवाद में घिरा

आश्रम से बालक रहस्यमयी ढंग से गायब, संचालक पर केस दर्ज

इंदौर@पत्रिका. युगपुरुष आश्रम के 6 बच्चों की मौत का मामला अभी जांच में ही उलझा है कि यहां एक बच्चा रहस्यमयी ढंग से गायब हो गया है। आश्रम संचालिका ने सोमवार रात तेजाजी नगर पुलिस को बताया, दिव्यांग बालक का अपहरण हो गया है। सूचना के बाद पुलिस-प्रशासन हरकत में आया और तलाश शुरू कर दी। रात को ही ड्रैगन टॉर्च से आश्रम के आसपास झाड़ियों में तलाश किया। सुबह टीम ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले, लेकिन बालक का पता नहीं लगा।

थाना प्रभारी देवेंद्र मरकाम ने बताया कि सोमवार रात 11.30 बजे आश्रम संचालिका डॉ. अनिता शर्मा ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि अज्ञात बदमाश आश्रम से 16 वर्ष के दिव्यांग बालक को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है।

2 दिन पहले किया शिफ्ट

एसीपी आशीष पटेल ने बताया, 6 जुलाई को युग पुरुष धाम से 131 बच्चों को खंडवा नाका स्थित अखंड परमानंद आश्रम में शिफ्ट किया गया था। संचालिका शुभदा ऑस्कर ने सोमवार शाम दिव्यांग के लापता होने की जानकारी दी। आश्रम में शाम 4 बजे बच्चों की गिनती की गई, तब गुम होने की जानकारी मिली।

कलेक्टर की कार रोक कहा- कीचड़ की समस्या खत्म नहीं हुई तो अगली बार इससे ज्यादा महिलाएं आएंगी

धार@पत्रिका. साहब, खड़ी से ग्राम बांकुरली का ढ़ाई किमी का रास्ता है। जर्जर होने से यहां से निकलना संभव नहीं है। मार्ग पर 30 से 35 किसानों ने अतिक्रमण कर रखा है। इस कारण मार्ग और संकरा हो गया है। इसका सुधार कराया जाए। सुधार नहीं हुआ तो अगली बार इससे ज्यादा महिलाएं आएंगी। जिला पंचायत सभाकक्ष में मंगलवार को जनसुनवाई हुई। ग्राम पंचायत खड़ी की महिलाएं भी पहुंची। महिलाओं ने खड़ी-बांकुरली मार्ग निर्माण को लेकर कलेक्टर प्रियंक मिश्रा की कार रोकी और अपनी समस्याएं बताईं।

कटनी : किशोरी को जंगल ले जाकर किया दुष्कर्म

रेप के आरोपी को जूतों की माला पहनाकर घुमाया

कटनी@पत्रिका. नाबालिग के साथ बलात्कार करने के आरोपी आरोपी सुनील प्यासी को ग्रामीणों ने मंगलवार को दबोच लिया। फिर पुलिस की मौजूदगी में दरिंदे को जूते व चप्पलों की माला पहनाई और थप्पड़ जड़ते हुए जुलूस निकाला। थाना प्रभारी अनूप सिंह ने बताया, आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है, बुधवार को न्यायालय में पेश किया जाएगा। बता दें, 3 जुलाई को माधवनगर थाना क्षेत्र के एक गांव में किशोरी भाई के साथ मवेशी ढूंढ रही थी, तभी रास्ते में सुनील प्यासी उर्फ छोटू (40) किशोरी को जबरदस्ती ट्रैक्टर में बैठाकर जंगल ले गया और बलात्कार करने के बाद धमकी देते हुए भाग आया। 6 जुलाई को परिजन थाने पहुंचे।

ग्वालियर

हाईवे पर तमंचा दिखाकर शिक्षक से लूट

ट्रेंडिंग न्यूज

ग्वालियर. स्कूल से घर लौट रहे शिक्षक की कनपटी पर बदमाशों ने तमंचा रखकर पांच हजार रुपए और सोने की अंगूठी लूट ली। गनप्वाइंट पर लूट लिया। घटना तब हुई, जब सिद्धार्थ नगर (थाटीपुर) निवासी नरेश कुमार सुमन घाटीगांव क्रॉस करके हाईवे पर पहुंचे। तभी बाइक सवार बदमाशों ने पीछा कर उन्हें रोक लिया।

ग्वालियर

खनिज विभाग ने 880 घन मीटर रेत की जब्त

ग्वालियर. खनिज विभाग की टीम ने डबरा अनुविभाग में छापामार कार्रवाई कर दो स्थानों पर अवैध रूप से भंडारित रेत जब्त की। जिला खनिज अधिकारी प्रदीप भूरिया ने बताया, देवगढ़ व जिगिनिया में टीम ने 880 घन मीटर रेत जब्त की है। जिले में अलग-अलग स्थानों पर अभी तक 11 हजार 365 घन मीटर अवैध रेत जब्त कर राजसात की कार्रवाई की गई है।

कटनी

वाहन की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत

कटनी. रीठी थाना क्षेत्र के अंतर्गत पटेहरा बस स्टैंड के पास मंगलवार को एक बाइक को वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे महिला की मौके पर ही मौत हो गई। महिला भांजे के साथ इलाज कराने कटनी आ रही थी। तभी हादसा हुआ। युवक भी बुरी तरह जख्मी हो गया, जिसे राहगीरों ने अस्पताल भिजवाया। महिला की उम्र करीब 50 वर्ष है। हादसे के बाद वाहन चालक फरार हो गया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति : सीबीएसई के करिकुलम में बदलाव, बच्चों के सर्वांगीण विकास पर जोर

नौनिहालों को नई शिक्षा प्रणाली के तहत कराएंगे पढ़ाई

कमल सिंह
patrika.com

रतलाम. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत सीबीएसई की पढ़ाई करने वाले बच्चों के करिकुलम में परिवर्तन किया जा रहा है। इस नीति में नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क (एनसीएफ) 2022 विकसित किया है। भारतीय शिक्षा प्रणाली में बड़े परिवर्तन की शुरुआत है। फाउंडेशन क्लास (तीन से आठ साल तक के बच्चों) के लिए लागू यह सिस्टम धीरे-धीरे 12वीं तक की कक्षाओं में लागू किया जाएगा। सीबीएसई की तरफ से जारी एनसीएफ 2022 मुख्य रूप से समग्र विकास पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य है कि यह बच्चे के शारीरिक, सामाजिक, भावनात्मक और संज्ञानात्मक विकास पर जोर देता है। इसके साथ इसका उद्देश्य ऐसे सर्वांगीण व्यक्तियों का विकास करना है जो 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हों। वहीं बच्चों को पढ़ाने के लिए समावेशी शिक्षा, प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा, मूल्यांकन और आकलन, शिक्षक प्रशिक्षण, सीखने का आनंद जैसे बिंदुओं में भी बदलाव किया गया है।

नई दिशा मिलेगी

एनसीएफ 2022 के ये मुख्य बिंदु आधारभूत कक्षाओं के शैक्षिक ढांचे में सुधार और बच्चों के समग्र विकास की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम हैं। यह नीति भारतीय शिक्षा प्रणाली को एक नई दिशा और गति प्रदान करने के उद्देश्य से बनाई है।

डॉ. श्वेता विंचुरकर, जिला कोआर्डिनेटर, सीबीएसई

इन बिंदुओं पर हुआ बदलाव

पंचकोष अवधारणा

नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क ने बच्चों की शिक्षा के लिए 'पंचकोष' की अवधारणा को बताया है। इसके पांच भाग हैं। शारीरिक विकास, प्राणिक विकास, भावनात्मक और मानसिक विकास, बौद्धिक विकास और आध्यात्मिक विकास (चैतिक विकास) हैं।

विद्या प्रवेश कार्यक्रम

एनसीईआरटी ने कक्षा एक में प्रवेश करने वाले छात्रों के लिए 'विद्या प्रवेश' विकसित किया गया है। विद्या प्रवेश (प्रवेश स्तर की शिक्षा) नैतिक मूल्यों और सांस्कृतिक विविधता को सीखने और भौतिक, सामाजिक और प्राकृतिक वातावरण के साथ सहज होने में सक्षम बनाएगा।

समग्र शिक्षा दृष्टिकोण

नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क (एनसीएफ) 2022 का इस बदलाव का उद्देश्य समग्र शिक्षा को बढ़ावा देना है। इसके माध्यम से फाउंडेशन के विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

खेल और गतिविधियों का समावेश: शैक्षिक गतिविधियों के साथ-साथ खेलकूद और अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों को भी समान महत्व दिया गया है, जिससे बच्चों का संपूर्ण विकास हो सके।

बहुभाषिक शिक्षा: एनसीएफ 2022 में प्राथमिक कक्षाओं में मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा में शिक्षा देने पर जोर दिया गया है, ताकि बच्चों को उनकी प्रारंभिक शिक्षा में भाषा संबंधी बाधाओं का सामना न करना पड़े।

बड़वानी : कृषि विभाग का मामला

पेंशन प्रकरण निपटाने मांगी घूस, रंगे हाथ पकड़ा गया बाबू

बड़वानी@पत्रिका. कृषि विभाग से सेवानिवृत्त अधिकारी से उनके पेंशन प्रकरण की फाइल पूर्ण कर कोषालय में ट्रांसफर करने की एवज में अनुभाग कार्यालय के बाबू ने रिश्वत मांगी। मामला कृषि विभाग कार्यालय का है। अशोक पिता विनायकराय (62) दुबे ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी राजपुर से 30 जून को सेवानिवृत्त हुए थे। उनके ही विभाग में कार्यालय अनुविभागीय कृषि अधिकारी अनुभाग बड़वानी में पदस्थ सहायक ग्रेड-3 सुंदरसिंह बर्मन (43) ने पेंशन प्रकरण निपटाने रिश्वत मांगी। दुबे की शिकायत पर लोकायुक्त टीम ने फरियादी को पांच हजार रुपए प्रथम किस्त के रूप में देने कार्यालय में भेजा। बर्मन ने जैसे ही से दुबे से पांच हजार रुपए लिए लोकायुक्त टीम ने उन्हें धरदबोचा।

21 हजार में सौदा

अशोक दुबे 30 जून को रिटायर होने वाले थे, परंतु सुंदर सिंह बर्मन ने 24 जून को ही 25 हजार की डिमांड रख दी थी। इसके बाद 21 हजार में सौदा तय हुआ। इसके बाद दुबे ने 5 जुलाई को इंदौर लोकायुक्त में शिकायत की।

रिफ्रेश बटन... F5

स्मार्ट स्कॉलर चाइल्ड प्लान से सुरक्षित करें बच्चे का भविष्य

Q. स्मार्ट स्कॉलर चाइल्ड प्लान का लाभ कैसे उठा सकते हैं?

यदि आपके बच्चे की आयु 0 से 17 वर्ष की है तो एसबीआइ स्मार्ट स्कॉलर चाइल्ड प्लान एक बेहतरीन निवेश विकल्प है। आप इस प्लान के तहत सीमित समय के लिए प्रीमियम का भुगतान कर सकते हैं और पॉलिसी के लाभ तब तक चलेंगे जब तक आपका बच्चा वयस्क की उम्र तक नहीं पहुंच जाता। आपके संचित फंड वैल्यू का उपयोग बीमा अवधि के अंत में आपके बच्चे की उच्च शिक्षा, विवाह, वित्तीय सुरक्षा या किसी अन्य चीज के लिए भी किया जा सकता है। पॉलिसी की अवधि 8 से 25 वर्ष तक हो सकती है। पांच साल के बाद जमा राशि को निकाला जा सकता है। आयकर अधिनियम, 1961 के तहत धारा 80 सी और धारा 10 (10D) के तहत कर लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

Q. इस पॉलिसी के तहत कितनी बार पैसा निकाला जा सकता है?

नियमों और शर्तों के अनुसार, यदि आप 10 वर्ष या उससे कम की पॉलिसी अवधि चुनते हैं तो आप प्रति पॉलिसी वर्ष केवल दो बार और कुल मिलाकर पांच बार ही पैसे निकाल सकते हैं। हालांकि, यदि पॉलिसी अवधि 10 वर्ष से अधिक है तो आप पूरी अवधि के दौरान केवल 10 बार ही पैसे निकाल सकते हैं। यदि आपातकालीन स्थिति में आपको पैसों की जरूरत है तो यह योजना आंशिक निकासी का विकल्प प्रदान करती है ताकि आप अप्रत्याशित लागतों को कवर कर सकें। यदि आपने अपने सभी शुरुआती भुगतान समय पर किए हैं, तब आप छठे पॉलिसी वर्ष से इस सुविधा का उपयोग कर सकते हैं।

ट्रैवल टिप्स...

इस तरह से बढ़ाएं अपने सूटकेस का स्पेस

क हीं बाहर घूमने जा रहे हैं तो बैग पैक करना सबसे महत्त्वपूर्ण काम है। यदि बैग में ठीक तरह से कपड़े और अन्य सामानों को व्यवस्थित नहीं किया जाए तो अनावश्यक लगेज बढ़ जाता है। आइए जानते हैं सूटकेस का ज्यादा-ज्यादा स्पेस कैसे काम ले सकते हैं।

1 कपड़ों को तह लगाकर रखने के बजाय उन्हें रोल करें। इस तकनीक से कपड़ों को रखने पर कम स्पेस में भी ज्यादा कपड़े रख सकते हैं साथ ही कपड़ों पर रिंकल्स भी नहीं पड़ेंगे।

2 पैकिंग के दौरान बैग में छोटी-छोटी जगह का स्पेस बन जाता है। इस स्पेस का भी पूरा उपयोग करें। यहां आप मोजे, चार्जिंग केबल या अन्य छोटे-छोटे सामानों को सेट कर सकती हैं।

3 ऊपर की तरफ उन कपड़ों को रखें, जिनका उपयोग आप सबसे पहले करने वाले हों। इससे पूरा बैग अस्त-व्यस्त नहीं होगा। घूमने पर जाने के लिए बैग पैक करने की तैयारी भी 15-20 दिन पहले ही कर देनी चाहिए, ताकि अंतिम समय में आपको परेशानी न हो और कोई जरूरी सामान भी न छूटे।

4 शैम्पू, कंडीशनर या क्रीम की छोटी बोतल का उपयोग करें, आप एक बार यूज करने वाले पाउच का उपयोग भी कर सकती हैं। इसी तरह ऐसे शूज को पैक करें, जिनका सभी तरह के आउटफिट के साथ प्रयोग किया जा सकता है। दरअसल फुटवेयर न केवल ज्यादा जगह घेरते हैं, बल्कि हवाई यात्रा में सामान के पैमाने पर भी काफी वजन डालते हैं।

काम की बात...

दो घंटे के अंदर भोजन को फ्रिज में रखना जरूरी

य दि खाना बच गया हो, टेक अवे हो या अभी-अभी खरीदा हो, रोगाणुओं को फैलने से रोकने के लिए दो घंटे के भीतर भोजन को कमरे के तापमान पर ठंडा करके फ्रिज में रखना महत्त्वपूर्ण है। यदि आप भोजन को थोड़ा जल्दी ठंडा करना चाहते हैं तो आप इसे ठंडे पानी के कैसरोल में रख सकते हैं। लेकिन यह ध्यान रखें कि भोजन पूरी तरह ढका हुआ हो ताकि अतिरिक्त गर्मी जल वाष्प के रूप में आसानी से बाहर निकल सके। जब भोजन ठंडा हो जाए तो फ्रिज में एयरटाइट कंटेनर में रख सकते हैं। गर्म खाद्य पदार्थों को सीधे फ्रिज में रखने से बचना चाहिए क्योंकि इससे फ्रिज का तापमान बढ़ जाएगा। दरअसल, बढ़ा हुआ तापमान और संघनन सूक्ष्मजीवों को फैलने के लिए अच्छी स्थिति प्रदान करता है। इसलिए भोजन को फ्रिज में रखने के लिए तब तक इंतजार करें, जब वह कमरे के तापमान पर ठंडा न हो जाए। फ्रिज में भोजन को स्टोर करते समय उसे कवर करें या ढके हुए कंटेनर में रखें।

उधार की ड्रीम वेडिंग!

प्रीति राठी गुप्ता
एंटरप्रेन्योर

सोशल मीडिया हमारे दैनिक जीवन का एक हिस्सा बन गया है, जो हमें लोगों से जुड़ने और अपनी खुशियां बांटने का मंच उपलब्ध करवाता है। लेकिन क्या आपने कभी विचार किया कि यह मंच धीरे-धीरे सामाजिक संपर्क से कहीं आगे निकल गया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रदर्शित महत्त्वाकांक्षी जीवनशैली हमारी जेब पर बहुत भारी पड़ रही है। बाद में भुगतान करें जैसी योजनाओं और क्रेडिट कार्ड विकल्पों द्वारा सुगम ऑनलाइन शॉपिंग ने इस समस्या को और बढ़ा दिया है, इसके चलते कई लोग कर्ज में डूब रहे हैं। सोशल मीडिया ने ऐसा ही एक नया बजट बढ़ा दिया है और वह है शादी का बजट। देखा-देखी में शादी के अनावश्यक खर्चों को पूरा करने के लिए वेडिंग लोन का भार बढ़ने लगा है।

इच्छाओं को नहीं, जरूरतों को प्राथमिकता दें

खर्चा चाहे शादी-ब्याह का हो या फिर मासिक घरेलू खर्च, दोनों ही मामलों में आपको अपनी इच्छाओं से अधिक आवश्यकताओं को प्राथमिकता देना होगा। वित्तीय लक्ष्य निर्धारित कर बजट तैयार करें। वित्तीय शिक्षा ऐप्स और एलएक्सएमई जैसे ग्रुप्स को फॉलो करके वित्त के गणित को समझ सकते हैं। इससे खर्चों का मूल्यांकन करने में भी मदद मिलेगी।

शादी के पहले की रस्मों में दिखने लगी भव्यता

बेशक, हमारे देश में शादियां किसी भव्य कार्यक्रम से कम नहीं है, परंपराओं और सांस्कृतिक महत्त्व का प्रतीक हैं। पिछले कुछ वर्षों में हल्दी-मेहंदी जैसी विवाह पूर्व की रस्मों सहित विवाह समारोह का पैमाना और भव्यता तेजी से बढ़ने लगा है।

शा दी हर व्यक्ति के जीवन का सबसे बड़ा दिन होता है और इस दिन को लेकर लड़के-लड़की के साथ ही माता-पिता के भी बहुत से सपने और ख्वाहिशें होती हैं। **अब सोशल मीडिया पर दिखाई दे रही *ड्रीम वेडिंग की चाह में बढ़ते खर्चों को पूरा करने के लिए कई लोग शादी के लिए लोन लेते हैं, जो शादी के बाद उनकी खुशियों की सुखद यादों को तनाव और आर्थिक परेशानियों में बदल देता है...***

खुशियों और पैसों पर न लगे ग्रहण!

***क्या** आप जानते हैं देश में करीब 80 फीसदी शादियां लोन से फंडेड होती हैं और यह आपकी खुशी और पैसे, दोनों के लिए बहुत बुरी चीज है। जानते हैं क्यों?*

ब्याज दर हाई होती है

लोग भारी ब्याज दर पर मोटा ऋण ले रहे हैं, भले ही उनकी जीवनशैली उस पर निर्भर न हो। वे जरा भी यह विचार नहीं कर रहे कि बड़े कर्ज को उतारने के लिए ईएमआइ भी ज्यादा देनी होगी। और कितने समय में इसे पूरा करना चाहिए, यह भी नहीं सोचते।

...स्टेंडर्ड सेट करें

दूसरे लोगों को देखकर अपनी जीवनशैली सेट न करें। आपके ऑफिस, सोसाइटी के लोग आपको भव्य शादी के लिए प्रेरित करते हैं, जिससे न चाहते हुए भी आप पर ऋण का बोझ बढ़ जाता है।

बदलनी होगी ड्रीम वेडिंग की परिभाषा

5 दिन की डेस्टनेशन वेडिंग, सेलेब फैशन डिजाइनर का डिजाइनर वेडिंग लहंगा, स्टाइलिश फोटोशूट आदि क्या आपकी नजर में ड्रीम वेडिंग की यही परिभाषा है? शादी का बजट बनाते समय एक बार इस पर विचार अवश्य करें।

कम खर्च में ड्रीम वेडिंग

***यदि** आप प्लानिंग से शादी का बजट बनाएंगे तो बहुत कम खर्च में ड्रीम वेडिंग का सपना पूरा कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले एक कागज पर लिखें कि आप अधिकतम कितना खर्च कर सकते हैं। इसके बाद खर्च को कम करने के विकल्प पर विचार करें, जैसे डिजाइनर लहंगा सिलवाने की बजाय रेंट पर ले सकते हैं। रेंट पर वेडिंग प्लानर की सुविधा ले सकते हैं। मेहंदी-हल्दी के कार्यक्रम का जश्न करीबों लोगों के साथ ही मना सकते हैं।*

खर्चों पर लगाम लगाने के लिए बनाएं प्लान

***दिन-ब-दिन** शादी का खर्च बढ़ता जा रहा है। ऐसा न हो कि शादी के बाद कर्ज चुकाने की चिंता में आपकी नींद ही उड़ जाए। इससे बचने के लिए इस योजना से आगे बढ़ें-*

परिवार के सदस्यों से बात करें: **शादी** के बजट और फाइनेंस लिमिट को लेकर आप स्पष्ट रूप से परिवार के सदस्यों से बात करें। इस तरह जब आपकी फाइनेंशियल स्थिति स्पष्ट होगी तो अनावश्यक खर्चों में कटौती की जा सकती है।

बचत की शुरुआत जल्द हो: **शादी** के खर्चे के लिए जितना जल्दी संभव हो, तभी से बचत करना शुरू कर दें। वेडिंग फंड के नाम से मासिक सैलरी का नियमित कुछ हिस्सा अलग से सेव करना शुरू कर दें।

खर्चों की प्राथमिकता तय करें: **शादी** में फोकस वास्तविक खर्चों पर होना चाहिए, जैसे भोजन की क्वालिटी में समझौता नहीं होना चाहिए, भले ही डेकोरेशन का खर्च कम हो जाए।

खर्चा प्रभावित करने वाले विकल्प पर विचार करें: **कोशिश** करें कि आउटफिट और ज्वेलरी रेंट पर ले लें। नेचुरल फूलों के बजाए डेकोरेशन के लिए इंई विकल्पों का चयन करें। लोकल वेंडर कम कीमत में बेहतर सुविधाएं दे देते हैं।

बचत के लिए ये हो सकते हैं बेहतर विकल्प

म्यूचुअल फंड्स

1 एसआइपी यानी सिस्टेमेटिक इंवेस्टमेंट प्लांस में नियमित रूप से छोटी मात्रा में निवेश करने से समय के साथ बड़ा फंड जोड़ सकते हैं। म्यूचुअल फंड्स में एकमुश्त निवेश करने का भी विचार कर सकते हैं। यदि आपकी अच्छी सेविंग जमा हो गई है तो उसे लंबे समय के लिए एकमुश्त निवेश करें।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड

2 सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश करना सोने में निवेश करने का एक शानदार तरीका है। आरबीआइ की ओर से जारी एसजीबी सोने की कीमतों में बढ़ोतरी के साथ ब्याज आय भी प्रदान करते हैं। आप जीएसटी और मेकिंग चार्ज जैसी लागतों से बच सकते हैं।

अन्य विकल्प

3 लंबी अवधि के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए अपने निवेश का एक हिस्सा इक्विटी फंड के रूप में भी बचत कर सकते हैं। डेब्ट फंड भी बेहतर विकल्प हैं। इसी तरह सोने के म्यूचुअल फंड पर भी विचार का सकते हैं।

परिवार पकौड़ा @ हॉट टॉपिक

खेल-रुचि को समय दें

*पिछले सप्ताह का सवाल था कि **छुट्टियों के बाद बच्चों की दिनचर्या को कैसे व्यवस्थित किया जाए?** अधिकतर पाठकों का कहना है कि पढ़ाई के साथ बच्चे की हॉबी, खेल को भी समय-सारणी में शामिल किया जाना चाहिए।*

दिनचर्या को निर्धारित करें

अपने सभी कार्यों की समय सारणी बनाएं। एक निश्चित दिनचर्या निर्धारित करें और उसका पालन करें। सोने और जागने का निश्चित समय तय करें। स्कूल की आवश्यक वस्तुओं को व्यवस्थित करें।

नैना जैन, अजमेर

रुचि के लिए पर्याप्त समय दें

समय सारणी बनाकर बच्चों को सभी एक्टिविटी के लिए समय दिया जाए। पढ़ाई के साथ-साथ खेल एवं उनके रुचि के विषय को भी समय सारणी में अगर पर्याप्त समय दिया जाएगा, तो दिनचर्या व्यवस्थित होगी।

उमाकांत शर्मा, डग, झालावाड़

रोजाना कार्यों की जांच करें

बच्चों की प्रतिदिन की दिनचर्या होनी चाहिए, जिसे एक डायरी में लिखें। शाम को डिनर से पहले दिनभर के कार्यों की जांच करें। फिर सोने से पहले अगले दिन की जरूरत के अनुसार दिनचर्या बना लें।

बी.एल.भंसाली, जयपुर

*परिवार पकौड़ा का इस हफ्ते का सवाल है। **आपकी नजर में परंपरा और रीति-रिवाजों को लेकर कितनी सजग है नई पीढ़ी?** अपनी राय हमें 9057531688 नंबर पर अपने फोटोग्राफ के साथ साझा करें।*

पॉजिटिव एंगल...

शौक को जिंदा करें और जीवन में भर दें खुशियों के रंग

स्कूल के दिनों में हम कई तरह की नई-नई एक्टिविटी से जुड़ते हैं, कुछ एक्टिविटी ऐसी होती हैं, जिन्हें करने में हमें सबसे ज्यादा आनंद आता है लेकिन उम्र बढ़ने के साथ पढ़ाई और कॅरियर की चिंता में हम अपनी रुचि को समय देना भूल जाते हैं। वयस्क होते-होते तो यह स्थिति आ जाती है कि हमें पता ही नहीं होता कि किन चीजों से हमें आंतरिक खुशी मिलती हैं। लेकिन बहुत सारे शोध से यह सामने आ चुका है कि दिन में थोड़ा समय भी अपनी रुचि को दिया जाए तो संज्ञानात्मक एवं मानसिक स्वास्थ्य लाभ मिलेंगे। जानते हैं अपनी हॉबी को कैसे पहचान सकते हैं।

जिस काम में आनंद आता है, उस पर ध्यान दें

निराश न हों, कुछ नया करें

यदि आप अपने शौक को नहीं समझ पा रहे हैं तो निराश न हों। नई चीजों को आजमाने का प्रयास करें। जब आप सीख रहे हों तो विफल होने के लिए भी तैयार रहें। एक नया शौक आपको घर, परिवार और कॅरियर में आगे बढ़ने में मदद करेगा। विशेषज्ञों का कहना है कि कुछ भी नया आजमाने के लिए आपकी मानसिकता ठीक उसी तरह से होनी चाहिए, जैसे कपड़ों को ट्राई करने के बाद ही खरीदते हैं। यह सोचें कि आपकी प्रगति पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

अपने भीतर छिपे बचपन को बाहर निकालें

एक बार फिर से उन सभी चीजों को वापस से दोहराते हैं, जिनसे आपका बचपन में पहली बार परिचय हुआ था। जैसे आपको आर्ट पसंद है लेकिन आपने ऐसा कॅरियर चुना है जिसमें रचनात्मकता नहीं है तो उस हॉबी का चुनाव करें, जो आपके भीतर छिपे बचपन को बाहर निकाल सके। एक्सपर्ट का कहना है कि व्यस्तता के चलते हम कई बार उस शौक को छोड़ देते हैं, जिनका आनंद हम बचपन में लेते थे। लेकिन वे स्मृति में रचे-बसे होते हैं।

करीबी लोगों से पूछें

यदि आप यह समझ नहीं पा रहे कि आपका शौक क्या है तो दोस्तों और परिवारजनों से पूछें कि उन्होंने आपके बारे में क्या देखा है। खुद का विश्लेषण करना या खुद को दूसरे लोगों की तरह देखना अक्सर कठिन होता है। माना आपके दोस्त आपको मजाकिया समझते हैं लेकिन हो सकता है कि आपको नहीं लगता हो। ऐसे में वे आपको सही सुझाव दे सकते हैं। असल में कई बार हम अपनी आंतरिक विशेषताओं को कम महत्त्व देते हैं, ऐसे में अपने सही सलाह देते हैं।

इनसे मिलेगी मदद

- **उन** एक्टिविटी के बारे में विचार करें, जो चिंताओं से आपका ध्यान हटाती हों।
- **ऑनलाइन** किन चीजों में आपकी रुचि बढ़ रही है।
- **ऐसी** एक्टिविटी को चुनें, जो आपको प्रोडक्टिव महसूस करवाती हैं।
- **आउट** ऑफ बॉक्स थिंकिंग पर अवश्य विचार करें।
- **अपने** परोपकारी पक्ष का प्रसार करने पर विचार करें।

शॉर्ट रीड **68%** *लोगों को आ रहे हैं डरावने सपने सोशल मीडिया के इस्तेमाल से (बीएमसी साइकोलॉजी में प्रकाशित स्टडी)*

इन्द्रियों के संयम अथवा निग्रह से स्वभाव को और भावभूमि की दृढ़ता से व्यवहार को बदला जा सकता है। इन बदलावों के लिए व्यक्ति को स्वयं उपक्रम करना होता है, समय साध्य तप करना पड़ता है।

सन्तान का परिष्कार

गुलाब कोठारी
प्रधान संपादक
पत्रिका समूह
@patrika.com

शरीर की वृद्धि, स्थिरता और क्षरण रूप परिवर्तन भी अन्न पर टिका है। इन्द्रियों के संयम अथवा निग्रह से स्वभाव को और भावभूमि की दृढ़ता से व्यवहार को बदला जा सकता है।

स्कूल खुल गए, बालक इस बार चौथी कक्षा में पहुंच गया है। सप्ताह भर भी नहीं हुआ कि स्कूल से उसकी शिकायतें आने लगीं- पिछले सत्र की ही तरह। वही उलाहना कि बालक अन्य बच्चों को परेशान करता है, झगड़ता है, टीचर्स का कहना नहीं मानता। सहपाठियों की चीजें तहस-नहस कर डालता है। रोकने पर उग्र हो उठता है, मारपीट करने पर उतारू हो जाता है। उसका ऐसा व्यवहार पिछली कक्षा में भी था। घर पर भी उसे सम्भालना मुश्किल होता। अभी ग्रीष्मावकाश में भी परिचितों-रिश्तेदारों के यहां जाना उसी के कारण नहीं हो पाया। डर रहता है कि दूसरों के घर में भी बालक ने इसी भांति उठा-पटक की तो शर्मिन्दा होना पड़ेगा। उसकी इन हरकतों को जानने वाले मित्र परिवार भी अपने बच्चों के साथ इनके यहां आने से कतराने लगे। उसके व्यवहार में भी उग्रता बढ़ती ही जा रही थी, अब तो हिंसक भी होने लगा।

इस एकल परिवार में माता-पिता अपने लाड़ले की नित नई शिकायतें सुनकर परेशान हो गए। डांट-डपट और समझाने का कोई असर नहीं, उलझन बढ़ती ही जा रही थी। परिचितों के सुझाव पर 'साइकोलॉजिस्ट' से 'काउंसलिंग' कराने की सोचने लगे। उच्च शिक्षा प्राप्त माता मोबाइल पर इंटरनेट के सहारे ऐसे ही उपायों की खोज में जुटी रहती। मामला सुलझ नहीं पा रहा था। अक्सर सुनना पड़ता कि इसे कैसे संस्कार दिए हैं।

वस्तुतः व्यवहार ही व्यक्ति की पहचान होता है। बाहर दिखने वाले व्यवहार का मूल भीतर होता है। जन्मजात होता है। यह जन्म हमारे पिछले कर्मों का परिणाम है। फल भोगने के लिए यह योनि, यह शरीर मिला है। अच्छे अथवा बुरे व्यवहार का आधार स्वभाव होता है। शरीर तो इसकी अभिव्यक्ति का माध्यम है।

शरीर, स्वभाव और व्यवहार एकरूप होते हैं, इनका निर्धारण पूर्व कर्मों के आधार पर होता है। ये ही आकृति, प्रकृति, अहंकृति कहलाते हैं। तीनों अविनाभाव हैं, इन्हें अलग-अलग नहीं किया जा सकता। एक के बदलने पर अन्य दोनों में भी परिवर्तन स्वतः हो जाता है। आकृति यानी शरीर अन्न से बनता है। स्थूल है। प्रकृति गुणों से परिलक्षित होती है। ये सत्त्व, रजस, तमस् गुण सूक्ष्म शरीर से जुड़े हैं। अहंकृति कारण शरीर का धरातल है। शरीराकृति अन्न से बदल सकती है। आहार-व्यायाम से ऐसा परिवर्तन पहलवानों में दिखता है। इनके स्वभाव और व्यवहार में भी बदलाव दृष्टिगोचर होता है। शरीर की वृद्धि, स्थिरता और क्षरण रूप परिवर्तन भी अन्न पर टिका है। इन्द्रियों के संयम अथवा निग्रह से स्वभाव को और भावभूमि की दृढ़ता से व्यवहार को बदला जा सकता है। इन बदलावों के लिए व्यक्ति को स्वयं उपक्रम करना होता है, समय साध्य तप करना पड़ता है। आयु की अवधि इस बीच निकलती जाती है।

इस शरीर का निर्माण माता-पिता के शरीर से होता है। शरीर आत्मा का वाहन है, आत्मा का निर्माण माता-पिता नहीं करते। आत्मा का आधा भाग ईश्वर का और आधा भाग जीव द्वारा निर्मित होता है। यह ईश्वर अंश जीव के कार्यों का साक्षी रहता है। जीव के कर्मों के अनुसार भावी योनियों का यह निर्धारण करता है। विषय-भोग रोगादि कर्म फल भोगने वाला यह शरीर उसकी अभिव्यक्ति है। गुण-वर्ण-पूर्व कर्मों से बने ऋणानुबन्ध के आधार पर वह इस शरीर में जन्म लेता है। आज अधिकांशतः माता यह नहीं जान पाती है कि किस प्रकार के जीवात्मा ने गर्भ में प्रवेश किया है। माता गर्भ में ही उसे संस्कारित कर सकती है। अन्यथा यदि कोई हिंसक पशु का आत्मा गर्भ में आया है तो जन्म के उपरान्त उसके जीवन में उन्हीं पशुभावों का स्वरूप अभिव्यक्त होगा।

संस्कार का अर्थ है परिष्कार, शोधन। शुद्धिकरण भी कहते हैं। स्वर्ण का शोधन करने के लिए उसे तपा कर गलाया जाता है, नौसादर-शोरा आदि पदार्थों से भावित करने पर मैल रूप दोष का निवारण होता है। गर्भावस्था के दौरान भी गर्भाधान आदि संस्कार किए जाते हैं। बीज एवं धरती के मैल दूर होते हैं। माता-पिता की भी जीवनचर्या में बदलाव होते हैं। जीवात्मा पूर्व शरीर त्याग कर जब दूसरे शरीर में जन्म लेता है तो पूर्व कर्मों के परिणाम साथ आते हैं। ये अच्छे-बुरे प्रभाव जन्मोपरान्त समय पाकर प्रकट होते हैं। संस्कार-कर्म का उद्देश्य इन्हीं प्रभावों का शोधन करना होता है।

जीवन में सोलह संस्कारों का विधान है। यह विधि-विधान संस्कार का बाह्य रूप भी है। गर्भावस्था में माता गर्भस्थ के स्वरूप को समझकर उससे संवाद स्थापित करती है, उसे मानव के अनुरूप संस्कारित करती है। लोरियों, कथाओं के माध्यम से श्रेष्ठ रूप में घड़ती है। गर्भस्थ सन्तान के लिए माता का यह अनुष्ठान पशुभाव का शोधन है। माता इससे न केवल सन्तान के कल्याण का मार्ग प्रतिष्ठित करती है बल्कि समाज के लिए भी एक उत्कृष्ट मानव प्रस्तुत करती है। मां की इसी पाठशाला में तैयार हुई सन्तान श्रेष्ठ मानव भी प्रमाणित होती है।

gulabkothari@epatrika.com

काव्यांजलि...

प्रकृति का शृंगार करें

बाबू खान शेख

वायु में है व्याप्त प्रदूषण,
सांसें लेना मुहाल है!
पानी है फ्लोराइड मिश्रित,
यह तो बुरा ही हाल है!!

पेड़ों की कटाई करके,
धरती को वीरान किया!
बेतरतीब बस्तियां बसा कर
जीना भी हराम किया!!

जिस मिट्टी पर जन्मा जाया,
खेलकूद कर बड़ा हुआ !
उसी मिट्टी का क्षरण करने को
मानुष तू क्यों अड़ा हुआ!!

यहीं है जीना, यहीं है मरना,
यही हमारी माता है।
इसी मिट्टी के हम सब बेटे,
इससे अटूट नाता है!!

जहां जगह हो, पेड़ लगा कर
प्रकृति का शृंगार करें!
बाड़ लगाएं, जल से सींचें,
ढंग से सार-संवार करें!!

धरा संवारो, इसे सजाओ,
इसके सौ सौ जतन करो!
इसने सबको खूब दिया है,
इसे भेंट नव रतन करो!!

अगर इसे संवारोगे तो यह
सब सवालों के हल देगी!
इसे संवार कर फिर देखो,
कल ये ही मीठे फल देगी!!

हर तरफ होगी हरियाली,
तभी तो बारिश आएगी!
खेतों में पनपेंगी फसलें,
घर घर रौनक छाएगी!!

मूक परिन्दे और जानवर भी
सभी आनन्दित होंगे!
आप-हम, सब लोग निवासी,
तीज त्योहार मुदित होंगे!!

पेड़ों पर लगेंगे झूले,
मेलों का आयोजन होगा!
सश्रम-सक्रिय भागीदारी से
सबका प्रफुल्लित मन होगा!!

इस पुनीत काम में हाथ बंटाने
मिल कर आगे आएं हम!
मातृ भूमि की सेवा कर, तनिक
अपना भी ऋण चुकाएं हम!!

दिल में उपजे अहसास,
शेख ने, कागज पर उकेरा है!
नेक काम में कैसी देरी,
जब जागो तब सवेरा है!!

कहानी...

कुछ दिन बाद मि. शर्मा का फोन आया। वो बताने लगे आप लोगों के कहने से मैं यहां अपने बेटे के आ गया हूं और वो मेरा घर अब सूना नहीं रहेगा, वेल फर्निश्ड मकान को मैंने वृद्धाश्रम, नहीं रिटायरमेंट होम के नाम से दे दिया है!

अतीत का मोह

शैलजा विजयवर्गीय

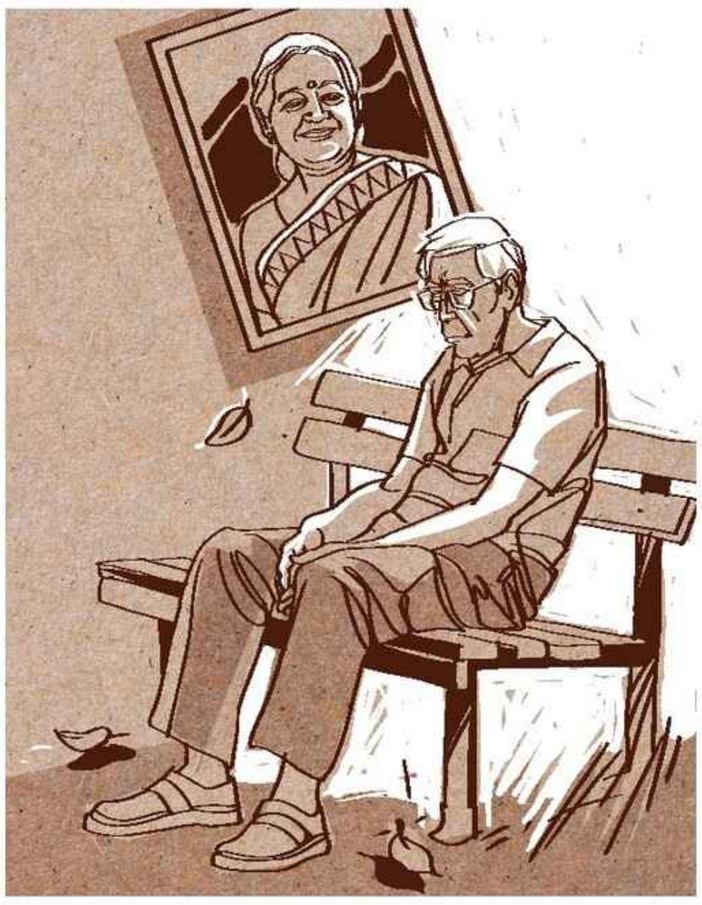

शर्मा जी का 75वां बर्थडे करीब था। उनके बच्चों ने इस जन्मदिवस को बहुत धूमधाम से मनाने का प्लान किया। इसी वजह से शर्मा दंपती 7 दिन पहले ही अपने सबसे छोटे बेटे के यहां जाने की तैयारी करने लगे। लेकिन होनी को कौन टाल सकता है। इस हंसते खेलते परिवार को किसी की नजर लग गई और अकस्मात मिसेज शर्मा सभी को छोड़ सदा के लिए चली गईं। इतने बड़े वज्रपात ने सभी को हिला दिया। अब तक शर्मा दंपती हंसी-खुशी, स्वस्थ रहते हुए अपना जीवन व्यतीत कर रहे थे पर यह अचानक.... शर्मा साहब तो कभी भी श्रीमती शर्मा से एक पल भी दूर नहीं रहे। ऐसे में परिवार के साथ, हम मित्रगण भी बहुत गमगीन हो गए और उनके बच्चों को बुलाकर समझाया, अब तुम्हारे पापा यहां अकेले नहीं रह सकते, इन्हें अपने साथ ही ले जाओ। तब बच्चों ने बोला, पापा को यहां अकेले छोड़ने का प्रश्न ही नहीं।

तब शर्मा साहब बहुत ही दुखी मन से बच्चों से बोले, अब तो मैं अकेला तुम्हारी मां की याद में ही यहीं जी लूंगा! तिनका तिनका जोड़कर घर बनाया है, कण -कण से अतीत जुड़ा हुआ है! भले ही अकेले रह लूंगा, पर इन यादों को छोड़कर कहीं नहीं जा सकता! मैं भी चला गया, तो ये घर कितना सूना हो जाएगा! लेकिन बड़ी मुश्किल से बच्चों ने अपने पापा को चलने को मना ही लिया। हमने देखा कहीं भी वह ज्यादा दिन बच्चों के पास टिक कर नहीं रहे! किसी भी बहाने से बस अपने घर आने की जिद में ही लगे रहते। बच्चे भी उनकी जिद के आगे, उन्हें कुछ दिन यहां आने देते। इस तरह आने जाने का क्रम चलता रहा! लेकिन फोन से बात कर उनकी आवाज में अकेलेपन का दर्द बच्चे भांप ही लेते थे।

मिस्टर शर्मा तो श्रीमती शर्मा के हाथ का स्वादिष्ट और पौष्टिक भोजन खाने के आदी थे। इन्होंने तो आज तक तेल का स्वाद भी नहीं चखा था। इनकी हर चीज घी की बनी हुई होती थी। अब बड़ी मुश्किल से मैस का टिफिन खाने को मजबूर थे। सुबह की रोटी शाम को और कई बार सिर्फ दलिया खिचड़ी, जो उन्हें बिल्कुल पसंद नहीं थी।

सच बहुत सारे विचार हम जैसे बुजुर्गों के लिए, प्रश्न चिह्न ही हैं, कैसे ऐसी स्थिति से, सामंजस्य बैठाएं। अकेले घर में रहना भी मुश्किल और घर छोड़ या बेच कर जाना भी नामुमकिन !

पता नहीं, कब कैसी परिस्थिति आ जाए! भले ही परंपरागत विचार हो, पर कटु सत्य भी! इसी दौर से मिस्टर शर्मा भी निकल रहे थे। बच्चे भी कई बार उलाहना के शिकार होने लगे थे, क्यों अपने पापा को अकेले छोड़ रखा है। इसी वजह से बच्चे भी हम मित्रगण को पापा को समझाने को बोलते रहते थे !

हम भी बच्चों की भावनाओं को समझकर अक्सर उनके यहां आते जाते यही बात करते थे कि हर माता-पिता अपने बच्चों की खुशी में अपनी हर खुशी की कुर्बानी करते आए हैं, तो उम्र के इस पड़ाव में आप क्यों नहीं! आप तो इतने प्रैक्टिकल हैं, क्या आपके अकेलेपन से बच्चे खुश हैं, माना कि भाभी जी की यादें, बच्चों का अतीत, सभी कुछ इसी घर में बसा है। आपके दिल से उनकी यादों को कोई निकाल नहीं सकता।

हम भी जानते हैं अपनों की यादों का कोई विकल्प भी नहीं होता! आप तो जहां रहेंगे, वहां उनकी यादें आपके साथ ही रहेंगी। क्यों यहां रहकर स्वयं को और परिवार को दुखी करते हो! बच्चों की मजबूरी है, उनकी नौकरी है, कैसे वो सब छोड़कर यहां आ सकते हैं। शर्मा जी स्वयं ऑफिसर के पद से रिटायर हुए हैं। वो सब जानते हैं, लेकिन बहुत भावुक इंसान होने की वजह से इन्हें बच्चों की तरह समझाना पड़ रहा था। मिस्टर शर्मा मूल से सूद अधिक प्यारा होता है, अब अतीत को छोड़ वर्तमान में ही जीना होगा और इस दौर में तुम्हारे अनुभव पोते पोतियों की परवरिश में मददगार ही होंगे। इस तरह की चर्चा हम मित्रगण अक्सर किया करते कि कभी तो हमारा यह मित्र शर्मा अपनी यादों से बाहर निकलेगा। इसके कुछ दिन बाद ही हमें पता चला मिस्टर शर्मा अपने बेटे के साथ चले गए हैं।

कुछ दिन बाद मि. शर्मा का फोन आया। वो बताने लगे आप लोगों के कहने से मैं यहां अपने बेटे के आ गया हूं और वो मेरा घर अब सूना नहीं रहेगा, वेल फर्निश्ड मकान को मैंने वृद्धाश्रम, नहीं रिटायरमेंट होम के नाम से दे दिया है! और यहां आकर मैं बहुत ही बिजी भी हो गया हूं।

अरे वाह.. किसमें बिजी हो गया है, हमने बड़ी उत्सुकता से पूछा.. तब मि. शर्मा ने बड़ी गर्म जोशी से कहा, मैं युवा पीढ़ी को मूल्य आधारित शिक्षा प्रदान करने लगा हूं! उनके खाली वक्त में शहर के अलग-अलग हॉस्टल्स में जाकर सेशन लेने लगा हूं, क्योंकि पढ़ाई कोचिंग के कारण आजकल के टीनएजर्स, जो अपने माता-पिता से दूर हैं, उनको सही गाइडेंस की बहुत आवश्यकता है! पढ़ाई के साथ-साथ उन्हें अपने धर्म और शास्त्र का ज्ञान, इसके अलावा सामाजिक ज्ञान, योगा, प्राणायाम भी तो जरूरी है! जिससे टीनएजर्स अपने वर्तमान के साथ भविष्य को भी संवार सकें। आज के दौर में यह आम बात हो रही है।

प्रतिस्पर्धा इस कदर बच्चों के मन मस्तिष्क में छाई हुई है कि कब कौन, किसी प्रतियोगिता की दौड़ में पीछे रह जाए और डिप्रेशन का शिकार हो जाए और गलत कदम उठा ले। उन्हें सही मार्गदर्शन की बहुत जरूरत है।

इस तरह काफी देर तक फोन पर हमारी बातचीत चलती रही। वो धारा प्रवाह बोलते रहे। हम मन ही मन बहुत खुश थे, क्योंकि आज मिस्टर शर्मा की आवाज में बहुत दम था ! लगा, अब मि. शर्मा को फिर से अतीत में नहीं वर्तमान में जीने की चाह ने तरोताजा कर दिया है। मि. शर्मा के लिए नई किरण नया सवेरा लेकर आई है।

यह तो हम जैसे बुजुर्गों के लिए एक मिसाल बन गया है। और एक और खुशखबरी, उनके छोटे बेटे ने नए घर में अपने पापा के नाम की नेम प्लेट लगाई है। और हम सभी मित्रगण को भी सेलिब्रेशन के लिए इनवाइट किया है।

दिल से...

उल्टा पड़ा बहाना

बात गर्मियों की छुट्टियों की है। मां और भाभी खाना बना रही थीं। हमें पता था कि अब मां हमें टिफिन लेकर दुकान पर भेजेंगी। मैं, अनु और नरेश तीनों भाई-बहन दुकान कौन जाएगा इस बात पर चर्चा कर रहे थे। बड़े भैया यानी सुरेश भैया की राशन की दुकान थी।

मैं और अनु यदि टिफिन लेकर जाते तो हमें दुकान से मनचाही टॉफी, बिस्किट और नमकीन मिला करती। अगर नरेश टिफिन लेकर जाता तो उसे भैया की दी हुई किसी भी टॉफी से संतोष करना पड़ता। उस दिन भी मैं और अनु टिफिन लेकर जाने की तैयारी कर रहे थे कि सुरेश भैया खाना खाने घर ही आ गए।

उन्हें घर आया देखकर तीनों भाई बहनों की उम्मीदों पर पानी फिर गया। हम प्याज, टमाटर और नींबू डालकर नमकीन खाने के मंसूबे बांध चुके थे। अपनी दुकान से नमकीन नहीं तो क्या पड़ोस की दुकान से ही सही। अब नमकीन के लिए पैसों का इंतजाम करने के लिए नरेश ने सिर दर्द का बहाना बनाया।

हमने नरेश के सिर दर्द की गोली के लिए सुरेश भैया से पच्चीस पैसे मांगे। हमें पता था कि सुरेश भैया एक रुपए से कम नहीं देंगे। लेकिन यह सुनते ही सुरेश भैया ने सिर दर्द की गोली निकाली और नरेश को पानी का जग देकर गोली खाने को कहा। आज भी यह बात याद करते हुए हमारी हंसी छूट जाती है।

-सुनीता बिश्नोलिया

अपने अनुभव साझा करें
हमारे साथ बांटिए रोचक अनुभव और प्रेरक प्रसंग। चयनित अनुभव को प्रकाशित किया जाएगा। आपकी रोचक याद या आपसे जुड़ा प्रेरक प्रसंग हमें 250 शब्दों में लिखकर वाट्सऐप या ईमेल करें।
parivar@epatrika.com

लघुकथा...

मायका

अरे दीदी आप आ गईं, कमरे में घुसते ही चहकता सा राजन बोला। मैं आपकी वजह से ही जल्दी आया हूं। नहीं तो ऑफिस से आने में आठ बज जाते हैं। आज आपके लिए कांटे वाली भिंडी और उड़द की दाल बनाई है। आप दो दिन ही रुकोगी इसलिए लंबे वाले बैंगन, ग्वार की फली, देगची की दाल.. इतना मेन्यू मैंने पहले ही तय कर रखा है। अब मन भर कर आपके साथ पिताजी की पुरानी यादों को संजोकर सारी सब्जियां खाएंगे।

हां दीदी.. आप ज्यादा दिन का प्रोग्राम बनातीं तो और ज्यादा अच्छा लगता आपके भाई भी खुश होते हैं आपको देखकर और मुझे भी अच्छा लगता है भाभी ने भी अपना स्वर मिलाया। मैं भाई-भाभी के इस तरह उल्लासपूर्वक स्वागत को देख रही थी। सच में जब से मां-पिताजी का स्वर्गवास हुआ है। मुझे लगता था अब तो मायका खत्म हो गया है। किंतु आज मुझे राजन की पसंद में पिताजी की पसंद दिखाई दे रही थी। दोनों का आत्मीय स्नेह मां-पिताजी की कमी नहीं खलने दे रहा था और लग रहा था मां-पिताजी के बाद भी मायका भाई-भाभी से भी होता है। सच ही कहा है पुत्र हमेशा पिता के पद चिह्नों पर चलता है। आज भाई में पिता की परछाई देखकर आंखें नम हो गईं और दिल से भाई के सुखी जीवन की कामना करने लगी।

- डॉ. अनीता गुप्ता

अवॉर्ड विजेता...

मार्ग्रेट मिशेल : एक किताब से छा गईं दुनिया में

किसी साहित्यकार की लिखी एक ही ऐसी किताब उसके जीवनकाल में छपी कि वह दुनिया भर में छा गई। ऐसी लेखिका थीं - मार्ग्रेट मिशेल। अमरीका के अटलांटा, जॉर्जिया में 1900 में जन्मी मार्ग्रेट की मृत्यु मात्र 49 वर्ष की उम्र में हो गई। किताब की बात करें तो उनके जीवनकाल में उनका लिखा सिर्फ एक उपन्यास प्रकाशित हुआ, गोन विद द वाइंड।

इस एक उपन्यास के बदौलत उन्हें न सिर्फ अमरीका का नेशनल बुक अवॉर्ड मिला बल्कि विश्व भर में प्रतिष्ठित पुलित्जर पुरस्कार भी मिला। यह उपन्यास इतना लोकप्रिय हुआ कि 1939 में इसी नाम से इस पर एक फिल्म भी बनी। मिशेल के इस चर्चित उपन्यास का कथानक युद्ध की विभीषिका, युद्धोत्तर प्रभाव और हिंसा पर आधारित था। उनकी कहानी लोगों को इतनी पसंद आई कि एक दिन में ही इसकी 50,000 प्रतियां बिक गईं। 6 महीने में इसकी 10 लाख प्रतियां छपीं। इस उपन्यास की बिक्री अमरीका के प्रकाशन इतिहास में किसी भी अन्य उपन्यास से ज्यादा हुई। इस उपन्यास की 21वीं सदी की शुरुआत तक दुनिया भर में 40 से ज्यादा भाषाओं में 30 मिलियन से ज्यादा प्रतियां बिक चुकी थीं। इस पर बनी फिल्म ने भी बॉक्स ऑफिस में तहलका मचा दिया। मिशेल एक टॉमबॉय और खुले विचारों वाली महिला थीं। अपनी युवावस्था में उन्होंने कई कहानियां और नाटक लिखे। मार्ग्रेट की मृत्यु के लंबे समय बाद उनके बचपन और किशोरावस्था के लेखन का एक संग्रह और उपन्यास लास्ट लेसन प्रकाशित हुआ। अटलांटा जनरल के लिए मिशेल द्वारा लिखे गए लेखों का संग्रह पुस्तक के रूप में प्रकाशित हुआ। उनकी मृत्यु एक सड़क दुर्घटना में उस समय हो गई जब तेजी से कार चलाते हुए एक शराबी ड्राइवर ने उन्हें सड़क पार करते समय टक्कर मार दी।

बोधकथा

सेवा

लार्ड एटली जब पहली बार इंग्लैंड के प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने राजनीतिक क्षेत्र में अपने एक निकटतम मित्र को उसकी योग्यता के अनुसार कैबिनेट से निचले स्तर का मंत्री पद प्रदान किया। दूसरी बार एटली की पार्टी को फिर सरकार बनाने का मौका मिला और वे पुनः इंग्लैंड के प्रधानमंत्री बने। एटली की सफलता से उनका उपर्युक्त मित्र काफी प्रसन्न हुआ। एक दिन बातों ही बातों में उसने एटली से अपने मन की बात कह दी- 'मित्र, अब तुम मुझे कैबिनेट स्तर का मंत्री बना दो।' मित्र की पद लोलुपता लार्ड एटली को शूल की तरह चुभ गई।

एटली ने अपने मित्र को साफ-साफ शब्दों में कहा- 'राजनीतिक पद सार्वजनिक सेवा के लिए हैं, तुम्हारे कॅरियर बनाने के लिए नहीं। यह योग्यतानुसार दिया जाता है, मांगा नहीं जाता।

सार्वजनिक हित का रक्षक होने के नाते मैं आशा करता हूं कि कल तक तुम वर्तमान मंत्री पद से भी त्याग पत्र दे दोगे।' अंततः उस मित्र को पद त्याग करना ही पड़ा।

- पुष्पेश कुमार पुष्प

माइंड गेम...

शब्द के अंत में 'ली' हो

नीचे दिए शब्द-समूह के लिए ऐसे शब्द तलाशिए, जिनके अंत में 'ली' हो। उत्तर अंत में हैं।

1.रंगों का त्योहार
2.भारत की राजधानी
3.रामायण का पात्र
4.हाथ का हिस्सा
5.एक देवी
6.पत्नी की बहन
7.सखी का पर्याय
8.प्रोटीन का भंडार
9.सूजी का व्यंजन
10.जल की रानी
11.असली नहीं
12.बगीचे का रखवाला
13.बादल का स्त्रीलिंग
14. तेल
15.पतली परत
16.भीगी हुई
17.स्टेशन का मजदूर
18.फर्श सजाने की कला
19. सब्जी

1.होली 2.दिल्ली 3.बाली 4.अंगुली 5.काली 6.साली 7.सहेली 8.मूंगफली 9.इडली 10.मछली 11.नकली 12.माली 13.बदली 14.तिली 15.झिल्ली 16.गीली 17.कुली 18.रंगोली 19.मूली

नई पारी : पूर्व बल्लेबाज टी-20 विश्व कप चैंपियन बनाने वाले राहुल द्रविड़ की जगह लेंगे

अब गंभीर-रोहित युग की शुरुआत
गौतम का 2027 तक कार्यकाल

श्रीलंका दौरे के साथ होगी शुरुआत

गंभीर 2024 आइपीएल में कोलकाता नाइटराइडर्स के मेंटोर रहे हैं। एक मैच के दौरान वह रोहित शर्मा के साथ।

सम्मानित महसूस कर रहा हूं
भारत मेरी पहचान है और अपने देश की सेवा करना मेरे लिए जीवन का बड़ा सौभाग्य रहा है। मैं वापस आकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं, बस इस बार मेरी टोपी अलग है। **-गंभीर**

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम को आखिरकार नया कोच मिल गया है। मंगलवार को बीसीसीआइ सचिव जय शाह ने घोषणा करते हुए पूर्व बल्लेबाज गौतम गंभीर को टीम इंडिया का नया कोच नियुक्त किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, 42 वर्षीय गंभीर को जुलाई 2027 तक के लिए यह जिम्मेदारी दी गई है। वह राहुल द्रविड़ की जगह लेंगे, जिन्होंने हाल ही में भारतीय टीम को आइसीसी टी-20 विश्व कप चैंपियन बनाया है।

श्रीलंका दौरे के साथ होगी शुरुआत

गौतम गंभीर की कोच के तौर पर भारतीय टीम के साथ शुरुआत इस महीने के अंत में श्रीलंका दौरे से होगी। इस दौरे पर टीम इंडिया को तीन वनडे और तीन टी-20 मैचों की सीरीज खेलनी है।

आसान नहीं चुनौतियां अगले तीन साल में चार आइसीसी टूर्नामेंट

भारतीय टीम को 2025 में वनडे चैंपियंस ट्रॉफी, 2026 में टी-20 विश्व कप और 2027 में वनडे विश्व कप खेलना है। इसके अलावा, यदि टीम इंडिया विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचती है तो उनके ऊपर यहां भी खिताब दिलाने का दबाव रहेगा, क्योंकि भारतीय टीम दो बार खिताब जीतने से चूकी है।

केकेआर को चैंपियन बनाने का फायदा मिला

गौतम गंभीर 2024 आइपीएल में कोलकाता नाइटराइडर्स के मेंटोर बने थे और टीम को एक दशक के बाद चैंपियन बनाया था। इससे पहले, वह लखनऊ सुपरजायंट्स के भी मेंटोर रह चुके हैं। ऐसे में उनके पास कोचिंग का अच्छा अनुभव है। गंभीर ने भारत के लिए 58 टेस्ट में 4154 व 147 वनडे में 5238 और 37 टी-20 में 932 रन बनाए हैं।

विम्बलडन, टेनिस : दुनिया के नंबर दो खिलाड़ी ने अंतिम-8 में बनाई जगह

दर्शकों के बर्ताव से गुस्साए नोवाक बोले, मैं इसे बर्दाश्त नहीं कर सकता

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लंदन. सात बार के पूर्व चैंपियन और दूसरी वरीय सर्बियाई खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने विम्बलडन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। दुनिया के नंबर दो खिलाड़ी ने राउंड-16 में डेनमार्क के खिलाड़ी होल्गर रुन को सीधे सेटों में 6-3, 6-4, 6-2 से शिकस्त दी। इसके साथ ही वह विम्बलडन में 15वीं बार और कुल 60वीं बार किसी ग्रैंड स्लैम के क्वार्टरफाइनल में पहुंचे। हालांकि दर्शकों के खराब व्यवहार ने जोकोविच की जीत का स्वाद खराब कर दिया, जिससे वह काफी खफा दिखाई दिए।

इस कारण बिगड़ा मूड : दरअसल, मैच के दौरान सेंट्रल कोर्ट में बैठा दर्शकों का एक समूह लगातार होल्गर रुन का नाम लेकर शोर मचा रहा था। जोकोविच ने मैच के बाद का कि उन्हें कोई समस्या नहीं है कि दर्शक विपक्षी खिलाड़ी की हौसलाअफजाई करें लेकिन यह उन्हें चिढ़ाने के लिए किया जा रहा था।

नोवाक ने कहा, वे मेरा अनादर कर रहे थे और मैं इसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं कर सकता। मैं 20 साल से टेनिस खेल रहा हूं और मैं जानता हूं कि किसी को परेशान करने के लिए क्या-क्या चाल चली जाती हैं। लेकिन ये लोग मुझे छू भी नहीं सकते।

अब मिनुएर से भिड़ंत : नोवाक की सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए ऑस्ट्रेलिया के नौवीं वरीय खिलाड़ी डी मिनुएर से भिड़ंत होंगी। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने फ्रांस के आर्थर फिल्स को 6-2, 6-4, 4-6, 6-3 से शिकस्त दी थी। मिनुएल विम्बलडन में पहली बार क्वार्टरफाइनल में पहुंचे हैं।

शानदार प्रदर्शन

15 वीं बार जोकोविच *विम्बलडन के क्वार्टरफाइनल में*

60 वीं बार किसी *ग्रैंड स्लैम के अंतिम आठ में बनाई जगह*

मैच के बाद दर्शकों के खिलाफ अपने गुस्से का इजहार करते हुए जोकोविच।

क्रेजिकोवा और ओस्टापेंको के बीच होगी अंतिम आठ में भिड़ंत

चेक गणराज्य की बारबोरा क्रेजिकोवा और लात्विया की खिलाड़ी जेलेना ओस्टापेंको के बीच महिला एकल का क्वार्टरफाइनल मुकाबला खेला जाएगा। दोनों खिलाड़ियों के बीच करीब एक साल बाद मुकाबला खेला जाएगा। 31वी वरीय क्रेजिकोवा ने अंतिम-16 में अमरीका की 11वीं वरीय डेनिएला कोलिंस को 7-5, 6-3 से हराया। वहीं, 13वीं वरीय ओस्टापेंको ने कजाकिस्तान की गैरवरीय खिलाड़ी यूलिया पुतिन्तसेवा को 6-2, 6-3 से शिकस्त दी।

तीसरा टी-20 मैच आज : मेजबान जिम्बाब्वे के साथ हरारे में खेला जाएगा मुकाबला

सैमसन-शिवम को मिल सकती है अंतिम एकादश में जगह

मैच प्रसारण
दोपहर **4:30** बजे से

हरारे @ पत्रिका. भारतीय युवा टीम जब बुधवार को जिम्बाब्वे के खिलाफ मैदान पर उतरेगी तो उसकी नजरें सीरीज में बढ़त कायम करने पर होगी। पांच टी-20 मैचों की सीरीज में अभी दोनों टीमें 1-1 से बराबरी पर चल रही हैं। टीम अंतिम एकादश में कुछ बदलाव कर सकती हैं। टी-20 विश्व कप जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे बल्लेबाज संजू सैमसन और ऑलराउंडर शिवम दुबे टीम के साथ जुड़ गए हैं। इन दोनों खिलाड़ियों को अंतिम एकादश में जगह मिल सकती है।

मौज-मस्ती भारतीय खिलाड़ियों ने उठाया जंगल सफारी का लुत्फ

बीसीसीआइ ने जिम्बाब्वे क्रिकेट और जिम्बाब्वे टूरिज्म के साथ मिलकर भारतीय खिलाड़ियों व कोचिंग स्टाफ के लिए जंगल सफारी का आयोजन किया। इस दौरान भारतीय खिलाड़ियों ने सफारी का जमकर लुत्फ उठाया।

आज का पोल

क्या तीसरे टी-20 के लिए संजू सैमसन को अंतिम एकादश में जगह मिलनी चाहिए?

हमारे ट्विटर/फेसबुक पेज पर जाएं और विस्तार से अपनी राय रखें। @PatrikaNews

YES NO

मंगलवार का जवाब: 87% हां 13% नहीं

पिछला सवाल: क्या भारतीय टीम तीसरे टी-20 मैच में जिम्बाब्वे को शिकस्त दे पाएगी?

द्रविड़ को लिखा पत्र

मेरी पत्नी आपको मेरी वर्क वाइफ कहती है : रोहित

नई दिल्ली @ पत्रिका. टी-20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने पूर्व कोच राहुल द्रविड़ के लिए एक खास पत्र लिखा है। रोहित ने लिखा, प्रिय राहुल भाई, बचपन से मैं आपको करोड़ों अन्य लोगों की तरह देखता आया हूं। आप इस खेल के दिग्गज हैं, पर आपने अपनी प्रशंसा और उपलब्धियां दरवाजें पर छोड़ दीं और कोच के रूप में हमारे पास आए। आप सभी को उस स्तर पर लाए कि हम सभी को आपसे कुछ भी कहने में सहजता महसूस हुई। आपको अपना विश्वासपात्र, कोच और दोस्त कह पाना मेरे लिए सम्मान की बात है।

टी-20 लीग : भारतीय टीम का कोच पद छोड़ने के बाद नई भूमिका में दिख सकते हैं

09 साल बाद आइपीएल में हो सकती है द्रविड़ की वापसी, बन सकते हैं केकेआर के मेंटोर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मुंबई. भारतीय टीम को आइसीसी टी-20 विश्व कप जिताने में अहम भूमिका निभाने वाले पूर्व कोच राहुल द्रविड़ जल्द नई जिम्मेदारी संभालते हुए दिख सकते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक द्रविड़ की 09 साल के बाद आइपीएल में वापसी हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक, आइपीएल 2024 की चैंपियन कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) ने द्रविड़ से टीम मेंटोर की भूमिका के लिए संपर्क किया है। 2016 में आखिरी बार आइपीएल में दिखने वाले द्रविड़ पूर्व मेंटोर गौतम गंभीर की जगह लेंगे, जो भारतीय टीम के मुख्य कोच बन गए हैं।

द्रविड़ सबसे मजबूत दावेदार

टीम इंडिया को एक दशक बाद विश्व कप ट्रॉफी दिलाने वाले द्रविड़ का कोच के तौर पर कद काफी बढ़ गया है। रिपोर्ट के तहत, द्रविड़ अब किसी भी टीम का पूर्णकालिक कोच बनने के इच्छुक नहीं हैं लेकिन वह मेंटोर के तौर पर नई पारी की शुरुआत कर सकते हैं।

लंबे अर्से तक आइपीएल से जुड़े रहे द्रविड़

89 मैच आइपीएल में *द्रविड़ ने कुल खेले*

2174 रन *बनाए और* 11 अर्धशतक कुल ठोके

- **2008** में आइपीएल की शुरुआत से 2013 तक द्रविड़ बतौर खिलाड़ी इस लीग में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) के लिए खेले।
- **2011** में वह राजस्थान रॉयल्स टीम के साथ जुड़े। 2014 में उन्होंने खिलाड़ी के तौर पर आइपीएल से संन्यास ले लिया।
- **2014** में द्रविड़ राजस्थान रॉयल्स के मेंटोर बने और 2015 तक उन्होंने यह भूमिका निभाई। 2016 में वह दिल्ली कैपिटल्स टीम के मेंटोर बने।

प्लेयर ऑफ द मंथ

बुमराह-मंधाना को आइसीसी अवॉर्ड

जसप्रीत बुमराह, स्मृति मंधाना

दुबई @ पत्रिका. भारत को टी-20 विश्व कप जिताने में अहम भूमिका निभाने वाले पेसर जसप्रीत बुमराह को जून महीने के लिए आइसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया है। महिला टीम की ओपनर स्मृति मंधाना भी प्लेयर ऑफ द मंथ बनी हैं। यह पहली बार है जब महिला व पुरुष वर्ग में एक ही देश के खिलाड़ियों को यह सम्मान मिला है।

महिला क्रिकेट : तीसरा व अंतिम टी-20 जीता और सीरीज 1-1 से बराबर की

भारत ने द. अफ्रीका को 10 विकेट से धोया

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

चेन्नई. भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने मंगलवार को यहां खेले गए तीसरे और अंतिम टी-20 मैच में दक्षिण अफ्रीका को 55 गेंद शेष रहते हुए 10 विकेट से करारी शिकस्त दी। इसके साथ ही भारतीय महिला टीम ने तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर दी। सीरीज का दूसरा मैच बारिश से धुल गया था।

मेजबान भारतीय टीम ने टॉस जीता और पहले गेंदबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीकी टीम को 17.1 ओवर में 84 रन पर ढेर कर दिया। जवाब में भारतीय टीम ने 10.5 ओवर में बिना कोई विकेट गंवाए 88 रन बनाए और जीत हासिल कर ली।

दक्षिण अफ्रीका बल्लेबाज का विकेट लेने के बाद साथी खिलाड़ी के साथ खुशी मनाती हुई भारतीय टीम की मीडियम पेसर पूजा वस्त्राकर (दाएं)।

स्मृति मंधाना और पूजा ने किया दमदार प्रदर्शन

भारतीय टीम की जीत में मीडियम पेसर पूजा वस्त्राकर और सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने अहम भूमिका निभाई। प्लेयर ऑफ द मैच बनी पूजा वस्त्राकर ने जबरदस्त गेंदबाजी की और 13 रन देकर चार विकेट लिए। वहीं, लक्ष्य का पीछा करते हुए स्मृति मंधाना ने 40 गेंदों में आठ चौकों और दो छक्कों के साथ नाबाद 54 रन ठोके।

विदाई : वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला मैच आज से

41 वर्षीय एंडरसन आखिरी टेस्ट मैच खेलने के लिए उतरेंगे

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लंदन . 41 वर्षीय इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन बुधवार को अंतरराष्ट्रीय करियर का अपना आखिरी टेस्ट मैच खेलने के लिए उतरेंगे। वह वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू होने जा रही तीन टेस्ट की सीरीज में सिर्फ शुरुआती मुकाबला खेलेंगे और यह उनका विदाई मैच होगा। एंडरसन सीमित ओवरों की क्रिकेट से पहले ही संन्यास ले चुके हैं। एंडरसन ने 187 टेस्ट मैच खेले हैं और इस दौरान उन्होंने 700 विकेट झटके हैं। वह टेस्ट इतिहास के सबसे सफल तेज गेंदबाज हैं।

तोड़ सकते हैं वॉर्न का रेकॉर्ड: एंडरसन के पास दिवंगत स्पिनर शेन वॉर्न का रेकॉर्ड तोड़ने का मौका है। एंडरसन यदि इस टेस्ट में नौ विकेट लेते हैं तो वह टेस्ट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज बन जाएंगे। उनसे आगे श्रीलंका के पूर्व स्पिनर मुथैया मुरलीधरन (800) और शेन वॉर्न (708) हैं।

CROSSWORD (वर्ग पहेली) 7040...

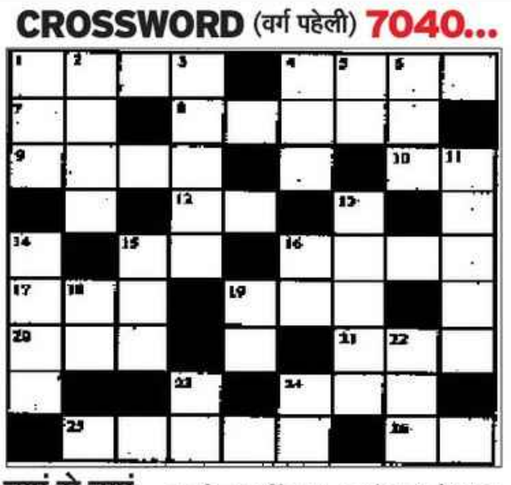

बाएं से दाएं... 1. लज्जित, शर्मिंदा (4), 4. धरोहर, थाती (4), 7. कपड़े की कतरन/टुकड़ा (2), 8. पथ प्रदर्शन, रास्ता बताना, आगे-आगे चलना (5), 9. तमोगुणों से युक्त (4), 10. अंग्रेजी वर्ष का पांचवां महीना (2), 12. मिट्टी (2), 15. दुख, शोक (2), 16. बाल्यावस्था (4), 17. इच्छा, अभिलाषा (3), 19. निवास करना, रहना (3), 20. कब्र के ऊपर बनी इमारत (3), 21. भयभीत, अधीर (3), 24. स्वादिष्ट, सुस्वादु (3), 25. वह मुस्लिम त्योहार जो रोजे पूरे होने पर मनाया जाता है (3-2), 26. मुनाफा, फायदा (2)

ऊपर से नीचे...

हल 7039

आ	फ	त	■	स	म	झ	दा	र
मा	ल	चा	ह	क	■	न	■	ज
दा	स	■	के	ल	म	का	र	■
■	फा	य	दा	■	दा	र	■	अं
स	■	ज	र	दा	री	■	अ	ज
म	ज	मा	■	ड़ि	■	वि	ज्ञा	न
त	■	न	शे	म	न	■	न	■
ल	य	■	र	■	ग	ला	■	ना
■	च	य	■	ज	र	ख	री	द

1. चिराग की बत्ती (3), 2. पुरुष-केसरी (2-2), 3. पाप कर्म की ओर ले जाने वाला (3-2), 4. छोटा भाई (3), 5. मांका भाई (2), 6. स्वर्ग, नेकी (3), 11. धर्मनिष्ठ, सच्चा (5), 13. रचयिता, कृतिकार (5), 14. प्रायः आम तौर पर (4), 15. सैनिक विद्रोह (3), 16. बूता, सामर्थ्य (2), 18. नृप, नरेश, सम्राट (2), 19. बुरा (2), 22. कटोरे की शक्ल का बड़ा गहरा बर्तन (3), 23. समय का सबसे छोटा अंश (2), 24. नियत काल, अधिवेशन (2)

SUDOKU 6775...

				2				
			8	6			5	3
		9	1	4				
					1			
	9					5	2	
	3					9	8	
		4			6			
		7		3	4	8	1	
	2					4		9

हल 6774

4	9	6	1	3	5	7	2	8
1	5	7	2	4	8	3	9	6
2	8	3	6	7	9	5	1	4
5	3	9	7	8	1	4	6	2
8	6	1	3	2	4	9	5	7
7	4	2	5	9	6	8	3	1
3	1	8	4	5	2	6	7	9
9	2	5	8	6	7	1	4	3
6	7	4	9	1	3	2	8	5

कैसे खेलें: वर्ग को 1 से 9 तक अंकों से ऐसे भरें कि आड़ी व खड़ी पंक्ति के साथ ही 3 गुणा 3 के बॉक्स में 1 से 9 तक अंक आएं। कोई अंक दुबारा नहीं आए।

पेरिस ओलंपिक गेम्स 2024 // अफगानिस्तान के छह एथलीट चुनौती पेश करने के लिए उतरेंगे, इसमें तीन महिला और तीन पुरुष शामिल

तालिबान ने महिला एथलीटों को ओलंपिक में उतरने की नहीं दी अनुमति

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

काबुल. इस साल 26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक खेलों में चुनौती पेश करने के लिए तालिबान ने तीन पुरुष एथलीटों को अनुमति दे दी है। हालांकि तालिबान ने अपनी महिला एथलीटों पर प्रतिबंध जारी रखा है। लेकिन अफगान राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (एनओसी) ने महिला एथलीटों का साथ दिया है।

एनओसी ने कहा कि ओलंपिक में तीन नहीं बल्कि छह एथलीट उतरेंगे। इसमें तीन महिला खिलाड़ी होंगी। ये वो महिला एथलीट हैं, जो अफगानिस्तान छोड़कर दूसरे देशों में रह रही हैं। 2021 मे अमरीकी सेना के वापस जाने के बाद से तालिबान सरकार अफगानिस्तान में है।

ओलंपिक खेलों के दौरान अफगानिस्तान टीम के एथलीट।

आइओसी ने तालिबान अधिकारियों के पेरिस में आने पर रोक लगाई

अफगान राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (एनओसी) तालिबान के शासन के बाद से किसी और देश से अपना काम कर रही है। एनओसी लगातार अफगान खिलाड़ियों की मदद कर रही है। वहीं, अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) ने भी साफ कर दिया है कि वे सिर्फ एनओसी को अफगान एथलीटों का प्रतिनिधित्व करने के रूप में मान्यता देता है। इसके अलावा, आइओसी ने कहा कि वह तालिबान खेल और अन्य अधिकारियों को पेरिस ओलंपिक में भाग लेने की अनुमति भी नहीं देता।

महिला एथलीटों का है बुरा हाल

तालिबान सरकार आने के बाद से महिला एथलीटों का बुरा हाल है। तालिबान खेल डायरेक्टोरेट के प्रवक्ता ने कहा, यहां लड़कियों के सभी खेलों पर बैन लगा हुआ है। जब लड़कियां खेल ही नहीं सकती तो वे ओलंपिक में कैसे जाएंगी।

06 एथलीट चुनौती पेश करने उतरेंगे

अफगान राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (एनओसी) ने कहा कि पेरिस ओलंपिक में कुल छह एथलीट उतरेंगे, जो अब तक का उसका सबसे बड़ा दल है। इसमें तीन पुरुष और तीन महिला एथलीट होंगे।

टोक्यो में एक महिला एथलीट उतरी थी

2020 ओलंपिक खेलों में अफगानिस्तान के कुल पांच एथलीटों ने शिरकत की थी। इसमें एक महिला एथलीट कामिया यूसूफी भी थीं, जिन्होंने 100 मीटर फर्राटा में भाग लिया था।

उत्तराखंड: बाढ़ से बिगड़े हालात, लोगों को पीठ पर उठा निकाल रहे एनडीआरएफ के जवान

हल्द्वानी. लगातार हुई भारी बारिश के बाद उत्तराखंड के कई इलाकों में बाढ़ से हालात बिगड़े हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को हल्द्वानी, बनबसा, टनकपुर, सितारगंज, खटीमा आदि क्षेत्रों का हवाई दौरा किया। इसके बाद उन्होंने केंद्र सरकार को बाढ़ के हालात की जानकारी दी। बाढ़ प्रभावित इलाकों में एनडीआरएफ के जवानों ने मोर्चा संभाल लिया। ये बुजुर्गों को पीठ पर उठाकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रहे हैं।

पत्रिका पोल

Q क्या पीएम नरेंद्र मोदी की रूस यात्रा को लेकर अमरीका और यूक्रेन की नाराजगी जायज है?

कल का सवाल था

या फ्रांस में सियासी उलटफेर से पेरिस में होने वाले ओलंपिक खेलों के आयोजन पर असर पड़ेगा?

जवाब

75% हां 25% नहीं

स्कैन करें...

इंडिया @ शॉर्ट रीड

दिल्ली आतंकी संगठन पर प्रतिबंध बढ़ाया

नई दिल्ली@ पत्रिका. गृह मंत्रालय ने मंगलवार को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत आतंकी समूह सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) पर प्रतिबंध पांच वर्ष के लिए बढ़ा दिया और इसे फिर से गैर कानूनी संगठन घोषित कर दिया। अमरीका स्थित एसएफजे को इससे पहले जुलाई 2019 में प्रतिबंधित किया गया था।

तमिलनाडु पटाखा फैक्टरी में विस्फोट, दो मरे

विरुधुनगर@ पत्रिका. शिवकाशी के निकट कलायारकुरीची गांव में एक पटाखा फैक्टरी में मंगलवार को विस्फोट हो जाने से दो मजदूरों की मौत हो गई, दो लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह घटना फैंसी पटाखे बनाने के लिए अत्यंत ज्वलनशील रसायनिक पदार्थों को मिलाने के दौरान विस्फोट होने से हुई।

वर्ल्ड @ शॉर्ट रीड

इंडोनेशिया सोने की खान में भूस्खलन, 23 मरे

जकार्ता@ पत्रिका. इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप पर अवैध रूप से खोदी गई सोने की खान में भूस्खलन से 11 लोगों की मौत हो गई। रेस्क्यू टीम के प्रमुख हेरियांतो ने बताया कि पर्वतीय गांव बोन बोलांगो में रविवार को 100 से अधिक ग्रामीण सोने के लिए खुदाई कर रहे थे, तभी पहाड़ की सैकड़ों टन मलबा गिर गया। बचाव दल ने 23 लोगों को बचा लिया, जिनमें 18 घायल बताए जा रहे हैं। मलबे से 11 शव भी निकाले गए हैं।

अमरीका तूफान से 30 लाख घरों में बिजली गुल

ह्यूस्टन@ पत्रिका. अमरीका के टेक्सास प्रांत में सोमवार को आए शक्तिशाली तूफान 'बेरिल' से भारी तबाही हुई है। तेज बारिश के बाद कई जगह बाढ़ के हालात हैं, 30 लाख घरों और प्रतिष्ठानों में बिजली गुल है। तूफान से हुए हादसों में चार लोगों की मौत हो गई। नेशनल हरिकेन सेंटर' के मुताबिक तूफान से पूर्वी टेक्सास, पश्चिमी लुइसियाना और अरकांसस के कुछ हिस्सों में बाढ़, बारिश और तेज हवाएं चल रही हैं।

सिंगापुर भारतीय मूल के शख्स को 13 साल की जेल

सिंगापुर@ पत्रिका. सिंगापुर की एक अदालत ने नाबालिग से रेप के मामले में दोषी भारतीय मूल के शख्स को 13 साल की जेल की सजा सुनाई है। इसके अलावा नौ कौड़े भी पड़ेंगे। आरोपी 42 वर्षीय राजकुमार बाला भारतीय मूल का है, जिसके पास अब सिंगापुर की नागरिकता है। वह यहां बार चलाता है। बाला पर 2020 में बालिका गृह से भागी एक 17 वर्ष की लड़की को अपने घर पर शरण देने के नाम पर रेप का आरोप है।

पेरू 22 साल बाद मिला पर्वतारोही का शव

लीमा@ पत्रिका. पेरू की बर्फीली चोटियों पर 22 साल से लापता एक अमरीकी पर्वतारोही का शव मिला है। शव की पहचान 59 वर्षीय विलियम स्टैम्पफ्ल के रूप में हुई है, जो जून 2002 में युंगय प्रांत में 22,000 फीट ऊंचे हास्करन पर्वत पर अपनी टीम के साथ चढ़े थे, लेकिन अचानक हुए हिमस्खलन में उनकी पूरी टीम लापता हो गई थी। अब पेरू पुलिस को उनका शव मिला है। भीषण ठंड के कारण स्टैम्पफ्ल का शव, कपड़े और पासपोर्ट सुरक्षित पाए गए। पासपोर्ट के आधार पर शव की पहचान की गई।

अमरीका उड़ान भरते समय विमान का पहिया टूटा

लॉस एंजिल्स@ पत्रिका. यहां एयरपोर्ट पर सोमवार को उड़ान भरते समय बोइंग के विमान का पहिया टूट गया। हालांकि गंतव्य डेनवर में यह सुरक्षित उतर गया। बोइंग 757-200 का संचालन करने वाली यूनाइटेड एयरलाइन्स ने कहा कि पहिए को बरामद कर लिया गया है और घटना के कारणों की जांच की जा रही है। विमान में 174 यात्री और 7 चालक दल के सदस्य थे।

अमरीका मानव तस्करी के आरोप में 4 पकड़े

न्यूयार्क@ पत्रिका. उत्तरी टेक्सास की प्रिंसटन पुलिस ने मानव तस्करी और जबरन मजदूरी कराने के आरोप में भारतीय मूल के चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को मामले की जांच में पता चला कि 15 महिलाएं एक ही घर में रहती थीं और फर्श पर सो रही थीं।

अमेरिकी चुनाव: राष्ट्रपति ने अब आलोचकों पर किया हमला, रेस से हटने से इंकार

बाइडन ने दी चुनौती, बाहर होने को कहने वाले कन्वेंशन में करें सामना

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

वॉशिंगटन. भारत के नेताओं के बारे में कहा जाता है कि वे कब्र में पैर होने पर भी सत्ता का मोह नहीं छोड़ते। लेकिन अब यही सब अमरीका में होते दिख रहा है। अमरीका के इतिहास में सबसे उम्रदराज राष्ट्रपति जो बाइडन ने अब अपनी राष्ट्रपति की उम्मीदवारी को लेकर उठ रहे सवालों पर आक्रामक रुख अपना लिया है। बाइडन ने एक के बाद एक कई कदम उठाते हुए सीधी घोषणा कर दी है, वे रेस में अंत तक बने रहेंगे और वही एक उम्मीदवार हैं जो ट्रंप को हरा सकते हैं।

1. बाइडन ने डेमोक्रेट सांसदों को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि इस विरोध को अब समाप्त किया जाए। हमारी छोटी से छोटी कमजोरी का फायदा डॉनल्ड ट्रंप उठा सकते हैं। यह समय ट्रंप को हराने के लिए एकजुट होने का है। 2. उन्होंने मंगलवार को एमएसएनबीसी के प्रोग्राम 'मॉर्निंग जो' में उन डेमोक्रेट सांसदों को सीधे चुनौती दे दी, जो उन्हें रेस से हटने को कह रहे हैं। बाइडन ने कहा, उन्हें इस बात की परवाह नहीं कि कोई 'नाम-गिरामी सांसद' उन्हें दौड़ से बाहर होने के लिए कह रहा है। उन्होंने कहा, मुझे बाहर होने को कह रहे नेता अगस्त में शिकागो में होने वाले डेमोक्रेट कन्वेंशन में मेरे खिलाफ राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी पेश करें। सम्मेलन में मुझे चुनौती दें। 3. इसके बाद बाइडन ने 19 मिनट तक अपने डोनर्स से कॉल पर बात करते हुए कहा कि वह दौड़ में बने रहेंगे और उन्हें अभियान का ध्यान उनसे हटाकर ट्रम्प पर केंद्रित करना चाहिए। 4. इसके बाद बाइडन ने अपने चुनावी अभियान की रणनीति की समीक्षा करते हुए अपनी टीम से कहा, उनका लक्ष्य अब बस एक ही है - हमला, हमला और हमला।

अब दो घटनाक्रमों पर डेमोक्रेट सांसदों की नजर

मौजूदा सप्ताह दो कारणों से बाइडन की राष्ट्रपति पद की दावेदारी के लिए निर्णायक है। मंगलवार से बाइडन वाशिंगटन में 3 दिवसीय 75वें नाटो शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहे हैं। बाइडन की कोशिश होगी की अपनी सक्रियता से वह आलोचकों का मुंह बंद करें। इतना ही नहीं, सम्मेलन के अंत में बाइडन एक संवाददाता सम्मेलन का अकेले सामना करेंगे। बाइडन के इस कदम पर डेमोक्रेट्स सांसदों और डोनर्स की नजर है। यहां वे बाइडन के प्रदर्शन को परखेंगे कि क्या वे ट्रंप का अगली डिबेट में सामना कर पाएंगे।

बाइडन-ट्रंप रेटिंग ताजा सर्वे

5% नहीं पता 9% कोई और

चुनावी वर्ष में पूर्व राष्ट्रपतियों की अपूर्वल रेटिंग

बाइडन (2024)	38%
ट्रंप (2020)	46%
ओबामा (2012)	52%

(गैलप सर्वे)

बाइडन का विकल्प, दौड़ में सबसे आगे कमला हैरिस

- उपराष्ट्रपति कमला हैरिस
- मिशिगन के गवर्नर ग्रेचेन व्हिटमर
- कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम
- परिवहन मंत्री पीट बुटीगेग
- पेंसिल्वेनिया के गवर्नर जोश शापिरो
- इलिनोइस के गवर्नर जेबी प्रिट्जकर

8 महीने में 8 बार वाइट हाउस पहुंचा पार्किंसन का डॉक्टर

वाइट हाउट की विजिटर लॉग बुक के अनुसार, पार्किंसन रोग विशेषज्ञ डॉ. केविन कैनार्ड ने पिछले आठ महीनों में आठ बार वाइट हाउस का दौरा किया। कम से कम एक बार कैनार्ड बाइडन के आधिकारिक चिकित्सक के साथ भी मिलने पहुंचे। इस बारे में बाइडन के परिवार ने कहा है कि यह भेंट किसी रोग के बारे में नहीं थी। वहीं, सोमवार को वाइट हाउस के प्रेस सचिव ने इस विषय पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। साथ ही कहा, बाइडन में ऐसी किसी बीमारी लक्षण नहीं हैं।

दबाव और चुनौतियों में भी प्रदर्शन करने वाले नेता हैं मांडविया

नवनीत मिश्र
patrika.com

चेहरा और चुनौती

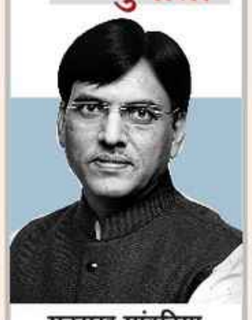

मनसुख मांडविया
श्रम-रोजगार, युवा एवं खेल मामलात मंत्री

भाजपा में मनसुख मांडविया ऐसे नेता हैं, जो विपरीत हालात में भी अपना श्रेष्ठ देने की कोशिश करते हैं। कोविड के संकट के दौर में जब डॉ. हर्षवर्धन के इस्तीफे के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें स्वास्थ्य मंत्री बनाया था तो लोग चौंके थे, लेकिन मांडविया ने अपने प्रदर्शन से आलोचकों को खामोश कर दिया था। कोविड संकट के समय रेकॉर्ड टीकाकरण से लेकर जीवनरक्षक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराकर उन्होंने बतौर स्वास्थ्य मंत्री खुद को साबित कर दिखाया था। मोदी के तीसरे कार्यकाल में उन्हें श्रम एवं रोजगार के साथ युवा और खेल मंत्रालय की कमान मिली है।

गुजरात के भावनगर जिले के पालीताना तालुका के हनोल नामक छोटे से गांव में 1 जून 1972 को किसान परिवार में जन्मे मांडविया संघर्षों के साथ सफलता हासिल करने वाले शख्स रहे हैं। संसद तक साइकिल से जाने के शौक के कारण 'ग्रीन एमपी' के तौर पर मशहूर मांडविया की राजनीतिक यात्रा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से शुरू हुई। राजनीति विज्ञान में एमए और पीएचडी की शिक्षा प्राप्त मांडविया 2002 में 28 साल की उम्र में ही विधायक बन गए थे। मोदी सरकार में पहली बार 5 जुलाई 2016 को उन्हें परिवहन राज्य मंत्री के रूप में एंट्री मिली। दूसरे कार्यकाल में 2019 में उन्हें पहले रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री के साथ बंदरगाह, एवं जलमार्ग का स्वतंत्र प्रभार मिला।

पदयात्राओं के लिए जाने जाते हैं मांडविया

मांडविया सामाजिक मुद्दों के लिए लंबी पदयात्राओं के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने 2004 में, बालिका शिक्षा के प्रचार और जागरूकता के लिए 123 किलोमीटर और 2006 में लैंगिक भेदभाव और और नशे की लत के खिलाफ उन्होंने 127 किलोमीटर की पदयात्रा की। मांडविया ने महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में 150 किलोमीटर लंबी पदयात्रा की।

कोविड टीकाकरण का रेकार्ड, अच्छी पहल भी

मांडविया के स्वास्थ्य मंत्री के कार्यकाल में दुनिया के सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान का रेकॉर्ड बना। इस दौरान टीकों की 220 करोड़ से अधिक खुराकें दी गईं। 10 करोड़ सैनिटरी नैपकिन वितरित करने पर यूनिसेफ से सम्मान मिला वहीं आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन भी शुरू किया।

खोले 10 हजार से अधिक जन औषधि केंद्र

रसायन एवं उर्वरक मंत्री रहते मनसुख मांडविया ने सस्ती दवाएं उपलब्ध कराने से जुड़े मोदी सरकार के ड्रीम प्रोजेक्ट प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र परियोजना को धरातल पर उतारा। उनके नेतृत्व में देश में 10,600 से अधिक जन औषधि स्टोर खोलें, जहां सस्ती दरों पर दवाइयां मिलतीं हैं।

चुनौतियां

- लंबित पड़े श्रम सुधारों को लागू करना, रोजगार की उपलब्धता बढ़ाना
- 44 पुराने कानूनों की जगह बने 4 लेबर कोड को धरातल पर उतारना
- कामगारों की सेवा सुरक्षा और न्यूनतम आय सुनिश्चित करना
- खेल प्रतिभाओं को तराशने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करना

कार्रवाई: खंडवा लेकर पहुंची एटीएस, घर की दोबारा तलाशी

'सिमी' को जिंदा करना चाहता था आतंकी फैजान, करता था बच्चों का ब्रेनवॉश

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

खंडवा(मध्यप्रदेश). गैरकानूनी गतिविधियों के मामले में पकड़ा गया इंडियन मुजाहिदीन का आतंकी फैजान प्रतिबंधित संगठन स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) को फिर से मजबूत बनाना चाहता था। इसके लिए वह पुलिस मुठभेड़ में मारे गए सिमी आतंकियों के परिवारों से संपर्क में था। इसके साथ ही वह नाबालिगों का ब्रेनवॉश कर स्लीपर सेल तैयार कर रहा था। उसके पास से सिमी सदस्यता के फार्म भी मिले हैं। पांच दिन पहले सलूजा कॉलोनी से पकड़े गए फैजान से एटीएस की पूछताछ में ये खुलासे हुए हैं।

घर की फिर तलाशी ली

भोपाल एटीएस मंगलवार को एनआइए की टीम के साथ फैजान को लेकर खंडवा पहुंची। दोनों जांच एजेंसियों ने फैजान के घर की एक बार फिर तलाशी ली। उसे खंडवा जिला अस्पताल से कोर्ट ले जाया गया तो वह विक्ट्री साइन दिखा रहा था। कोर्ट ने उसे 22 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

तमिलनाडु : आदिवासी समुदाय की रोहिणी अब एनआइटी त्रिची में पढ़ेगी

तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली की आदिवासी समुदाय की रोहिणी ने जेईई की परीक्षा में 73 फीसदी अंक हासिल किए। वह राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, त्रिची में प्रवेश लेने वाली जिले की पहली आदिवासी लड़की बन गई है।

अजब : 75 लाख रुपए में खरीद रहे हैं स्टैग बीटल

बीएमडब्लू और ऑडी जैसी कार से भी महंगा है कीड़ा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. एक कीड़े से भला भाग्योदय कैसे संभव है, लेकिन स्टैग बीटल नामक कीड़ा भाग्य बदल सकता है। इस कीड़े को खरीदने के लिए लोग बीएमडब्लू और ऑडी जैसी महंगी कारों की कीमत से भी ज यादा 75 लाख रुपए देने को तैयार बैठे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दुर्लभ स्टैग बीटल को सौभाग्य से जोड़कर देखा जाता है। कई लोगों का मानना है कि कीड़े के मालिक होने से अचानक धन की प्राप्ति हो सकती है। इसे पारिस्थितक संतुलन को बनाए रखने में भी सहायक मानते हैं।

बनावट भी गजब

नर स्टैग बीटल की लंबाई 4 सेमी से 9 सेमी तक हो सकती है। जबकि मादा स्टैग बीटल की लंबाई 3 सेमी से 4 सेमी तक हो सकती है। इन कीटों का जीवनकाल तीन से सात साल तक होता है। इसका रूप में अनोखा है। नर स्टैग बीटल के जबड़े एक हिरण के सींग जैसे होते हैं।

ट्रेंडिंग न्यूज

बारडेला के हाथ में ईयू समूह की कमान

फ्रांस की दक्षिणपंथी पार्टी नेशनल रैली के 28 वर्षीय अध्यक्ष जॉर्डन बारडेला को यूरोपीय संसद के नए समूह 'पैट्रियट्स फॉर यूरोप' का अध्यक्ष चुना गया है। नेशनल रैली सोमवार को इस समूह में शामिल हुई।

सुनक ने हारे हुए सांसदों से माफी मांगी

ब्रिटेन के आम चुनाव में कंजरवेटिव पार्टी के अनेक वरिष्ठ नेता हार गए। उनकी हार की जिम्मेदारी लेते हुए पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने उम्मीदवारों को फोन करके मांगी है। रिचमंड से जीतने वाले सुनक ने सोमवार को अपनी शैडो कैबिनेट की घोषणा भी की।

पूर्व राष्ट्रपति, आभूषण गबन का आरोप

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोलसोनारो पर ब्राजील की पुलिस ने अपने कार्यकाल के दौरान सऊदी अरब से लाए गए करीब 12 लाख डॉलर मूल्य के आभूषण के गबन का आरोप लगाया है। सोमवार को ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट में यह रिपोर्ट पेश की गई।

बिना टायर-स्टीयरिंग की कैप्सूल कार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सूरत. सूरत के तीन इंजिनियरिंग छात्रों ने ऐसी इलेक्ट्रिक कैप्सूल कार बनाई हैं, जिसे भविष्य की कार कहा जा रहा है। इस कार की खास बात यह है कि इसमें टायर और स्टीयरिंग नहीं हैं, बल्कि इसे चलाने के लिए गेमिंग जॉयस्टिक और मोबाइल डिवाइस का इस्तेमाल किया जाता हैं। इसे भविष्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से भी चलाया जा सकेगा। मात्र साढ़े तीन महीने में बनाई गई यह कार एक बार चार्ज करने पर 80 किलोमीटर तक चल सकती है और यह 35 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार देती है। इसे शिवम मौर्या, संगम मिश्रा और दलजीत ने मिलकर कुल 65,000 रुपए की लागत से तैयार किया है।

कार का डिजाइन फ्यूचरिस्टिक है। डिजाइन में टायर नहीं होंगे। कार की संरचना एक गोलाकार है, जिसमें केवल बॉडी दिखाई देती है।

चार फीट लंबी, छह फीट चौड़ी

यह कार चार फीट लंबी और छह फीट चौड़ी है और इसमें सिर्फ एक ही व्यक्ति बैठ सकता है। यह फ्यूचरिस्टिक कैप्सूल कार पूरी तरह से इलेक्ट्रिक है और इसका डिजाइन बाकी कारों से बहुत अलग है। इसे बनाने के लिए जरूरी सामान तो खरीदा गया है, लेकिन ज्यादातर कच्चा माल शहर की कबाड़ की दुकानों से लिया गया है। यह भविष्य की कैप्सूल कार एक पूर्ण-इलेक्ट्रिक ऑटोमोबाइल है। इस कार को छात्रों ने पर्यावरण को ध्यान में रखकर बनाया है।

उपग्रह की मदद से वैज्ञानिकों ने बनाया राम सेतु का मानचित्र

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बेंगलूरु. भारतीय अंतरिक्ष वैज्ञानिकों ने अमरीकी उपग्रह आइसीईसैट-2 के आंकड़ों का उपयोग कर राम सेतु (एडम्स ब्रिज) की संरचना के जटिल विवरणों को समझने की कोशिश की है। शोधकर्ताओं ने उपग्रह के फोटोन (वाटर-पेनेट्रेटेड फोटॉन) कणों का उपयोग कर राम सेतु का विस्तृत मानचित्र तैयार किया। उनका मानना है कि राम सेतु के बारे में गहन जानकारी देने वाली यह पहली रिपोर्ट है, जो इसकी उत्पत्ति के राज खोलेगी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की इकाई राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र (एनआरएससी) के जोधपुर और हैदराबाद स्थित केंद्रों के वैज्ञानिकों ने नासा के उपग्रह का प्रयोग कर अध्ययन रिपोर्ट तैयार की है। भारत और श्रीलंका को जोड़ने वाला यह सेतु भारत के धनुषकोडी से श्रीलंका के तलाईमन्नार द्वीप तक 29 किलोमीटर लंबा है। चूना पत्थर के ढेरों से बने राम सेतु का 99.98 प्रतिशत जलमग्न है। राम सेतु के दोनों तरफ लगभग 1.5 किलोमीटर तक की शिखर रेखा अत्यधिक ऊबड़-खाबड़ है। शोधकर्ताओं को उम्मीद है कि इससे भारत और श्रीलंका के बीच भूमि पुल की उत्पत्ति पर लंबे समय से चल रहे विवादों को सुलझाने में मदद मिलेगी।

रामसेतु का थ्रीडी मॉडल

पहली बार हुए इस मानचित्रण में पूरे 29 किलोमीटर लंबे पुल का पहली बार समुद्र के नीचे का मानचित्र तैयार किया गया है, जिसमें समुद्र तल से इसकी ऊंचाई 8 मीटर दर्शाई गई है।

फोटोन कणों का प्रयोग

वैज्ञानिकों ने कहा है कि उपग्रह के लेजर अल्टीमीटर से फोटोन कणों को समुद्र के उथले क्षेत्रों में किसी भी संरचना की ऊंचाई मापने के लिए उपयोग में लाया जाता है। नासा उपग्रह के फोटोन कण 40 किमी गहराई तक जा सकते हैं। वैज्ञानिकों ने लगभग 2 लाख फोटोन कणों को एकत्र कर डेटा हासिल किया।

सेतु के नीचे छोटी-बड़ी नहरें

वैज्ञानिकों ने कहा है कि सेतु के नीचे 11 संकरी नहरें भी दिखीं, जिनकी गहराई 2-3 मीटर के बीच थी। इससे मन्नार की खाड़ी और पाक जलडमरूमध्य के बीच पानी का मुक्त प्रवाह या आदान-प्रदान होता है। रामेश्वरम के मंदिर अभिलेखों से पता चलता है कि यह पुल सन 1480 तक पानी के ऊपर था लेकिन, एक चक्रवात के दौरान डूब गया। रामायण के अनुसार रामसेतु का निर्माण भगवान राम की वानर सेना ने श्रीलंका जाने के लिए किया था।

''स्वत्वाधिकारी राजस्थान पत्रिका प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक गजराज भण्डारी द्वारा 2/3 आई एन एस बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं राजस्थान पत्रिका प्रा. लि. भूखण्ड संख्या 68-69, फेज VII , सैक्टर-35, गुरुग्राम (हरियाणा) एवं मैसर्स विभा पब्लिकेशन प्राईवेट लिमिटेड, डी-160 बी, सैक्टर 7, गौतमबुद्ध नगर (यू.पी.) से मुद्रित। आर.एन.आई. नं. डेलहिन/2005/15156, सम्पादक: भुवनेश जैन। सम्पादकीय प्रभारी: सुरेश व्यास-पी.आर.बी. एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी''